



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



N. 52]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर २५, १९९९/पौष ४, १९२१

No. 52]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 25, 1999/PAUSA 4, 1921

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के क्षय में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सार्विक आदेश और अधिसूचनाएँ

Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, ९ दिसम्बर, १९९९

का.आ. ३६४३.—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, १९२६ के नियम १० के उप-नियम (४) के अनुसरण में गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या ८० प्रतिशत से अधिक हो जाने के फल-स्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है:—

1. १८ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
2. ४१ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
3. ४४ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
4. ४५ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
5. ६० बटालियन, सीमा सुरक्षा बल

6. ६३ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
7. ६४ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
8. ७५ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
9. ८६ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
10. १०३ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
11. १०६ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
12. १२७ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
13. १४१ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
14. १८१ बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
15. १०६६ आर्टी रेजीमेंट, सीमा सुरक्षा बल

[सं. १२०१७/१/९९—हिन्दी]

राजेन्द्र सिंह, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 9th December, 1999

S.O. 3643.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80% :

1. 18 BN, Border Security Force
2. 41 BN, Border Security Force
3. 44 BN, Border Security Force
4. 45 BN, Border Security Force
5. 60 BN, Border Security Force
6. 63 BN, Border Security Force
7. 64 BN, Border Security Force
8. 75 BN, Border Security Force
9. 86 BN, Border Security Force
10. 103 BN, Border Security Force
11. 106 BN, Border Security Force
12. 127 BN, Border Security Force
13. 141 BN, Border Security Force
14. 181 BN, Border Security Force
15. 1066 Arti, Regiment, Border Security Force.

[No. 12017/1/99-Hindi]

RAJENDRA SINGH, Director (OL)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

का. प्रा. 3644.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के जातीय प्रयोगों के लिए प्रयोग) विभाग, 1976 के विवरण 10 के उप-वियम (4) के मनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्न-स्थिति कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक भान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है :—

1. केंद्रीय 7वीं रिजर्व बटालियन, जयपुर (राजस्थान)
2. केंद्रीय द्वितीय रिजर्व बटालियन, साकेत, नई दिल्ली
3. केंद्रीय यूनिट एच ई वी, उड़ी, जम्मू-कश्मीर
4. केंद्रीय यूनिट एफटीपीपीपी, ऊवाहार (उ. प्र.)
5. केंद्रीय यूनिट डीएचपी दुल्हस्ती, जम्मू-कश्मीर
6. केंद्रीय 10 वीं रिजर्व बटालियन, गाजियाबाद (उ. प्र.)
7. केंद्रीय यूप मुख्यालय, साकेत, नई दिल्ली
8. केंद्रीय यूनिट एएनजीपी अन्तरकोटा (राजस्थान)
9. केंद्रीय यूनिट यूपी शीसी गैल, पान्ता (उ. प्र.)
10. केंद्रीय यूनिट ओएनजीपी, देहरादून (उ. प्र.)
11. केंद्रीय यूनिट इफको, आवला, बरेली (उ. प्र.)
12. केंद्रीय यूनिट टीएचडीपी, टिहरी (उ. प्र.)
13. केंद्रीय यूनिट माई ओ सी, पानीपत (हरियाणा)
14. केंद्रीय यूनिट इफको, फूलपुर, इलाहाबाद (उ. प्र.)

15. केंद्रीय यूनिट एनजीपीसी, लालकड़ी (हिमाचल प्रदेश)
16. केंद्रीय यूनिट पीजीसीआईएल, बगूरा (जम्मू-कश्मीर)
17. केंद्रीय यूनिट एनटीपीसी, शादरी (उ. प्र.)
18. केंद्रीय यूनिट केटीपीएस, कोटा (राजस्थान)
19. केंद्रीय यूनिट सीसी प्राई रल, तुगलकाबाद, नई दिल्ली
20. केंद्रीय यूनिट टीएसएल, मैनी, इलाहाबाद (उ. प्र.)
21. केंद्रीय यूनिट आईडीपीएल गुडगाव (हरियाणा)
22. केंद्रीय यूनिट राष्ट्रीय संग्रहालय, जनस्थ, नई दिल्ली
23. महानिरीक्षक केंद्रीय पूर्वी मेल्टर मुख्यालय, पटना (बिहार)
24. केंद्रीय डीएई एन्ड्रीय मुख्यालय, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
25. महानिरीक्षक केंद्रीय दक्षिण-पश्चिम सेक्टर मुख्यालय मुम्बई (महाराष्ट्र)
26. केंद्रीय यूनिट सीसीएल, करगाली, बोकारो (बिहार)
27. केंद्रीय यूनिट एन्ड्रीय रिजर्व बटालियन, रांची (बिहार)
28. केंद्रीय 9वीं रिजर्व बटालियन, भिलाई (मध्य प्रदेश)
29. केंद्रीय यूनिट एच ईल्यू पी मन्दगुरु, खम्मम (आन्ध्र प्रदेश)
30. केंद्रीय यूनिट के ए पी एस काकरापार, अण्माला (गुजरात)
31. केंद्रीय यूनिट एन ए पी एस/एस ईल्यू पी कोटा (राजस्थान)
32. केंद्रीय यूनिट एनएपीपी, नरोरा, झुलन्दशहर (उ. प्र.)
33. केंद्रीय यूनिट जी एल एस एम भवनाथपुर (बिहार)
34. केंद्रीय यूनिट ए पी ई पी, अलवा (केरल)
35. केंद्रीय यूनिट पी एस एल वी, वलियाबाला (केरल)
36. केंद्रीय यूनिट बीजीएल, कंचनबाग (आं. प्र.)
37. केंद्रीय यूनिट ओएनजीपी, जोरहाट (असम)
38. केंद्रीय यूनिट एफएसटीपीपी, फरक्का, (प. बं.)
39. केंद्रीय यूनिट एनआरएल, नुमालीगढ़, गोलाघाट (असम)
40. केंद्रीय यूनिट एमटीपीएस, माजिया (प. बं.)
41. केंद्रीय 12वीं रिजर्व बटालियन, फरक्का (प. बं.)
42. केंद्रीय यूनिट ईसोएल, शीतलपुर (प. बं.)
43. केंद्रीय यूनिट आरएचपीपी पिपरी, सोनभद्र (उ. प्र.)
44. केंद्रीय यूनिट केएसटीपीपी, कोरका (म. प्र.)
45. केंद्रीय यूनिट एनआरएल, नुमालीगढ़ (असम)
46. केंद्रीय यूनिट एसबीएसएस, सालाकटी (असम)

[सं. 12017/1/99-हम्मी]
राजनन्द सिंह, नियेसक (राजभाषा)

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. 3644.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80% :

1. 7th Reserve BN., CISF, Jaipur (Rajasthan).
2. 2nd Reserve BN., CISF, Saket, New Delhi.
3. CISF Unit, HEP, Uri, J&K.
4. CISF, Unit, FCUDPP, Unchahar (UP).

5. CISF Unit, DHP Dulhasti, J&K.
6. 10th Reserve Bn., CISF, Ghaziabad (UP).
7. CISF Group Hqrs., Saket, New Delhi.
8. CISF Unit, ANGPP, Antakota (Rajasthan).
9. CISF Unit, UPPC, GAIL, Panta (UP).
10. CISF Unit, ONGC, Dehradun (UP).
11. CISF Unit, JFFCO, Awala, Bareilly (UP).
12. CISF Unit, THDC, Tehri (UP).
13. CISF Unit, IOC, Panipat (Haryana).
14. CISF Unit IFFCO, Phulpur, Allahabad (UP).
15. CISF Unit, NJPC, Jhakri (HP).
16. CISF Unit, PGCL Bagura (J&K).
17. CISF Unit, NTPC, Dadri (UP).
18. CISF Unit, KTPS, Kota (Rajasthan).
19. CISF Unit, CCIL, Tughlakabad, New Delhi.
20. CISF Unit, TSL, Naini, Allahabad (UP).
21. CISF Unit, IDPL, Gurgaon (Haryana).
22. CISF Unit, National Museum, Janpath, New Delhi.
23. JG, CISF, Eastern Sector Hqrs, Patna (Bihar).
24. CISF Unit, Regional Hqrs, Hyderabad (A.P.).
25. IG, CISF, South-West Sector Hqrs., Mumbai (MAH.).
26. CISF Unit, CCL, Kargali, Bokaro (Bihar).
27. 4th Reserve Bn., CISF, Ranchi (Bihar).
28. 9th Reserve Bn., CISF, Bhilai (MP).
29. CISF Unit, HWP, Manuguru, Khamtum (AP).
30. CISF Unit KAPS, Kakrapar, Abumala (Gujrat).
31. CISF Unit NAPS/HWP, Kota (Rajasthan).
32. CISF Unit, NAPP, Narora, Bulandshahar (UP).
33. CISF Unit, BLASM, Bhavnathpur (Bihar).
34. CISF Unit, APEP, Alwa (Kerala).
35. CISF Unit, PSLV, Valiyavala (Kerala).
36. CISF Unit, BDL, Kanchanbagh (AP).
37. CISF Unit, ONGC, Jorhat (Assam).
38. CISF Unit, FSTPP, Farraka (West Bengal).
39. CISF Unit, NRL, Numaligarh, Golaghat (Assam).
40. CISF Unit, MTPS, Majia (West Bengal).
41. 12th Reserve Bn., Farraka (West Bengal).
42. CISF Unit, ECL, Sheetalpur (West Bengal).
43. CISF Unit, RHPP, Pipri, Sonbhadra (UP).
44. CISF Unit KSTPP, Korda (MP).
45. CISF Unit, NRL, Numaligarh (Assam).
46. CISF Unit, SBSS, Salakati (Assam).

[No. 12017/1/99-Hindi]

RAJENDRA SINGH, Director (OL)

कार्मिक, लोक शिक्षायांस तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई विल्सी, 9 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3645.—केन्द्रीय सरकार विल्सी विधेय पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (अधिनियम सं. 1946 की 25) उन्नर प्रदेश सरकार के गंह (पुलिस) अनुभाग 4 के नवम्बर 18, 19 99 के आदेश सं. 8426 ख, 1-4-99-1 (90) भी/99 द्वारा प्राप्त महमति में भारतीय वृष्णि संहिता की

धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत हजारतगंज पुलिस स्टेशन (लखनऊ) में दर्ज भामला सं.-48/99 में दृढ़नीय अपराधों के अवैधति और उनके अपराधों के संबंध में अधिकार उनसे संबंधित प्रयत्नों, दृष्टिरूपों और घटनाओं और उसी संव्यवहार के क्रम में अपवा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न किए गए किसी अन्य अपराध/अपराधों के अवैधति करने के लिए दिल्ली विधेय पुलिस स्थापना के सदरयों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के संबंध में करती है।

[संख्या 228/66/99-ए.वी.डी. (II)]

हरि सिंह, अधिकारी सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(Department of Personnel & Training)
New Delhi, the 9th December, 1999

S.O. 3645.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Uttar Pradesh vide Home (Police) Section-4 No. 8426KHA/V1-4-99-1(90)V/99 dated 18th November, 1999 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh for investigation of crime No. 48/99 registered at Hazratganj Police Station (Lucknow) for the offences punishable under sections 420, 467, 468, 471 of the Indian Penal Code and attempts, abettments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offence or offences committed in the course of the same transaction of arising out of the same facts.

[No. 228/66/99-AVD. II]
HARI SINGH, Under Secy.

विल्स मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रयत्न कर बोर्ड

नई विल्सी, 14 दिसम्बर, 1999,

का.आ. 3646.—सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार भैसर्त भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुम्बई को देश में औद्योगिक विकास के लिए दीर्घकालिक वित्त प्रदान करने में संग्रे निगम के रूप में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(i) (viii) के प्रयोजनार्थ करनिर्धारण वर्ष 1999-2000 के लिए अनुमोदित करती है।

2 यह अनुमोदन इस गति पर दिया जाता है कि कंपनी आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(i) (viii) के प्रावधानों के अनुरूप होगी और उनका अनुपालन करेगी।

[अधिसूचना सं. 11168/फा. सं. 204/5/98,-आयकर

नि. II]

कमलेश सी. बाणीय, अधिकारी सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 14th December, 1999

S.O. 3646.—It is notified for general information that M/s. Industrial Development Bank of India, Mumbai, has been approved by the Central Government as a Corporation engaged for providing long term finance for industrial development in the country for the purposes of section 36(1)(viii) of the Income tax Act, 1961, for the assessment year 1999-2000.

2. The approval is subject to the condition that the company will conform to and comply with the provisions of section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 11168/F. No. 204/5/98-IT/A.II]

KAMLESH C. VARSHNEY, Under Secy.

आदेश

मई विल्सनी, 15 विसम्बर, 1999

का. आ. 3647.—अतः संयुक्त सचिव, भारत सरकार जिनके विदेशी मुद्रा संरक्षण और सरकारी नियांत्रण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा की उप धारा (1) के अन्तर्गत विशेष रूप से शक्ति प्रदान की गई है, ने उसके उप धारा के अधीन आदेश फारल सं. 673/70/99-सी-यू-एस.-VIII दिनांक 25-10-99 जारी किया और यह निर्देश विधा कि श्री पृथ्वीराज अस्सूलाल सेठ सुपुत्र अस्सूलाल सेठ पता : (i) कमरा नं. 24 दूसरा तल ए.-1, मनीषार विल्डिंग, तारदेव रोड, मुम्बई-400034 (ii) कमरा नं. 4 भूमितल पित्तनवाला विल्डिंग बाटलीबाला नेन, पारेल, मुम्बई-12 को मिला कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार मुम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए जिससे कि उन्हें भविष्य में विदेशी मुद्रा के संबंधन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले किसी भी तरह के कार्य करने से रोका जा सके।

2. अतः केन्द्रीय सरकार के पास यह विष्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या स्वयं को छिपा रखा है जिससे कि यह आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता।

3 अतः अब उसके अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (ख) धारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्वोक्त व्यक्ति को यह निर्देश दत्ती है कि वह शासकीय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर पुलिम आयक्त मम्बई के सम्मख उपस्थित हो।

[फा. सं. 673/70/99-सी-यू-एस. VIII]

प्रकाश चन्द्र उप सचिव

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 15th December, 1999

S.O. 3647.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/70/99-Cus.-VIII dated 25-10-1999 under the said sub-section directing that Shri Prithviraj Assoolal Sheth, son of Assoolal Sheth (i) Room No. 24, 2nd Floor, A-I, Maniar Building, Tardeo Road, Mumbai-400034, (ii) Room No. 4, Ground Floor, Pittalwala Building, Battiwala Lane, Parel, Mumbai-400012 be detained and kept in custody in the Central Prison, Mumbai with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of police, Mumbai within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/70/99-Cus. VIII]
PARKASH CHANDRA, Dy. Secy.

(आधिकारिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई विल्सनी, 10 विसम्बर, 1999

का. आ. 3648.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसाकि सहकारी समितियों पर लागू है) (की धारा 35 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसाकि सहकारी समितियों पर लागू है) की धारा 11 की उप धारा (1) के उपबंध भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना की प्रकाशन की सारीख से 31 मार्च, 2001 तक की अवधि के लिए, सुलेमानी सहकारी बैंक लि., मोगलवाड़ा, बड़ोदरा (गुजरात राज्य) पर लागू नहीं होंगे।

[एक. सं. 1(53)/99-ग.सी]
नाल चन्द्र द्वारा, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 10th December, 1999

S.O. 3648.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (As

Applicable to Co-operative Societies) read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949); the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-section (1) of Section 11 of the Banking Regulation Act, 1949 (As Applicable to Co-operative Societies) shall not apply to the Sulaimani Co-operative Bank Ltd., Mogalwada, Vadodara (Gujarat State) for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 31 March 2001.

[F. No. 1(53)99-AC]

L. C. TOORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 विसम्बर, 1998

का.आ. 3649.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उप धारा (2) के उपबंध, यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, कलकत्ता-पर 2001 तक की अवधि के लिए उस सीमा तक लागू नहीं होगी जहाँ तक उनका संबंध गिरवीदार के रूप में मैसर्स एस्काल इंडिया प्रा. लि. के शेयरों की उसकी व्यापता से है।

[सं. 15/2/96-बी.ओ.ए.]

बी.ए. नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, the 14th December, 1999

S.O. 3649.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-Section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta for a period upto 25th July, 2001 in so far as they relate to its holding of the shares of M/s. Escal India Pvt. Ltd. as pledgee.

[F. No. 15/2/96-BOA]

B. A. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 विसम्बर, 1999

का.आ. 3650.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, कलकत्ता पर 11 मार्च, 2001 तक उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहाँ तक उनका संबंध गिरवीदार के रूप में मैसर्स एस्काल इंडिया इंजिनियरिंग प्रा. लि. के शेयरों की उसकी व्यापता से है।

[सं. 15/5/95-बी.ओ.ए.]

बी.ए. नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, the 14th December, 1999

S.O. 3650.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-Section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India, Calcutta for a period upto 11 March 2001 in respect of its holding shares of M/s. Acme Electro Industries Pvt. Ltd. as pledgee.

[F. No. 15/5/95-BOA]

B. A. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 विसम्बर, 1999

का.आ. 3651.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकोर्ग) उपबंध स्थीम, 1980 के खंड 9 के उपखंड (1) और (2) के साथ पठिन बैंककारी कंपनी (उपकरणों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9 की उपधारा 3 के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श के बाद, एतद्वारा श्री एस.आर. सेन गुप्त, वर्तमान में बैंक आफ इंडिया अधिकारी संघ में महासचिव (बैंक के कलकत्ता मण्डा शास्त्रा में एम एम जी एस.-III के पद पर तैनात) को कार्यभार अतिरिक्त करने की तारीख से 31 विसम्बर, 2001 तक यद्यपि ऑफ इंडिया के अधिकारी के रूप में उनकी सेवाए ममात्पन होने तक इनमें से जो भी पहले हो, बैंक आफ इंडिया के बोर्ड में निदेशक के रूप में नामित करती है। यह नामांकन रिट याचिका सं. 4422-23/1998 (एल) में कर्नाटक उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन होगा।

[फा. सं. 9/16/98-बी.ओ.]

बी. चौधरी अवर सचिव

New Delhi, the 14th December, 1999

S.O. 3651.—In exercise of the powers conferred by clause (f) of sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) and (2) of clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri S. R. Sengupta, presently General Secretary of the Federation of Bank of India Officers' Association (posted at Bank's Calcutta Main Branch in Middle Management Scale-III) as a Director on the Board of Bank of India, from the date of his assumption of charge and upto 31st December, 2001, or until he ceases to be an officer of Bank of India, whichever is earlier. The nomination will be subject to the final decision of the High Court of Karnataka in Writ Petition No. 4422-23/1998(L).

[F. No. 9/16/98-BO-I]
D. CHOUDHURY, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

(कोर्सेलर अनुभाग)

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3652.—राष्ट्रियिक कौसली अधिकारी (शपथ एवं
मृत्तक) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के
अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत
उप उच्चायोग में सहायक श्री पी. के. सिंगल एवं निजी सहायक
श्री आर.एम. श्रीनिवास को 8-12-1999 में सहायक कौसली
अधिकारी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[स.टी. 4330/1/98]

प्रोतीक नारंग, उप सचिव (एन.आर.आई.)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
(Consular Section)

New Delhi, the 8th December, 1999

S.O. 3652.—In pursuance of the Clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri P. K. Singhal, Assistant and Shri R. S. Srinivas, Personal Assistant in the Assistant High Commission, Kandy to perform the duties of Assistant Consular Officer with effect from 8-12-1999.

[No. T-4330/1/98]

Y. C. NARANG, Dy. Secy. (NRI)

द्वान और खनिज मंत्रालय

(द्वान विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3653.—द्वान और खनिज, विनियमन
विकास और अधिनियम, 1957 (1957 का 67)
की धारा 23वीं द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, केन्द्र सरकार, एवं द्वारा नीचे दी गई
मारणी के कालम (2) में निश्चिट राजस्थान सरकार के

मिनरलिंगिंट राजपत्रियों की उपल सारणी के कालम
(3) में निश्चिट संबंधित भेद के संबंध में इस अधिनियम की
उपल धारा 23वीं के अन्तर्गत शक्तियों का प्रयोग करने के
लिए प्राधिकृत करती है :—

मारणी

क्रम. अधिकारी का पदनाम म.	भेद
1	2
1. अपर निदेशक (खान)	अपने अधिकार भेद में
2. अधीक्षक खनन अभियंता	अपने-अपने अधिकार भेद में
3. अधीक्षक खनन अभियंता (सतर्कता)	अपने-अपने अधिकार भेद में
4. खनन अभियंता	अपने-अपने अधिकार भेद में
5. खनन अभियंता (सतर्कता)	अपने अधिकार भेद में
6. महायक खनन अभियंता	अपने-अपने अधिकार भेद में

[फ. स. 1/3/99-द्वान-6]

डी. के. कोचर, उप सचिव

MINISTRY OF MINES AND MINERALS
(Department of Mines)

ORDER

New Delhi, the 17th December, 1999

S.O. 3653.—In exercise of the powers conferred by section 23B of the Mines, and Minerals (Regulations and Development) Act, 1957 (67 of 1957), the Central Government hereby authorises the following Gazetted officers of the Government of Rajasthan specified in column (2) of the Table below, to exercise powers under the said section 23B in respect of the area specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table namely :—

TABLE

Sl. No.	Designation of the officer	Area
1	2	3
1.	Addtional Director (Mines)	In his jurisdiction
2.	Superintending Mining Engineer	In his respective jurisdiction
3.	Sperintending Mining Engineer(Vigilange)	In his respective jurisdiction
4.	Mining Engineer	In his respective jurisdiction
5.	Mining Engineer (Vigilance)	In his respective jurisdiction
6.	Assistant Mining Enginer	In his respective jurisdiction

[F. No. 1/3/99-M-VI]
D.K. KOCHAR, Dy. Secy.

उपभोक्ता मामले आर सावजानकावतरण मंत्रालय
(उपभोक्ता मामले विभाग)

भारतीय मानक व्यूरो

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3654.—भारतीय मानक व्यूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एवं द्वारा प्रधिसंचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए :—

अनुसूची

क्रम	स्थापित भारतीय मानक (को) की संख्या वर्ष और विवरण	नवे भारतीय मानक संख्या अतिक्रमित भारतीय मानक श्रेणीय मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
------	--------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------	--------------

(1)	(2)	(3)	(4)
1. आईएस 966 : 1990—शूष्क नारियल—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 966 : 1975		98-08-31
2. आई एस 1084 : 1994—भनीला रसियां—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 1084 : 1983		94-03-31
3. आई एस 1384 : 1999—तेल शब्द लालटेन—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 1384 : 1977		98-07-31
4. आई एस 1392 : 1999—दूध के लिए कांच की छोटी (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 1392 : 1983		98-07-31
5. आई एस 4301 : 1999—बुण, काउडी, सपाट—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 4301 : 1967		99-07-31
6. आई एस 4423 : 1999—लकड़ी की हाथ से चिराई हेतु मार्गदर्शिका (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 4423 : 1967		99-06-30
7. आई एस 5557 : 1999—रबड़ के सुरक्षा बूट—विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 5557 : 1995		99-07-31
8. आई एस 5599 : 1999—कच्चे प्राकृतिक और संश्लेषित रबड़ के नूमने तंदार करने और नूमने लेने की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 5599 : 1970		98-07-31
9. आई एस 5999 : 1999—लटकन वाली सिटकनियां—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 5999 : 1971		99-06-30
10. आई एस 6694 : 1999—मैग्निशियम हूंगट—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 6694 : 1981		98-07-31

1	2	3	4
11.	आई एस 8074 : 1990—विलेय मोनोक्रोटोफास द्रव—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 8074 : 1990	99-07-31
12.	आई एस 8188 : 1999—शोतलन टावरों के लिए जल उत्पादन—आई एस 8188 : 1976 रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)		99-06-30
13.	आई एस 8470 : 1999—परिवहन पैकेज — दृढ़ आमताकार आई एस 8470 : 1977 पैकेज के आयाम (पहला पुनरीक्षण)		99-06-30
14.	आई एस 9755 : 1999—वस्त्रादि—उर्वरकों की भराई के लिये आई एस 9755 : 1989 उच्च घनत्व पोलीएथाइलीन (एच डी पी ही) के बने हुए बोरे— विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)		99-07-31
15.	आई एस 10715 (भाग 1) : 1999—तकनीकी इंद्रांग— पेंच चूड़ियां और चूड़ीदार हिस्से भाग 1 सामान्य कनेशन (पहला पुनरीक्षण)	--	99-08-31
16.	आई एस 10715 (भाग 2) : 1999—तकनीकी इंद्रांग— पेंच चूड़ियां और चूड़ीदार हिस्से भाग 2 पेंच चूड़ियां इंसर्ट	--	99-08-31
17.	आई एस 10716 (भाग 1) : 1999—तकनीकी— उत्पाद प्रसेक्षन—स्प्रिंग भाग 1 सरलीकृत निरूपण (पहला पुनरीक्षण)	--	99-08-31
18.	आई एस 10716 (भाग 3) : 1999—तकनीकी उत्पाद प्रसेक्षन—स्प्रिंग भाग 3 शब्दावली	--	99-08-31
19.	आई एस 10720 : 1999—तकनीकी इंद्रांग—छड़ों और रूपरेखा... आई एस 10720 : 1983 खंडों का सरलीकृत निरूपण (पहला पुनरीक्षण)		99-08-31
20.	आई एस 10819 : 1999—अग्निहृत उद्योग के लिए क्रोमाइट—विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 10819 : 1984	99-06-30
21.	आई एस 11115 : 1999—मिट्टी उठाने की मशीनरी—आलक के मानव भौतिक आयाम और चालक के लिए न्यूनतम स्थान क्षेत्र (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस 11115 : 1993	99-08-31
22.	आई एस 12207 : 1999—कृषि ट्रैक्टर चुने हुए कार्यकारिता मापदंडों की सिफारिश (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 12207 : 1997	99-06-30
23.	आई एस 13109 (भाग 8) : 1999—जलेना और ध्रुवामय खानों में प्रयुक्त उपस्कर/तंत्रों की विशिष्ट भौति रेडियो पेजिंग प्रणाली की अपेक्षाएँ	--	99-08-31
24.	आई एस 13360 (भाग 4/खंड 2) : 1999—जलस्टिक— परीक्षण पद्धतियां भाग 4 द्रव्यमति की गुणधर्म खंड 2 फिलेलिक और भूलिल संचकन सामग्री की 2 कम प्रवाहिता	--	99-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

25.	आई एस 13360 (भाग ५/खंड १९) : 1999-- प्लास्टिक—परीक्षण पद्धतियां भाग ५ यांत्रिक गुणधर्म खंड १९ प्लास्टिक सामग्रियों की अपवर्षण हेतु प्रतिरोधिता ज्ञात करना।	--	99-08-31
26.	आई एस 13892 : 1999--पक्षाचार के लिये लिफाफे— विशिष्ट (दहला पुरीक्षण)	आई एस 13892 : 1994	99-09-30
27.	आई एस 14451 (भाग २) : 1999--खपत और मांग का उत्तमापत्ति भाग २ मीटर मानों का प्रत्यक्ष अंकीय अंतरण	--	99-07-31
28.	आई एस 14651 : 1999--बहुतन्त्रीय नायोजियम— टाइटेनियम अतिबालक लार्पे—विशिष्ट	--	99-05-31
29.	आई एस 14660 (भाग २) : 1999—पोतनिर्मण टंकी में पीने का पानी भरने के लिये भराव संयोजन भाग २ घटक	--	99-07-31
30.	आई एस 14669 : 1999—तापीय न्यूट्रान रेडियोएफी— अनुशंसित रीतियां	--	99-07-31
31.	आई एस 14672 : 1999—ठोस विद्युत् रोधन के लिये उच्च बोल्टसा अल्पष्टारा शुक्क आई प्रतिरोधन की परीक्षण। पद्धति	--	99-06-30
32.	आई एस 14674 : 1999—उच्च बोल्टसा प्रत्यावर्ती धारा वाले परिपथ-प्रेरक उच्च बोल्टसा प्रत्यावर्ती धारा परिपथ-करों की भूकंपीय योग्यता की मार्ग दर्शिका	--	99-06-30
33.	आई एस 14677 : 1999—चरखों में प्रयुक्त बोल्टस्टर संहित कराई तकुए—विशिष्ट	--	99-08-31
34.	आई एस 14682 : 1999—स्वचल वाहन—पार्श्वी संरक्षण (साइट गार्ड)---तकनीकी अपेक्षाएं	--	99-06-30
35.	आई एस 14689 : 1999—प्रौद्योगिक भवनों में आग में सुरक्षण की गति संहिता (मुद्रण एवं प्रकाशन उच्चोग)	--	99-06-30
36.	आई एस 14690 : 1999—भूमि और छट्टान भरे बांधों के निर्माण के लिये पर्यावरण और गुणता नियंत्रण—सिफारिशें	--	99-08-31
37.	आई एस 14691 : 1999—रोलिंग बेयरिंग— मुंडाकार रोलिंग बेयरिंग—मुंडाकार रोलर मीटरी शुब्बला—विशिष्ट	--	99-06-30
38.	आई एस 14699 : 1999—वस्त्र उच्चोग के लिये द्राइमिट्राइसोल ऐलामाइन फारमलडोहाइड रोजिन—विशिष्ट	--	99-07-31
39.	आई एस 14701 : 1999—सूचना प्रौद्योगिकी डाटा अस्तर्वित्तियम के लिये ९० मिमी प्रकाशिक चक्रती कार्ट्रिज, केवल पुनःलेखनीय एवं पठनीय	--	99-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
40.	आई एस 14702 : 1999—पशु ग्राहार घटक के रूप में सूरजमुखी की खली—विशिष्टि	--	99-08-31
41.	आई एस 14703 : 1999—सिरका—विशिष्टि	--	99-07-31
42.	आई एस 14704 : 1999—बल्क ब्रह्मस्तन उपस्कर बैग स्टेकर तथा लोडर/अनलोडर सुवाहा—डिजाइन और संरचना—सामान्य प्रयोगाएँ	--	99-06-30
43.	आई एस 14707 : 1999—मिथाइल एक्राइलेट विशिष्टि	--	99-07-31
44.	आई एस 14708 : 1999—ईथाइल एक्राइलेट—विशिष्टि	--	99-07-31
45.	आई एस 14709 : 1999—एमब्यूटाइल एक्राइलेट—विशिष्टि	--	99-07-31
46.	आई एस 14711 : 1999—वस्त्रादि मशीनरी और उपकरण—चरखे के फ्रेम के घटक—विशिष्टि	--	99-07-31
47.	आई एस 14713 : 1999—अग्निसह उद्योग के लिये संश्लिष्ट (संगति) मुलाइट और एलुमिनियम—विशिष्टि	--	99-07-31
48.	आई एस 14714 : 1999—भवस्त्रादि अपघर्षण प्रतिरोधिता ज्ञात करना	--	99-07-31
49.	आई एस 14719 : 1999—तप्त हिप्टिकाकृत लोहे (एच, बी, आई.) का धनत्व-निर्धारण की प्रणाली	--	99-07-31
50.	आई एस 14722 : 1999—तकनीकी द्राईंग संषेद में ढले, ढले हुए व फोर्जित भारों का सरलीकृत निरूपण	--	99-08-31
51.	आई एस क्यूसी 960300 : 1999—इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर में उपयोग के लिये विद्युत्यांत्रिक स्विच भाग 6 संवेदनशील स्विचों के लिये विषय विशिष्टि	--	99-05-31
52.	आई एस क्यूसी 960500 : 1999—इलैक्ट्रॉनिकी उपस्कर में उपयोग के लिये विद्युत्यांत्रिक स्विच भाग 3 इन-लाइन पैकेज स्विचों के लिये विषय विशिष्टि	--	99-06-30

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक बूरो मानक भवन, 9 ब्रह्मादुर्गाह जकर मार्ग, नई दिल्ली-110002, भारतीय कार्यालयों नई दिल्ली, कलकत्ता, चार्षीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों, अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, नागपुर, पटना, पुणे एवं तिरुवनंतपुरम में विश्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि. /13 : 2]

वी. के. जैन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 3rd December, 1999

S.O.3654.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl. No.	No. year and Title of the Indian Standards Established	No. & year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS 966:1999—Desiccated coconut—Specification (Second Revision)	IS 966:1975	99-08-31
2.	IS 1084:1994—Manila ropes—Specification (Fourth Revision)	IS 1084:1983	94-03-31
3.	IS 1384:1999—Oil pressure lanterns—Specification (Third Revision)	IS 1384:1977	99-07-31
4.	IS 1392:1999—Glass milk bottles—Specification (Fourth Revision)	IS 1392:1983	99-07-31
5.	IS 4301:1999—Brushes, foundry flat—Specification (First Revision)	IS 4301:1967	99-07-31
6.	IS 4423:1999—Hand-sawing of timber—Guide (First Revision)	IS 4423:1967	99-06-30
7.	IS 5557:1999—Safety rubber boots—Specification (Third Revision)	IS 5557:1995	99-07-31
8.	IS 5599:1999—Rubber - Raw, natural and synthetic—Methods for sampling and sample preparation (First Revision)	IS 5599:1970	99-07-31
9.	IS 5999:1999—Sewing latches—Specification (First Revision)	IS 5999:1971	99-06-30
10.	IS 6694:1999—Magnesium ingots—Specification (Second Revision)	IS 6694:1981	99-07-31
11.	IS 8074:1990—Monocrotophos SL (Second Revision)	IS 8074:1990	99-07-31
12.	IS 8188:1999—Treatment of water for cooling towers—Code of practice (First Revision)	IS 8188:1976	99-06-30
13.	IS 8470:1999—Transport packages—Dimensions of rigid rectangular packages (First Revision)	IS 8470:1977	99-06-30
14.	IS 9755:1999—Textiles—High density polyethylene (HDPE) woven sacks for packing fertilizers—Specification (Third Revision)	IS 9755:1989	99-07-31

1	2.	3	4
15.	IS 10715 (Part 1) : 1999—Technical drawings—screw threads and threaded parts Part 1 General Conventions (First Revision)	—	99-08-31
16.	IS 10715 (Part 2) : 1999—Technical drawings—screw threads and threaded parts Part 2 screw thread inserts	—	99-08-31
17.	IS 10716 (Part 1):1999—Technical product documentation—springs Part 1 Simplified representation (First Revision)	—	99-08-31
18.	IS 10716 (Part 3):1999—Technical product documentation—springs Part 3 Vocabulary	—	99-08-31
19.	IS 10720:1999—Technical drawings—simplified representation of bars and profile sections (First Revision)	IS 10720:1983	99-08-31
20.	IS 10819:1999—Chromite for refractory industry—Specification (First Revision)	IS 10819:1984	99-06-30
21.	IS 11115:1999—Earth-moving machinery Human physical dimensions of operators and minimum operator space envelope (Second Revision)	IS 11115:1993	99-08-31
22.	IS 12207:1999—Agricultural tractors—Recommendations on selected performance characteristics (First Revision)	IS 12207:1987	99-06-30
23.	IS 13109 (Part 8):1999—Specification for electronic equipment/systems for use in coal and metalliferous mines part 8 Requirements for radio paging systems	—	99-08-31
24.	IS 13350 (Part 4/Sec 2): 1999—Plastics—Methods of testing Part 4 Rheological properties Section 2 Cup flow of phenolic and alky moulding materials	—	99-07-31
25.	IS 13360 (Part 5/Sec 19): 1999—Plastics—Methods of testing Part 5 Mechanical properties Section 19 Determination of resistance of plastic materials to abrasion	—	99-08-31
26.	IS 13892:1999—Correspondence envelopes—Specification (First Revision)	IS 13892:1994	99-09-30
27.	IS 14451 (Part 2) : 1999—Telemetering for consumption and demands Part 2 Direct digital transfer of meter values	—	99-07-31
28.	IS 14651:1999—Multi filamentary niobium-titanium (NbTi) superconductor wires—Specification	—	99-05-31
29.	IS 14660 (Part 2) : 1999—Shipbuilding—Filling connection for drinking water tanks Part 2 Components	—	99-07-31

1	2	3	4
30.	IS 14669:1999—Thermal neutron radiography—Recommended practices	--	99-07-31
31.	IS 14672:1999—Method of test for high voltage low current dry arc resistance of solid electrical insulation	--	99-06-30
32.	IS 14674:1999—High voltage alternating current circuit-breakers—Guide for seismic qualification of high voltage alternating current circuit-breakers	--	99-06-30
33.	IS 14677:1999—Spindles with bolsters for charkhas Specification	--	99-08-31
34.	IS 14682:1999—Automotive vehicles—Lateral protection (side guards) —Technical requirements	--	99-06-30
35.	IS 14689:1999—Code of practice for fire safety in industrial buildings (Printing and publishing industry)	--	99-06-30
36.	IS 14690:1999—Quality control during construction of earth and rockfill dams—Recommendations	--	99-08-31
37.	IS 14691:1999—Rolling bearings --Taper rolling bearings—Tapered roller—Metric series—Specification	--	99-06-30
38.	IS 14699:1999—Trimethylol melamine formaldehyde resin for textile industry—Specification	--	99-07-31
39.	IS 14701:1999—Information technology—90 mm Optical disk cartridges, rewritable and read only, for data interchange	--	99-06-30
40.	IS 14702:1999—Sunflower oilcake as livestock feed ingredient—Specification	--	99-08-31
41.	IS 14703 . 1999—Vinegar—Specification	--	99-07-31
42.	IS 14704:1999—Bulk handling equipment—bag stacker-cum-loader/unloader—Portable—Design and construction—General requirements	--	99-06-30
43.	IS 14707:1999—Methyl acrylate—Specification	--	99-07-31
44.	IS 14708:1999—Ethylacrylate—Specification	--	99-07-31
45.	IS 14709:1999—n-Butylacrylate—Specification	--	99-07-31
46.	IS 14711:1999—Textile machinery and accessories-- Frame components of charkhas—Specification	--	99-07-31
47.	IS 14713:1999—Synthetic (Fused) mullite and alumina grains for refractory industry—Specification	--	99-07-31
48.	IS 14714:1999—Geotextiles—Determination of abrasion resistance	--	99-07-31
49.	IS 14719:1999—Density of hot briquetted iron (HBI) method for determination	--	99-07-31
50.	IS 14722:1999—Technical drawings —simplified representation of moulded, cast and forged parts	--	99-08-31
51.	IS QC 960300:1991—Electromechanical switches for use in electronic equipment Part 6 Sectional specification for sensitive switches	--	99-05-31

1	2	3	4
52.	IS QC 960500:1999—Electromechanical switches for use in electronic equipment Part 3 Sectional specification for in-life package switches	—	99-06-30

Copy of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices: New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmadabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13:2]
V.K. JAIN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3655—भारतीय मानक अपूरो नियम 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ब) के प्रनुसार
वे भारतीय मानक अपूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिये गये मानक(कों) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

प्रनुसारी

क्रम संख्या संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख	
(1)	(2)	(3)	(4)
1. आई एस 285 : 1992	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30	
2. आई एस 286 : 1978	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30	
3. आई एस 303 : 1989	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30	
4. आई एस 903 : 1993	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30	
5. आई एस 952 : 1986	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30	
6. आई एस 2871 : 1983	संशोधन सं. 1 अगस्त 1999	99-08-31	
7. आई एस 2887 : 1993	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30	
8. आई एस 2925 : 1984	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30	
9. आई एस 3099 (भाग 1. एवं 2) : 99	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30	
10. आई एस 3735 : 1996	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30	

(1)	(2)	(3)	(4)
11.	आई एस 3736 : 1995	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
12.	आई एस 3976 : 1995	संशोधन सं. 2 अगस्त 1999	99-08-31
13.	आई एस 4199 : 1990	संशोधन सं. 4 सितम्बर 1999	99-09-30
14.	आई एस 4947 : 1985	संशोधन सं. 5 सितम्बर 1999	99-09-30
15.	आई एस 4955 : 1993	संशोधन सं. 2 अगस्त 1999	99-08-31
16.	आई एस 4989 (भाग 3) : 1987	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
17.	आई एस 5082 : 1998	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
18.	आई एस 5188 : 1985	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
19.	आई एस 5189 : 1985	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
20.	आई एस 5290 : 1993	संशोधन सं. 2 अगस्त 1999	99-08-31
21.	आई एस 6363 : 1997	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
22.	आई एस 6454 : 1972	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
23.	आई एस 6455 : 1972	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
24.	आई एस 6456 : 1972	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
25.	आई एस 6457 : 1972	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
26.	आई एस 6458 : 1972	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
27.	आई एस 7193 : 1994	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-31
28.	आई एस 7568 : 1975	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
29.	आई एस 10702 : 1992	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
30.	आई एस 10775 : 1984	संशोधन सं. 3 अगस्त 1999	99-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
31.	आई एस 11248 : 1995	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30
32.	आई एस 12795 : 1989	संशोधन सं. 2 अगस्त 1999	99-08-31
33.	आई एस 12914 : 1990	संशोधन सं. 1 अगस्त 1999	99-08-31
34.	आई एस 13388 (भाग 3) : 1992	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
35.	आई एस 13736 (भाग 1) : 1993	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
36.	आई एस 13736 (भाग 2) : 1999	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30
37.	आई एस 13736 (भाग 3/खंड 6) : 93	संशोधन सं. 1 सितम्बर 1999	99-09-30
38.	आई एस 13736 (भाग 3/खंड 6) : 93	संशोधन सं. 2 सितम्बर 1999	99-09-30

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक अूरो, मानक भवन, 9 वहावुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 भारतीय कार्यालयों नई दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई, मुम्बई एवं शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बत्तूर, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गुवाहाटी, हैदराबाद, जधपुर, कानपुर, लखनऊ, नागपुर, पटना, पूना, तिळवतनपुरम में दिकी रखी उपलब्ध है।

[म. के प्रवि/13 : 5]
वी. के. जैन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 3rd December, 1999

S.O.3655.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that amendments to the Indian Standards, given in the Schedule hereto annexed have been issued:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standard amended	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effect
1	2	3	4
1.	IS 285:1992	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
2.	IS 286:1978	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
3.	IS 303:1989	Amendment No. 1 November 1992	99-09-30

1	2	3	4
4.	IS 903:1993	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
5.	IS 952:1986	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
6.	IS 2871:1983	Amendment No. 1 August 1999	99-08-31
7.	IS 2887:1993	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
8.	IS 2925:1984	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
9.	IS 3099 (Parts 1 & 2):1999	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
10.	IS 3735:1996	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
11.	IS 3736:1995	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
12.	IS 3976:1995	Amendment No. 2 August 1999	99-08-31
13.	IS 4199:1990	Amendment No. 4 September 1999	99-09-30
14.	IS 4947:1985	Amendment No. 5 September 1999	99-09-30
15.	IS 4955:1993	Amendment No. 2 August 1999	99-08-31
16.	IS 4989 (Part 3):1987	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
17.	IS 5082:1998	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
18.	IS 5188:1985	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
19.	IS 5189:1985	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
20.	IS 5290:1993	Amendment No. 2 August 1999	99-08-31
21.	IS 6363:1997	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
22.	IS 6454:1972	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
23.	IS 6455:1972	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
24.	IS 6456:1972	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
25.	IS 6457:1972	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
26.	IS 6458:1972	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30

1	2	3	4
27.	IS 7193:1994	Amendment No. 1 August 1999	99-08-31
28.	IS 7568:1975.	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
29.	IS 10702:1992	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
30.	IS 10775:1984	Amendment No. 3 August 1999	99-08-31
31.	IS 11248:1995	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
32.	IS 12795:1989	Amendment No. 2 August 1999	99-08-30
33.	IS 12994:1910	Amendment No. 1 August 1999	99-08-30
34.	IS 13388 (Pt. 3):1992	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
35.	IS 13736 (Part 1):1993	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
36.	IS 13736 (Part 2):1993	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30
37.	IS 13736 (Pt 3/Sec 6):1993	Amendment No. 1 September 1999	99-09-30
38.	IS 13736 (Pt 3/Sec 6):1993	Amendment No. 2 September 1999	99-09-30

Copy of these amendments are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices: New Delhi, Calcutta, Chandigarh Chennai, Mumbai and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13: 5]
V.K. JAIN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1999

का. आ. —— 3656—भारतीय मानक घूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक घूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, वे स्वीकृत कर लिये गये हैं:

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	धीर्जक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं./भाग/अनुभाग/बर्ध
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	5081051	97/08	निको स्टील्स लि., फ्लॉट थोष पाडा रोड, ग्रामपुर, 24 परगना पश्चिम बंगाल	केबल रक्षण हेतु मुदु इस्पात के तार फारमड वायरयुक्त और टेप	आई एस 03975 : 88
2.	5082154	97/08	पंकज प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, गाँव एवं पोस्ट बंगानगर, पी. एस. फालटा, द. 24 परगना, पश्चिम बंगाल	समुद्री उपयोग हेतु प्लाईवुड	आई एस 00710 : 76

1	2	3	4	5	6
3.	5081657	97/08	श्री नारायणी पाईप मैन्यु. कं 6, दिल्लीग रोड, कोसीपुर, कलकत्ता-700002	सिंचाई उपस्कर-सिंचाई लेटरल्स प्राई एस 12780 : 89	
4.	5081455	97/08	गिल्लूराम गौरीशंकर श्री शंकर मिल्स - वैद्यनाथ देवधाट विहार-814112	तप्स निमज्जित जस्तीकृत स्टेल्ड प्राई एस 02141 : 92	
5.	5081556	97/08	गिल्लूराम गौरीशंकर श्री शंकर मिल्स, वैद्यनाथ, देवधाट (विहार)-814112	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये एल्युमीनियम के चालक भाग 4 एल्युमीनियम के लड्डार चालक	प्राई एस 00398 : 76 भाग 04
6.	5081253	97/08	रामा बुद्ध एंड जनरल इंड., लि., फैस 3, इंड., एरिया, फतवाह-803206	ब्लॉक बोर्ड	प्राई एस 01659 : 92
7.	6134456	97/08	लोटस डीलाज सिस्टम्स प्रा.लि., कल्याणी इंड., एस्टेट, प्रशोक नगर, बंगलौर-560050	सुवास्य, प्रग्निशामक यंत्र मुफ्क पाउडर	प्राई एस 02171 : 85
8.	6134051	97/08	महेन्द्रा इंजी वर्क्स पुलियाकुलम, कोयम्बत्तूर-641018	खुले कुएं के लिये निमज्जय पम्पसेट	प्राई एस 14220 : 94
9.	7144463	97/08	मारुति इंडस्ट्रीज, 1/10 जीआईडीसी इंड., एस्टेट, गोधीपुर, मोदासां,, जिला साबरकंठा-383315	निमज्जनीय पम्पसेट	प्राई एस 08034 : 89
10.	7144160	97/08	सोना पम्पस प्लाट नं. 39 से 42 जीआईडीसी इंड., एस्टेट, कुकरवाडा, ताल्लुक वीजापुर जिला महाराष्ट्रा	खुले कुएं के लिये निमज्जय पम्पसेट	प्राई एस 14220 : 94
11.	7144766	97/08	टेक्सल प्लास्टिक्स लिमिटेड	वस्त्रादि उच्च घनत्व पोलीइथलीन बुने कपड़े से थने तिरपाल	प्राई एस 07903 : 84
12.	7144665	97/08	प्रशोका पैस्टीसाइड्स 840 जीआईडीसी एस्टेट, मकरपुरा, बडोदरा-390010	किवनालफास पायसनीय सांद्र	प्राई एस 08028 : 87
13.	8208165	97/08	हरि नारायण लिहानी, 8-बी, इंडस्ट्रियल एरिया, ओतवडा, जयपुर 302012	सिंचाई तंत्र के छिङ्काव युग्मक के लिये पालीइथाइलीन के पाईप	प्राई एस 14151 : 94 भाग 02
14.	8206868	97/08	श्री राम सीमेन्ट वर्क्स श्रीराम नगर, कोटा-324004	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेन्ट	प्राई एस 112269 : 87

(1)	(2)	(3)	(4)	
15. 0000004	97/08	मेव इंस्ट्रुमेंट्स लाइवेट लिमिटेड एफ-11, रोड नं. 2, बिन्दायक इंडस्ट्रीयल एस्ट्रिया, बिन्दायक, झज्जपुर	सिक्काई लंब के सिङ्गलोन्युम्पक के लिये प्रतीक्षित इसीन के भाग 02 पाइप	आईएस 14461 : 04
16. 9153575	97/08	सेन्ट्रल इंस्ट्रिक्चर मैकेनिकल इंडस्ट्रीज, ई-422, फेस 6, धान्दीकला, लुधियाना (पंजाब)	तीव्र फेजीव-झेरण अवैद्यर	आईएस 00325 : 78
17. 9153878	97/08	केस्ट्रोइस्ट्री प्रा. लि., सोनीपत लैक, कोस्ट भालीट, जिला रोहतक, बिन्दायाणा मोर (हरियाणा)	लच्छण कंवर्कशन लेटोवर्क्यर पाइप प्रौद्योगिकी	आईएस 00651 : 92
18. 0153272	97/08	पंजाब गैस सिलिंडर लिमिटेड पी.ओ. अहमदबाद, जिला संग्रहर गांव मलिकपुर (पंजाब)	अल्पदश्व इक्वीटी बैंकों के लिये 5 लि. से अधिक जख्खामता वाले वैलिंग-प्रॉप कार्बन इस्पात के सिलिंडर भाग 1 द्वारा गैस के लिये सिलिंडर	आईएस 03106 : 92 भाग 01
19. 0153970	97/08	वालिएन्ट प्लास्ट प्रा. लि., प्लाट नं. 33-34, सैक्टर 5, जिला सोलन पर्कानू (हि. प्र.)	पानी की अप्रूपति के लिये उच्च घस्त्य वाले पालिएथीलीन पाइप	आईएस 04084 : 87
20. 9153676	97/08	सेन्ट्रल इंस्ट्रिक्चर मैकेनिकल इंडस्ट्रीज, ई-422, फेस 6, धान्दीकला, लुधियाना (पंजाब)	कृषि अद्युपयोग के अपेक्षिती पर्याप्ति की लिये लीव फेजीव स्किवरल केज प्रै रेण मोटर	आईएस 07538 : 75
21. 9153171	97/08	शावेल एंड्रियाक्स्ट्री प्रा. लि., ई-25, गव. इंड. एस्ट्रिया, बहावुरहा-124507	फेनवेलरेट ईसी	आईएस 11997 : 87
22. 0153777	97/08	जे एण्ड के सीमेंट लि., कड़ सीमेंट फैब्रिरी, बिल्डर पालियाना कश्मीर-190011	43 मेंड साथारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
23. 0154375	97/08	श्रावार सीमेंट प्रा. लि., छठां किमी दिल्ली जीटी रोड, भीकमपुर, अलीगढ़	43 मेंड साथारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89
24. 9153474	97/08	फ्रेन्ड्स एल्यूमिनिक प्राइडक्ट्स प्लाट नं. 266 ए बी, मधुरा	ओवोरिक बिटुमेन	आईएस 00702 : 88
25. 9154072	97/08	पोर्टलैंड सीमेंट इंडिया लि., सी-7, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, नवगांव रोड, कोसीकला, मधुरा	43 मेंड साथारण पोर्टलैंड सीमेंट	आईएस 08112 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
26. 9154274	97/08	राम शिव इंडस्ट्रीज, 367 रनिया, कानपुर बेहात	कंकट प्रबलन के लिये उच्च सामर्थ्य विधापाति इस्पात मरिए और तार	आई एस 01786 : 85	
27. 9155882	97/08	जय किशन सीमेंट प्रा.लि., 14 किमी, अनूपशहर रोड, अस्सीगढ़	43 ग्रेड साधारण पोर्टसेंड सीमेंट	आई एस 08112 : 89	
28. 9156276	97/08	भर्म इंजी, बर्क्स, ई-70, फाउन्ड्री नगर, आगरा	कृषि प्रयोजनों (20 कि.वाट तक) के लिये एक समान गति वाले संपीड़न-प्रबलसन (डीजल) इंजनों की कमर्षकार्सिता अपेक्षाएं	आई एस 11170 : 85	
29. 6135659	97/08	एप्रोफ्लू लिमिटेड पूलिंघापालम गांव, वनूर (टी के) भी, टी.सी. बालम बीरापी जिला-605111	विस्कुट	आई एस 01011 : 92	
30. 6135861	97/08	मद्रास पालीमर्स इंडस्ट्रीज, 16, एलपक्कमरीड़, मद्रासावायन, मद्रास-605102	गैसमैन, जलमैन और सीवरों के लिये रबड़ की सीलिंग रिंग	आई एस 05382 : 85	
31. 6135053	97/08	इंडिस्ट्रियल कमीफल्स मैन्यु. कं. आई 3, इंड. एस्टेट, अर्यामंगलम विचे (तमिलनाडू)-620010	कापर स्टेट	आई एस 00261 : 82	
32. 6136358	97/08	एम्प्युरेट केबल्स प्रा.लि., प्लाट नं. 36, केम्ब्रिएडीएम इंड. एरिया, मेर्लट, कोल्काता जिला	1100 बोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिये पीछीसी रोधित केबल	आई एस 00694 : 90	
33. 6134960	97/08	दीपक केबल्स (इंडिया) लिमिटेड, यूनिट 1, एन-1, इंड. एस्टेट तमकुर	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिये	आई एस 00398 : 76 भाग 05	
34. 6135962	97/08	उषा स्विच गियर 93, 12वां छास, चौलाल पाल्या, मण्डीरोड छास, बंगलौर बंगलौर-560023	ग्रल्प बोल्टता स्विचग्गीयर और कंट्रोलग्गीयर भाग 4 कान्टेक्टर एवं मोटर स्टार्टर बैंड 1 विस्तृत यांत्रिकीय कटेक्टर और मोटर स्टार्टर	आई एस 13947 : 93 भाग 04 खंड 01	
35. 6135558	97/08	माणिक्य प्लास्टिकेम प्रा.लि., प्लाट नं. 5, बैलाली इंड. एरिया, हंसूर रोड, भैसूर-570005	सिचाई तंत्र के छिङ्काव यंत्र के लिये पालीचालीन पार्हप	आई एस 14151 : 94 भाग 01	
36. 6135154	97/08	वि. साइंटिफिक फटिलाइसर्ज कं. लि., सर्वे सं. 81, हूडापाली-गांव, येलवल रोड, बेळाबाई पोस्ट मैसूर-571186	माइपरमेथीन ई सी	आई एस 12016 : 87	

1	2	3	4	5	6
37.	6135255	97/08	आनंदा सुगर्स लि., पेरेंचोला, गुट्टूर-522009	बनस्पति	आई एस 10633 : 86
38.	6135760	97/08	वायज इंडियन प्रेस्टीसाइड्स प्रा. लि., 16-बी, भोला घर्सी हॉल, एरिया, हैदराबाद-500040	किनानफास पायसनीम सांग	आई एस 08028 : 87
39.	6136055	97/08	आनंदा सीमेंट्स लि. पी.बी. नं. 501, गांधी नगर, पोस्ट, विजयवाडा-520003	पोर्टलैंड पोओलाना सीमेंट भाग 1 फ्लाइएश प्राधारित	आई एस 01489 : 91 भाग 01
40.	6135457	97/08	केएसई लिमिटेड, वार्ड नं. 1/290, ए-ई वेडागिरी, अठिरामपूजा पंचायत, कुरुमूलूर, कोट्टायम जिला-686632	पशुओं के लिये मिश्रित प्राहार	आई एस 02052 : 79
41.	6134859	97/08	मै. किसान इंडस्ट्रीज, 26-ए, पेरुमल कोइल थोटम, पी एच पलायम रोड, गणपति कोयम्बतूर-641006	एक फेस लघु ए.सी. प्रौर संकिट बिजली की भंडार	आई एस 0996 : 79
42.	7145768	97/08	जंटकाइबर पम्प्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नं. 1225 फेस 3, जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, बत्ता, अहमदाबाद-382445	पेयजल प्रापूति के लिये गैर- प्लास्टिक धीर्घीसी पाईप	आई एस 04985 : 88
43.	7146467	97/08	प्रोटो पम्प्स एण्ड मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड ब्लाक नं. 1656 बनंस्था रोड, ग्रामीण, तालुक चिखली, जिला वलसाड वलसाड-396409	निमज्जनीय पम्प सैट	आई एस 08034 : 89
44.	7145061	97/08	एस्सार स्टील (डिवीजन : एस्सार गुजरात लि.), 27 किमी. सूरत-हजिरा रोड, हजिरा, जिला सूरत-394270	कप्त धेल्लित कार्बन इस्पात की बद्दरें एवं पत्तियाँ।	आई एस 01079 : 94
45.	7145162	97/08	एस्सार स्टील (डिवीजन : एस्सार गुजरात लि.), 27 किमी. सूरत-हजिरा रोड, हजिरा, जिला सूरत-394270	फ्लैज कार्य व अभियंपण कार्यों के	आई एस 05986 : 92
46.	8211861	97/08	पी.जी. केबल्स, 104/1, सर्कुलर रोड, शाहदरा, दिल्ली-110032	परस्कन्दी सामग्री से बने तीन- पिं प्लग	आई एस 06538 : 71

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47. 8210455	97/08	रजनीगंधा केबल इंडस्ट्रीज, 511/1, पांडव रोड, विश्वास नगर, दिल्ली-110032	पीढ़ीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिये	आई एस 01554 : 88 भाग 01	
48. 8209874	97/08	पिंकोलाइट प्रा.लि. 91, गांव छत्तरखुर, नई दिल्ली-110030	सजावटी लाईटिंग आउटफिट	आई एस 05077 : 69	
49. 8211457	97/08	कोठारी फ्लैटक्स लिमिटेड प्लाट नं. ई-206, रोड नं. 10, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर-302013	सिचाई तंत्र के छिड़काव यंत्र के लिये पालीइथाइलीन पाइप	आई एस 14151 : 94 भाग 01	
50. 8209369	97/08	महावीर इंडस्ट्रीज, एसपी-1, प्रथम फेस, इंडस्ट्रियल एरिया, बाढ़मेर-344001	सिचाई तंत्र के छिड़काव युग्मक के लिये पालीइथाइलीन पाइप	आई एस 14151 : 94 भाग 02	
51. 8209672	97/08	आर. संस पाइप्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स बी-143, रोड नं. 93ी विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर	सिचाई तंत्र के लिये छिड़काव युग्मक के लिये पालीइथाइलीन	आई एस 14151 : 94	
52. 9154476	97/08	एम. जी. मेलीएशल्स नया सोडल रोड, ब्रीत नगर, जालंधर (पंजाब)-144004	धातुकर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	आई एस 01879 : 87	
53. 9155680	97/08	स्टील जेम्स डी-186, फोकल व्हाइट (एस्टेंट) जालंधर (पंजाब)-144004	धातुकर्ध्य ढलवां लोहे के पाइप फिटिंग	आई एस 01879 : 87	
54. 9154981	97/08	धीनस प्लाईव्हुल प्रा.लि., गांव : रावली, पीस्ट नूरपुर पठानकोट रोड, जालंधर (पंजाब)	सामान्य प्रयोजन के लिये प्लाईव्हुल	आई एस 00303 : 89	
55. 9155074	97/08	पाओर्नियर प्राइडट्स लि., 5 किमी. स्टोन, विष्वल बेरी रोड, जिला रोहतक, सौपला (हरियाणा)	2,4-डी हथाइल एस्टर पायसनीय सांत्र	आई एस 10243 : 93	
56. 9155175	97/08	पाओर्नियर प्राइडट्स लि., 5 किमी. स्टोन, विष्वल बेरी रोड, जिला रोहतक, सौपला (हरियाणा)	फेनवेलरेट ईसी	आई एस 11997 : 87	
57. 9156076	97/08	एट्ले लेबोरेटरीज (प्रा) लि., 5 किमी. मील पत्थर, मत्सा रोड, भटिष्ठा	क्लोरीपायरीफास पायसनीय सांत्र	आई एस 08944 : 78	

New Delhi, the 3rd December, 1999

S.O.3656.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name & address (factory) of the party	Title of the standard	IS:No./Part Sec & Year
1.	5081051	97/08	NICCO Steels Ltd. East Ghosh Para Road Athpur, 24-Parganas	Mild steel wires, formed wires and tapes for armouring of cables (third revision)	IS 03975:88
2.	5082154	97/08	Pankaj Plywood Industries Vill. & P.O. Banga Nagar, P.S. Falta South 24-Parganas, West Bengal	Marine plywood (First revision) (Amendments 3)	IS 00710:76
3.	5081657	97/08	Shree Narayani Pipe Maf. Co. 6, Dilanjang Road Cossipore Calcutta 700 002	Irrigation equipment-Polyethylene pipes for irrigation laterals (Amendment 1)	IS 12786:89
4.	5081455	97/08	Gillooram Gaurishanker Shri Shankar Mills Baidyanath Deoghat (Bihar) 814112	Hot dipped galvanized stay strand (Third revision)	IS 02141:192
5.	5081556	97/08	Gillooram Gaurishanker Shri Shankar Mills Baidyanath Deoghat (Bihar) 814112	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 Part 04
6.	5081253	97/08	Rama Wood & General Inds Ltd Phase IIIP Indl. Area Fatwah Fatwah 803206	Block boards	IS 01659:92
7.	6134455	97/08	Lotus Deluge Systems Pvt. Ltd. Kalyani Indl. Estate Ashok Nagar Bangalore 560050	Portable fire extinguishers, dry powder (cartridge-type) (Third revision) (Amendment No. 1)	IS 02171:85
8.	6134051	97/08	Mahendra Engg. Works Puliyakulam Coimbatore 641018	Openwell submersible pumpsets	IS 14220:94
9.	7144463	97/08	Maruti Industries 1/10, GIDC Industrial Estate Gandhpur Modasa Distt Sabarkanta 383315	Submersible pumpsets (first revision) (Amendments 3)	IS 08034:89

10. 7144160	97/08	Sona Pumps Plot No. 39 to 42 GIDC Industrial Estate Kukarwada Tal Vijapur Distt Mahesana	Openwell submersible pumpsets	IS 14220:94
11. 7144766	97/08	Texel Plastics Limited	Tarpaulins made from high density polyethylene woven fabric (first revision) (Amendment 1)	IS 07903:84
12. 7144665	97/08	Ashoka Pesticides 840 GIDC Estate Makarpura Vadodara 390010	Guinalplos emulsifiable concentrate (first revision)	IS 08028:87
13. 8208165	97/08	Hari Narayan Bihani 8-B, Industrial Area Jhotwara Jaipur 302012	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 2 Couplers	IS 14151:94 Part 02
14. 8206868	97/08	Shri Ram Cement Works Shriram Nagar Kota 324 004	53 grade ordinary Portland cement (Amendments 3)	IS 12269:87
15. 8208064	97/08	Tej Electroplast Pvt. Ltd. F-11, Road No. 2 Bindayaka Industrial Area Bindaka Jaipur	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 2 Couplers	IS 14151:94 Part 02
16. 9153575	97/08	Central Electric Mechanical Industries E-422, Phase VI Dhandari Kalan Ludhiana (Punjab)	Three-phase induction motors (fourth revision) (Amendments 4)	IS 00325:78
17. 9153878	97/08	Ceru Pipes Pvt. Ltd., Sonepat Road, PO : Bhalaunt Distt. Rohtak Baliyana Mor (Haryana)	Salt glazed stoneware pipe and fittings (fifth revision)	IS 00651:92
18. 9153272	97/08	Punjab Gas Cylinder Limited PO Ahmedgarh Distt. Sangrur Vill : Malikpur (Punjab)	Welded low carbon steel cylinder exceeding 5 litre water capacity for low pressure liquifiable gases: Part 1 Cylinders for liquefied petroleum gas (LPG) (fourth revision)	IS 03196:92 Part 01
19. 9153979	97/08	Valiant Plast Pvt. Ltd. Plot No. 33-34, Sector 5 Distt. Solan Parwanoo (HP)	High density polyethylene pipes for potable water supplies; sewage and industrial effluents (third revision)	IS 04984:87
20. 9153676	97/08	Central Electric Mechanical Industries E-422, Phase VI Dhandari Kalan Ludhiana (Punjab)	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural applications (Amendments 5)	IS 07538:75

1	2	3	4	5	6
21. 9153171	97/08	Growell Agriproducts Pvt. Ltd. E-25, Govt. Indl. Area Bahadurgarh 124507	Jenvalerate, EC (Amendment 1)	IS 11997:87	
22. 9153777	97/08	J & K Cement Ltd. Krew Cement Factory Krew, Distt. Palwana Kashmir 190 011	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
23. 9154375	97/08	Aadhar Cement Pvt. Ltd. 6th Km. Delhi GT Road Bheekampur Aligarh	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
24. 9153474	97/08	Friends Asphaltic Products Plot No. 266AB Dautana Mathura	Industrial bitumen (second revision) (Amendment 1)	IS 00702:88	
25. 9154072	97/08	Portland Cement India Ltd. C-7 Industrial Estate Nandgaon Road Kosikalan Mathura	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
26. 9154274	97/08	Ram Shiv Industries 367 Rania Kanpur Dehat	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS:1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85	
27. 9155882	97/08	Jai Kisan Cement Pvt. Ltd. 14th Km Anoopsahar Road Aligarh	43 grade ordinary Portland Cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89	
28. 9155276	97/08	Dharm Engg Works E-70 Foundry Nagar Agra	Performance requirements for constant speed compression ignition (diesel) engines for agricultural purposes (up to 20 kw) (Amendment 1)	IS 11170:85	
29. 6135659	97/08	Aurofood Limited Pullichapalam Village Vanur (TK) D T.C. Balam VRP Distt. 605 111	Biscuits (third revision)		IS 01011:92
30. 6135861	97/08	Madras Polymers Industries 16, Alapakkam Road Maduravoyal Madras 602 102	Rubber sealing rings for gas mains water mains and sewers first revision) (Amendment 1)	IS 05382:85	
31. 6135053	97/08	Industrial Chemicals Mfg. Co. I/3, Indl. Estate Ariyamangalam Trihy (TN) 620010	Copper sulphate (second revision) (Amendment No. 1)	IS 00261:82	

1	2	3	4	5	6
32.	6136358	97/08	Accurate Cables Pvt. Ltd. Plot No. 36, Kjads Indl. Area Melur Kolar Dist.	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694/90
33.	6134960	97/08	Deepak Cables (India) Ltd. Unit I, N-1, Indl. Estate Tumkur	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 5 Aluminium conductors galvanized steel reinforced for extra high voltage (400 KV and above (first revision)	IS 00398/76 Part 05
34.	6135062	97/08	Usha Switch Gears 93, 12th Cross, Choular Palya Magadi Road Cross Bangalore 560 023		IS 13947/93 Part 04 Sec. 01
35.	6135558	97/08	Manikya Plastichem Pvt. Ltd. Plot No. 5, Belavadi Indl. Area Hunsur Road Mysore 570 005	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems : Part 1 Pipes	IS 1415/94 Part 01
36.	6135154	97/08	The Scientific fertilizers Co.Ltd. Survey No. 81 Hootagelly Village Yelwal Road, Delvadi Post Mysore 571186	Cypermethrin EC (Amendment 1)	IS 12016/87
37.	6135255	97/08	Andhra Sugars Ltd. Perecherla Guntur 522 009	Vanaspati (first revision) (Amendment 1)	IS 10633/86
38.	6135760	97/08	Vayaz Indian Pesticides Pvt. Ltd 16-B, Moula Ali Indl. Area Hyderabad 500 040	Quinalphos emulsifiable concentrate (first revision)	IS 08028/87
39.	6136055	97/08	Andhra Cements Ltd. P.B. No. 501 Gandhi Nagar Post Vijayawada (AP) 520003	Portland pozzolana cement Part 1 Flyash based (third revision)	IS 0/1489/91 Part 01
40.	6135457	97/08	KSE Limited Ward 1/290, A-E, Vedagiri Athirampuzha Panchayat Kurumullur Kottayam Dist 686 632	Compounded feeds for cattle (third revision) (Amendment Nos. 3)	IS 02052:79
41.	6134859	97/08	M/s Kissan Industries 26-A, Perumal Kotil Thottam PN Palayam Road Ganapathy Coimbatore 641006	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision)	IS 00996:79

1	2	3	4	5	6
42.	7145768	97/08	Jet Fibre Pumps Pvt. Ltd. Plot No. 1225 Phase 3 GIDC Industrial Estate Vatava Ahmedabad 382445	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
43.	7146467	97/08	Proto Pumps and Motors Pvt. Ltd., Block No. 1656 Vansda Road Alipore Taluka Chikhli Distt. Valsad 396409	Submersible pumpsets (first revision) (Amendment 3)	IS 08034:89
44.	7145061	97/08	Essar Steel (A Division of Essar Gujarat Ltd.) 27 Km Surat-Hazira Road Hazira Distt. Surat 394270	Hot rolled carbon steel sheets and strips (first revision)	IS 01079:94
45.	7145162	97/08	Essar Steel (A Division of Essar Gujarat Ltd) 27 Km Surat-Hazira Road Hazira Distt. Surat 394270	Hot rolled steel plates, sheet, strips and flats for flanging and forming operation (first revision)	IS 05986:92
46.	8211861	97/08	P.G. Cables 104/1, Circular Road, Shahdara, Delhi 110 032	Three-pin plugs made of resilient material (Amendments 4)	IS 06538:71
47.	8210455	97/08	Rajnigandha Cable Industries 511/1, Pandav Road Vishwas Nagar Delhi 110032	PVC insulated (heavy duty) electric cables Part 1 For working voltages upto and including 1,100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
48.	8209874	97/08	Shinkolite Pvt. Ltd. 01, Village Chhattarpur New Delhi 110030	Decorative lighting outfits	IS 05077:69
49.	8211457	79/08	Kothari Fnalex Limited Plot No. E-206, Road No. 10 Vishwakarma Industrial Area Jaipur 302013	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 1 Pipes	IS 14151:94 Part 01
50.	8209369	97/08	Mahaveer Industries SP-1, 1st Phase Industrial Area Barmer 340001	Polyethylene pipes for sprinkler irrigation systems: Part 2 Couplers	IS 14151:94 Part 02
51.	8209672	97/08	R. Sons Pipes & Electricals (P) Ltd. B-143, Road No. 09 G Vishwakarma Indl. Area Jaipur	-do-	IS 14151:94 Part 02

1	2	3	4	5	6
52. 9154476	97/08	M.G. Malleables New Sodal Road Preet Nagar Jalandhar (Punjab) 144004		Malleable cast iron pipe fittings second revision (Amendment Nos. 3)	IS 01879:87
53. 9155680	97/08	Steel Gems D-186 Focal Point (Ext.) Jalandhar (Punjab) 144004		Malleable first iron pipe fittings (second revision) (Amendment Nos. 3)	IS 01879-87
54. 9154981	97/08	Venus Plywood Pvt. Ltd. Vill : Raowalli, PO : Nurpur Pathankot Road Jalandhar (Punjab)		Plywood for general purposes (Third revision) (Amendment 1)	IS 00303:89
55. 9155074	97/08	Pioneer Products Ltd. 5KM Stone, Dighal Beri Road Distt. Rohtak Sampla (Haryana)		2, 4-D Ethyl ester emulsifiable concentrates first revision)	IS 10243:93
56. 9155175	97/08	Pioneer Products Ltd. 5KM Stone, Dighal Beri Road Distt. Rohtak Sampla (Haryana)		Fenvalerate, EC (Amendment 1)	IS 11997:87
57. 9156076	97/08	Atlay Laboratories (P) Ltd. 5 Km Milestone, Mansa Road Bhatinda		Chlorpyrifos emulsifiable concentrates (Amendment 1)	IS 05944:78

[No. CMC 13:11]

V.K. JAIN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3557.—भारतीय मानक व्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के उपनियम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक व्यूरो एतदहाग अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्रम.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने लाइसेंसधारी का नाम व पता	श्रीर्षक	भारतीय मानक
सं.	की तिथि	वर्ष/माह	भारतीय मानक	सं./भाग/अनुभाग
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. 5080049	97/07	एपीजे इंडस्ट्रीज (प्रा) लि., 47, एचआरडीई रोड, कলकता 700088	सामान्य संरचना इस्पात	आईएस 02062 : 92

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	5080352	97/07	फेयर इलैक्ट्रिकल्स प्रा. लि., 58/20, जे. एन. मुखर्जी रोड, चूंसुरी, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	हस्तय अधानु शर्करा बेलिंग के निये अवृत्त कार्बन और कार्बन मैग्नीज डम्पर इलैक्ट्रोड	आईएम 00814 : 91
3.	5080251	97/07	रेखा इलैक्ट्रिकल्स वर्क्स, 110 ए, कुमार पाञ्चा सेन, कलकत्ता 700 042	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प	आईएस 00418 : 78
4.	5080857	97/07	वेस्ट बंगाल एंग्रेज़ कस्टाइल कारपो. लि., इकाई : भारत जूट हाकर्दा रोड, दामनगर, हावड़ा, प. बंगाल 711 105	वस्त्रादि—दानाज भरने के लिए बी-ड्रिल पटसन के बोरे	आईएस 02566 : 93
5.	5080150	97/07	एपीजे इंडस्ट्रीज़ (प्रा) लि., 47, एचआईजीई रोड, कलकत्ता 700088	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विन्ध्यापित इस्पात सरिए आईटार	आईएस 01786 : 85
6.	5080958	97/07	फिस्टल केबल इंड. अन्नुल रोड, गांव आलमपुर, पी. ओ. भणिला, हावड़ा	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम के चालक	आईएस : 00398 : 76 भाग 02
7.	5079569	97/07	शिवाकुर्ग आयरन वर्क्स (प्रा) लि., 156/1 भघुसूदन, पांख चौधरी, हावड़ा 711 101	जल कल कार्यों के लिये स्लूस चालक	आईएस 02906 : 84
8.	5080554	97/07	कोणार्क मेटल एण्ड आयर प्रांडकट्स, बिजूनगर, बास्क चौक, भारपूराडा, उड़ीसा 768 205	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 02
9.	5080756	97/07	बेलेन्टाइन पाइप्स ए-22/23/24, इंडियन प्लैट्टे, रामूलगढ़, भुवनेश्वर, उड़ीसा 751 010	पेयजल आपूर्णि के लिए गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप	आईएस 04985 : 88
10.	7142257	97/07	इंटरग्रा स्लिच गियर लिमिटेड 10 जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, रमनगस्मी, एन. एच. नं. 8, जिला बड़ौदा 391 243	विद्युत सहाय्यांग-घरेलू और ऐसे ही संस्थानों के लिए अतिधारा संरक्षण हेतु परिषथ वियोजक	आईएस 088828 : 93
11.	7142358	97/07	कंचन एप्पलायसेंस प्राइवेट लिमिटेड 9 सोमनाथ इंडस्ट्रियल को-ऑप सो. सोमनाथ रोड, दाबेल, दमन (मुंगी) 396 210	पिटांग एल्युमीनियम के उत्तन भाग 01	आईएस 01660 : 82

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
12.	7141861	97/07	राज प्लास्टिक केबल्स एल-163 जीश्राइडीसी इंड., एस्टेट, औद्योग रोड, औद्योग, अहमदाबाद 382 415	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीवीसी रोधित केबल	आईएस 00694 : 90
13.	7141154	97/07	अनेक डाइज प्राइवेट लिमिटेड प्लाट नं. 5106/10 फेस 3, जीश्राइडीसी एस्टेट, वापी, जिला वलसाड 396 195	सनसेट पीला, खाली ग्रेड	आईएस 01695 : 74
14.	7141760	97/07	लांसन एण्ड ट्रूब्रों लिमिटेड गुजरात सीमेंट वर्क्स, गांव कोवया, तह : राजुना, जिला अમरेली 365 560	पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट भाग 1 फ्लाई एश आधारित भाग 1	आईएस 01489 : 91
15.	7141962	97/07	सावर पम्प्स प्रा. लि., प्लाट नं. 3704, जीश्राइडीसी एस्टेट, फेस 4, पीले : न्यू निरमा केमीकल्स, वतवा, अहमदाबाद	सिमउनीय पम्पसेट की मोटर	आई एस 09283 : 79
16.	8205260	97/07	आटोमेट इंजीनियरिंग कं., 1-421 प्रॉडस कालोनी, इंडस्ट्रीयल एरिया, शाहदरा, दिल्ली 110 095	सिचाई उपस्कर--चूर्णी फुटारक	आईएस 12232 : 87 भाग 01
17.	8205159	97/07	शिन्कोलाइट प्रा. लि., 91, गांव छत्तरपुर, नई दिल्ली 110 030	बत्ती उपकरण की विशिष्ट भाग 5 विशेष प्रयोगान्	आईएस 10322 : 85 भाग 05 बंड 02
18.	8203963	97/07	पावर ट्रेक केबल्स (प्रा) लि., 39—डी, इंड. एरिया, पी. बी. रोड, देवास	अनुप्रस्थ जुड़े हुए पांलिइथाइलीन विशुलारीधी ताप स्थापी डके हुए केबल भाग 1 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वाल्टता के लिए	आईएस 07098 : 88 भाग 01
19.	9151268	97/07	हिन्दुस्तान केमीकल इंडस्ट्रीज, 531 एम आई ई, जिला रोहतक बहादुरगढ़ 124507 (हरियाणा)	मिथाइन पैरायिनान पायसनीय सांद्र	आईएस 02865 : 78
20.	9151369	97/07	हिन्दुस्तान केमीकल इंडस्ट्रीज, 531 एम आई ई, जिला रोहतक बहादुरगढ़ 124507 (हरियाणा)	इन्डोगल्फान पायसनीय सांद्र	आईएस 04323 : 80
21.	9151470	97/07	हिन्दुस्तान केमीकल इंडस्ट्रीज, 531 एम आई ई, जिला रोहतक बहादुरगढ़ 124 507 (हरियाणा)	मोनोफ्लोटाफालस एस एल	आईएस 08074 : 90
22.	9150872	97/07	रेलवे इंजीनियरिंग एण्ड इंजी. वर्क्स, आगरा रिल्स बाईपास, समीप मोहोली गांव, पी. ओ. कृष्णा नगर, मथुरा	एस्बोटास सीमेंट बाब पाइपों के साथ प्रयुक्त श्रलग हो सकने वाले ढलवां लोहे के जोड़	आईएस 03794 : 88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
23.	9150973	97/07	मोहोलोल पेरस्टीसोइड्स (ईडिया) प्रा. लि., व्यूटोक्लोर पायथनीय सांक्र आईएस 09356 : 80 मसानी-दिलोली रोड, मधुरा 231003		
24.	9151066	97/07	रेकन एक्स्ट्रूजन्स (प्रा.) लि., इंडस्ट्रियल इस्टेट, जी. टी. रोड, जिला कातेहपुर	प्रेयजल आपूर्ति हेतु सीवरोचित पीबीसी फिल्टिंग की विशिष्ट भाग 2 मॉकिट हेतु विशिष्ट अपेक्षाएँ	आईएस 10124 : 88 भाग 02
25.	9151571	97/07	राजिन्दर स्टील्स लि., 22 बा. कि.मी. स्टोन, गांव भिरोरा, रत्नाचा. जिला कानपुर	पनी के कार्यों में उपयोग के लिए, इस्पात नालियां,	आईएस 04270 : 92
26.	9151773	97/07	जी. एस. केबल्स 14/4 (भाग 7), गांव बेगमपुर, खोटाला, गुडगांव	पीबीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए	आईएस 01554 : 88 भाग 01
27.	9151672	97/07	जी. एस. केबल्स 14/4 (भाग 7), गांव बेगमपुर, खोटाला, गुडगांव,	1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए पीबीसी रोधित केबल	आईएस 00694 : 90
28.	5080452	97/07	मधुर केबल्स प्रा. लि., 71/ए, मनकेश्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट, भुवनेश्वर, 751 017 उड़ीसा	शिरोपारि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 1 एल्युमीनियम के सङ्कार चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 01
29.	5080655	97/07	मधुर केबल्स प्रा. लि., 71 ए, मनकेश्वर इंड. एस्टेट, उड़ीसा भुवनेश्वर, 751 017	शिरोपारि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्यु.	आईएस 00398 : 76 भाग 02
30.	6134152	97/07	टी. स्टेनस एंड को. लि., 177/3, वानगाराम रोड, अधिपेट, अम्बातूर, मधुर 600 058	साइपरमेथीन ई सी	आईएस 12016 : 88
31.	6132451	97/07	एचएमपी सीमेंट्स लि., शाहबाद सीमेंट वर्क्स, शाहबाद, जिला गुजरात 585 229	पोर्टलैट स्लेग सीमेंट	आईएस 00455 : 89
32.	6132754	97/07	दि साइटिंफिक फिलाडेलिया क. लि., फेनविलेटैट ही मी सर्वे नं. 81, हूटार्जैली गांव, येलखल रोड, बेलवाडी पोस्ट, मधुर 571 186		आईएस 11997 : 87

(1)	(2)	(3)	(3)	(5)	(6)
33.	6132047	97/07	हैदराबाद केमीकल सप्लायर प्रा. लि., ए-24/25 एमाईसाई बालानगर, हैदराबाद 500 037	आईटीलोरवास पायसनीय सांत्र एसीटी इमेजिंग ए-24/25 एमाईसाई बालानगर, हैदराबाद 500 037	आईएस 05277 : 78
34.	6132148	97/07	हैदराबाद केमीकल सप्लायर्स (प्रा.) लि., ए-24/25, ए माई ई, बालानगर, हैदराबाद 500 037	एसीटी इमेजिंग ए-24/25, ए माई ई, बालानगर, हैदराबाद 500 037	आईएस 12916 : 90
35.	6134354	97/07	हिमालय सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, 43 गोड नाधारण पोर्टलैंड सीमेंट चिन्तापालेम, देसापत रुपीपलेम पोस्ट, कोठावालसा मंडलम, विजयनगरम जिला (आ. प्र.)	हिमालय सीमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, 43 गोड नाधारण पोर्टलैंड सीमेंट चिन्तापालेम, देसापत रुपीपलेम पोस्ट, कोठावालसा मंडलम, विजयनगरम जिला (आ. प्र.)	आईएस 08112 : 89
36.	6133756	97/07	राजम एल्युमीनियम मेटल प्राइवेट्स प्रा. लि., गोपालपुरम, राजम, जिला श्रीकाकुलम 532 127	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 4 एल्युमीनियम मिथधानु लड़दार चालक एल्यु. मैग्नी. मिलिकान टाइप	आईएस 00398 : 76 भाग 04
37.	6133150	97/07	रिहैबिलीटेशन प्लाटेशन्स लि., लाटेसी सेम्फीफ्यूज फैक्टरी, आम्यगिरी कुलाथूपजा एस्टेट, जिला किलांन	कच्चो प्रारूपिक रबड़	आईएस 04588 : 86
38.	6133655	97/07	ट्रेको केबल्स कं. लि., 31/1078 भी, हास्पीटल रोड, अनंकुलम, कोचीन 682011	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम के चालक भाग 4 एल्युमीनियम मिथधानु लड़दार चालक एल्यु. मैग्नी. सिलि. टाइप	आईएस 00398 : 76 भाग 04
39.	6132552	97/07	बाला कम्प्यूटर ग्राफिक्स एण्ड एस एफ नं. पेनर एटिप्पलायर, कोयम्बत्तूर 641 010	1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए प्रीवीसी रोधित केवल	आईएस 00694 : 90
40.	6133049	97/07	तिरमा इंडस्ट्रियल्स एसए क नं. 434 बी. के. रोड, समीप थार्क्षियर मंडल, कोयम्बत्तूर 641 004	एक रेज लघु एसी और सार्विक विजली की मोटर	आईएस 00996 : 79
41.	7144059	97/07	श्रक्षय पम्स एण्ड इंजीनियरिंग प्राइवेट प्लाट नं. 550 फेस 3, जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, बतवा, अहमदाबाद 382 445	कृषि कार्यों के लिए साफ ठड़े पानी के मोनोरोटर पम्प	आईएस 09079 : 89
42.	7144362	97/07	श्रिहन्त पम्स प्राइवेट लिमिटेड समीप लाल्हवी नाला, दीसा हाईवे, पालनपुर, जिला मेहसाणा 385 001	सिमउनीय पम्प सेट	आईएस 09034 : 89

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43.	7143663	97/07	भीरा हंडस्ट्रीज श्रहमशावाद	एक फेस लघु ए. सी. और सार्विक आईएस 00996 : 79 बिज सी की मोटर	
44.	7144261	97/07	मेनेटिक इलैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लि., खुले छुए के लिये निमज्जन पंपसेट	आईएस 14220 : 94	नेशनल हाउस 8 वी, बेरबल, (शापेर) तालुक कोटड्या सांथनी, जिला राजकोट 360 030
45.	8206767	97/07	एमजी केबल्स एण्ड कम्पनीकेशन्स एफ-75 एवं 76, उद्योग विहार जयपुर	निमज्जन मोटरों के वार्डिंग तार	आईएस 08783 : 78
46.	8207062	97/07	गुजरात फिलामेंट्स लिमिटेड, गांव : गोधनपुरा (चौकी) तहसील : कोटपुतली, जयपुर 303 108	33 ग्रैड साधारण पोर्टनेड सीरेंट	आईएस 00269 : 89
47.	9151975	97/07	अकुंश कार्सिंग अपशिष्ट और प्लाट नं. 4, इंड. एरिया, बाढ़ी(हि. प्र.) 173 205	अपशिष्ट और संवातन के लिए रेत के सांचों में ढले लोहे के सिपाहाट और साकेट पाइप फिटिंग और सहायकांग	आईएस 01729 : 79
48.	9151874	97/07	डिसेन्ट इंटरनेशनल सेल्स (हंडिया) जलकल प्रयोजनों के लिए ताम्बा समीप गंहीद भगत सिंह कालोनी, जालंधर 144 088 (पंजाब)	सिंह कालोनी, मिश्रधातु के गेट ग्लोब और त्रेक वाल्व	प्राईएस 00778 : 84
49.	9152371	97/07	जालंधर वाल्व्स हंडस्ट्रीज, सम्मुख : पंजाब एण्ड सिंध वैक, कपूरथला रोड, बस्ती बादा खेल, जालंधर 144 021 (पंजाब)	जलकल प्रयोजनों के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और त्रेक वाल्व	आईएस 00778 : 84
50.	9152169	97/07	पदन मेटल वर्क्स एस-18, हंडस्ट्रियल एरिया, जालंधर 144 004 (पंजाब)	जलकल प्रयोजनों के लिए ताम्बा मिश्रधातु के गेट ग्लोब और चेक वाल्व	आईएस 00778 : 84
51.	9152674	97/07	रागल कन्टेनर्स गांव भूरी माजरा, पोस्ट शम्भू, राजपुरा-ग्रन्वाला रोड, राजपुरा 140 401 (पंजाब)	चौकोर कनस्तर--15 किग्रा. धी, आईएस 10325 : 89 बनस्पति, खाद्य तेलों और बेकरी मोयन के लिए	
52.	9152270	97/07	सुपर इलैक्ट्रिकल्स हंडस्ट्रीज, देवो घाट, सोलन 173 211 (हि. प्र.)	खनिज भरे खोलदार तापन एलीमेंट	आईएस 04159 : 83
53.	9152573	97/07	वाणी स्ट्रिप्स लि., गांव : भगवानपुर, बारवला रोड, जिला पटियाला, डेरा बस्सी (पंजाब)	धातु प्रार्क बोर्डिंग इलैक्ट्रोडों के लिए मृदु इस्पात	आईएस 02879 : 75
54.	9157068	97/07	अमर प्रोमोटर्स प्रा. लि., मिशन हाउस; दि माल रोड, सोलन 173 212	बाढ़ लगाने के लिये जस्तीकृत इस्पात के कांटेदार नार	आईएस 00278 : 78

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
55. 9152977	97/07	बैंकर हंडस्ट्रीज़ (प्रा) लि., तोल्पा, खनमोह, श्रीनगर 190 001	43 ग्रेड सांधारण पोर्टलैंड सीनेट	आईएस 08112 : 89	
56. 9152472	97/07	प्रिमीयर एलायस प्रा. लि., बी-54, 55, यूपीएमप्राइडीसी इंडस्ट्रीयल एरिया, मलावन, फतेहपुर	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य विद्युति इस्पात सरिए और तार	आईएस 01786 : 85	
57. 6134758	97/07	दि स्टैप्डर्ड स्टील एण्ड एल्युमी- नियम कं., मडावनमुगल, पूजापुरा पोस्ट, तिरुवनन्तपुरम् 695 012	णिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमीनियम चालक भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एल्युमीनियम चालक	आईएस 00398 : 76	भाग 02
58. 9153373	97/07	मै. राजहंस केमीकल्स बल्लभगढ़, सोहना रोड, समीप गौन्डी अंटराय पोस्ट फरीदाबाद 121 004	इन्डोसल्कान पायसनीय सॉड्र	आईएस 04323 : 80	
59. 9154173	97/07	पूनम हंडस्ट्रीज़, ई-35/1-2 इंड. एरिया जालंधर 144 004	उत्पाद प्रेष 'सी' के लिये पटकोणीय आईएस 03163 : 92 शीर्ष वाले काबले, पेंच और भाग 01 दिव्यरियां, भाग 1 पटकोणीय शीर्ष वाले काबले (साइज़ रेज एम 5 से एम 64 तक)	आईएस 03163 : 92	भाग 03
60. 8203559	97/07	कृष्णा पाइप हंडस्ट्रीज़, 356 मंगोलपुर खुर्द नई विलसी 110 083	विशुत संस्थापन के लिये कंड्यूट भाग 3 कंड्यूट विशुतरोधक सामग्री के लिए दूढ़ सॉड्र कंड्यूट	आईएस 09537 : 81	भाग 03

[सं. के प्र. वि/13 : 11]
वी. के. जैन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 3rd December, 1999

S.O. 3657.—In pursuance of sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEME

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name and Address (factory) of the party	Title of the standard	IS:No/Part Sec. and Year
1	2	3	4	5	6
1	5080049	97/07	Apceejay Industries (P) Ltd., 47, Hide Road, Calcutta, 700088	Steel for general structural purposes (Fourth revision) supersedes IS 225: 1975 (Amendment No. 1)	IS 02062:92
2	5080352	97/07	Fair Electrodes Pvt. Ltd., 58/20, J. N. Mukherjee Road, Ghusuri, Howrah, West Bengal.	Covered electrodes for manual metal arc welding of carbon and carbon manganese steel (Fifth revision)	IS 00814:91

1	2	3	4	5	6
3	5080251	97/07	Rokha Electrical Works, 110 A, Kumarpura Lane, Calcutta. 700042	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
4	5080857	97/07	West Bengal Agro Textile Corpn. Ltd., Unit : Bharat Jute Hakarda Road, Dasnagar, Howrah , West Bengal, 711105	Textiles-B-twill jute bags for packing foodgrains (third revision)	IS 02566:93
5	5080150	97/07	Apeejay Industries (P) Ltd., 47, Hide Road, Calcutta, 700088	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS:1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
6	5080958	97/07	Crystal Cable Inds. Andul Road, Village Alampur P. O. Mashila, Howrah	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 2
7	5079569	97/07	Shiva Durga Iron Works (P) Ltd. 156/I, Madhusudan Paul Chowdhury Howrah 711 101	Sluice valves for water works purposes (350 to 1200 mm size) (third revision) (Amendments 3)	IS 02906 :84
8	5080554	97/07	Konark Metal & Wire Products, Bijunagar, Bombay Chowk, Jharsuguda, Jharsuguda, Orissa 768205	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 PART 02
9	5080756	97/07	Valentina Pipes, A-22/23/24, Industrial Estate, Rasulgarh, Bhubaneswar,, Orissa 751010	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
10	7142257	97/07	Intergra Switch Gear Limited 10 GIDC Industrial Estate Ramangamdi NH No 8 Distt. Bareda 391243	Circuit breakers for overcurrent protection for household and similar installations (first revision)	IS 08828:93
11	7142358	97/07	Kanchan Appliances Private Ltd., Wrought aluminium utensils : Part 1 9 Somnath Industrial Co-op Soc Somnath Road Dabhel Daman (U T) 396210	Cooking table, serving storing and baking utensils (second revision) (Amendments No. 2)	IS 01660:82 PART 01
12	7141861	97/07	Raj Plastic Cables L-163 GIDC Industrial Estate Odhav Road, Odhav, Ahmedabad 382415	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90

1	2	3	4	5
13	7141154	97/07 Anek Dyes Private Limited Plot No. 5106/10 Phase 3 GIDC Estate Vapi Distt., Valsad 396195	Sunset yellow FCF, food grade (first revision) (Amendment No. 2)	IS 01695:74
14	7141760	97/07 Larsen and Tubro Limited Gujarat Cement Works Village Kovaya Tal Rajula Distt Amreli 365560	Portland pozzolana Cement Part I Flyash based	IS 1489:91 PART 01
15	7141962	97/07 Sabar Pumps Pvt. Ltd., Plot No. 3704, GIDC Estate, Phase IV Behrnd New Nirma Chemicals Vatva, Ahmedabad	Motors for submersible pump sets (Amendment 1)	IS 09283:79
16	8205260	97/07 Automat Engineering Co. 1-421, Friends Colony Shahdara Industrial Area Delhi 110095	Rotating sprinkler : Part I Design and operational requirement	IS 12230:87 PART 01
17	8205159	97/07 Shinkolite Pvt. Ltd. 91, Village Chattarpur New Delhi 110030	Luminaires : Part 5 Particular requirements, Sec. 2 Recessed luminaires	IS 10322:85 PART 05 Sec 02
18	8203963	97/07 Power Trac Cables (P) Ltd., 39-D, Indl. Area P. B. Road Dewas	Crosslinked polyethylene insulated PVC sheathed cables : Part 1 for working voltage up to and including 1100 V (firzt revision) (Amendmt 1)	IS 07093:88 PART 01
19	9151268	97/07 Hindustan Chemical Industries 531, M. I. E. Distt. Rohtak Bahadurgarh (Haryana) 124507	Methyl parathion emulsifiable concentrates (first revision) (with amendment No. 5)	IS 02865:78
20	9151369	97/07 Hindustan Chemical Industries 531, M. I. E. Distt. Rohtak Bahadurgarh (Haryana) 124507	Endosulfan emulsifiable concentrates (first revision) (Amendments 2)	IS 04323:80
21	9151470	97/07 Hindustan Chemical Industries 531, M. I. E. Distt. Rohtak Bahadurgarh (Haryana) 124507	Monocrotophos SL (second revision)	IS 08074:90
22	9150872	97/07 Railway Equipment & Engg Works Agra Delhi Bye Pass Near Village Maholi PO Krishna Nagar Mathura	Cast iron detachable joints for use with asbestos cement pressure pipes first revision) (Amendment 1)	IS 08794:88

1	2	3	4	5	6
23.	9150973	97/07	Motilal Pesticides (India) Pvt. Ltd. Masani-Delhi Road Mathura-281003	Butachlor emulsifiable concentrates (Amendments 2)	IS 09356:80
24.	9151066	97/07	Rekan Extrusions (P) Ltd., Industrial Estate, G. T. Road Choudgra, Distt. Fatehpur	Fabricated PVC fittings for potable water supplies : Part 2 Specific require- ments for sockets (first revision)	IS 10124:88 PART 02
25.	9151571	97/07	Rajinder Steels Ltd. 23 RD Km Mile Stone Village Chiraura Rania Kanpur, Distt.	Steel tubes used for Water wells (second revision)	IS 04270:92
26.	9151773	97/07	G. S. Cables 14/4 (Part 7) Village Bagam Pur Khotala Gurgaon	PVC insulated heavy duty) electric cables : Part 1 for working voltages upto and including 1100V Third revision)	IS 01554:88 PART 01
27.	9151672	97/07	G.S. Cables 14/4 (Part 7) Village Bagam.Pur Khotala Gurgaon	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
28.	5080453	97/07	Mayur Cables Pvt. Ltd. 71/A, Mancheswar Industrial Estate, Bhubaneswar Orissa- 751017	Aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part 1 Aluminium stranded conductors (second revision) (Amendment No. 1)	IS 00398:76 Part 01
29.	5080655	97/07	Mayur Cables Pvt. Ltd. 71/A, Mancheswar Industrial Estate, Bhubneswar, Orissa. 751 017	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 02
30.	6134152	97/07	T. Stanes & Co. Ltd. 177/3, Vanagaram Road Achipet Ambattur Madras 00058	Cypermethrin EC (Amendment 1)	IS 12016 :87

१	२	३	४	५	६
३१.	६१३२४५१	९७/०७	HMP Cements Ltd. Shahabad Cement Works Shahabad Gulbarga Dist. ५८५ २२९	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS ००४५५:८०
३२.	६१३२७५४	९७/०७	The Scientific Fertilizers Co. Ltd. Fenvalerate, EC (Amendment 1) Survey No. 31 Hootagelly Village Yelwal Road, Belvadi Post Mysore-५७११८६		IS ११९९७:८७
३३.	६१३२०४७	९७/०७	Hyderabad Chemical Supplies (Pvt.) Ltd. A-24/25, AIE, Balanagar Hyderabad - ५०० ०३७	Dichlorvos emulsifiable concentrat (first revision) (with amendments)	IS ०५२७७:७८
३४.	६१३२१४८	९७/०७	Hyderabad Chemical Supplies (Pvt.) Ltd. A-24/25, AIE, Balanagar Hyderabad - ५०० ०३७	Acéphate SP	IS १२९१६:९०
३५.	६१३४३५४	९७/०७	Himalaya Cements Pvt. Ltd. Chintalapalem Desapatrunipalem Post Konthavalasa Mandalam Vijayanagaram Dist. (A.P.)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS ०८११२:८९
३६.	६१३३७६	९७/०७	Rajam Aluminium Metal Products Pvt. Ltd. Gopalapuram Rajam Srikakulam Dist. ५३२१२७	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS ००३९८:७६ Part ०४
३७	६१३३१५०	९७/०७	Rehabilitation Plantations Ltd. Latee Centrifuge Factory Abhayagiri Kulathupuzha Estate Kulathupuzha Quilon Distt.	Rubber, raw, natural (third revision) (Amendment 1)	IS ०४५८८:८६
३८.	६१३३६५५	९७/०७	Traco Cable Co. Ltd. XXXI/1078, Hospital Road Ernakulam, Cochin ६८२ ०११	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS ००३९८:७६ Part ०४

1	2	3	4	5	6
39.	6133049	97/07	Nirma Industrials SF 434 V.K. Road Near Thanneer Pandal Coimbatore 641 004	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
40.	6132552	97/07	Bala Computer Graphics and SF No. Perur Chettipalayam Coimbatore 641010	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100V (Amendment No. 1 to 4) thirds revision	IS 00694:90
41.	7144059	97/07	Akshai Pumps and Engineering Pvt. Ltd. Plot Number 556 Phase 3 GIDC Industrial Estate Vatva Ahmedabad 382445	Monoset pumps for clear, cold water for agricultural purposes (first revision) (Amendments 2)	IS 09079:89
42.	7144362	97/07	Arihant Pumps Pvt. Ltd. Near Ladbi Nala Deesa Highway Palanpur Distt Mahesana 385001	Submersible pumpsets (first revision) (Amendments 3)	IS 08034:89
43.	7143663	97/07	Mira Industries Ahmedabad	Single-phase small ac and universal electric motors (second revision) (Amendments 2)	IS 00996:79
44.	7144261	97/07	Magnetic Electricals Private Ltd. Openwell submersible pumpsets National Highway 8B Verval (Shaper) Tal Kotda Sangani Distt Rajkot 360030		IS 14220:94
45.	8206767	97/37	Emgee Cables & Communications Ltd., F-75 & 76 Udyog Vihar Jaipur Jaitpura	PVC insulated winding wires for submersible motors for 80 degree celcius operation (Amendments 3)	IS 08783:78

1	2	3	4	5	6
46.	8207062	97/07	Gujarat Filaments Limited Village : Gordhanpura (Chowki) (fourth revision) (Amendments 3) Tehsil : Kotputli Jaipur 303108	33 Grade ordinary portland cement	IS.00269:89
47.	9151975	97/07	Aukush Casting Plot No. 4 Indl. Area Baddi (HP) 173205	Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes, fitting and accessories (first revision) (Amendments 3)	IS 01729:79
48.	9151874	97/07	Decent International Sales (India) Near Shaheed Bhagat Singh Colony Near R. J. Cold storage Jalandhar City (Punjab) 144008	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84
49.	9152371	97/07	Jalandhar Valves Industries Opp. Punjab & Sind Bank Kapurthala Road, Basti Bawa Khel Jalandhar (Punjab) 144021	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84
50.	9152169	97/07	Pawan Metal Works S-18 Industrial Area Jalandhar (Punjab) 144004	Copper alloy gate, globe and check valves for water works purposes (Fourth revision) (Amendments)	IS 00778:84
51.	9152674	97/07	Royal Containers Vill : Bhuri Majra, PO Shambhu Rajpura-Ambala Road, Rajpura (Punjab) 140401	Square-15 kg for ghee, Vanaspati, edible oils and bakery shortenings (first revision) (Amendment 1)	IS 10325:89
52.	9152270	97/07	Super Electrical Industries Deon Ghat Solan (HP) 173211	Mineral filled sheathed lighting elements IS 04759:83 (second revision) (Amendments 6)	IS 04759:83

1	2	3	4	5	6
53.	9152573	97/07	Vani Strips Ltd. Vill. Bhagwanpur, Barwala Road Dist. Patiala Dera Bassi (Punjab)	Mild steel for metal arc welding electric core wire (second revision) (Amendment No. 4)	IS 02879:75
54.	9152068	97/07	Amar Promoters Pvt. Ltd. Mission House The Mall Road Solan 173212	Galvanized steel barbed wire for fencing (third revision) (Amendments 4)	IS 00278:78
55.	9152977	97/07	Khyber Industries (Pvt) Ltd. Tolpaw Khunmoh Srinagar 190001	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
56.	9152472	97/07	Premier Alloys Pvt. Ltd. B-54, 55 UPSIDC Industrial Area Malawan Fatehpur.	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding (Amendment No. 1)	IS 01786:85 IS:1139-1966
57.	6134758	97/07	The Standard Steel and Aluminium Co. Mudavanmugal Po:japura Post Thiruvananthapuram 695 012	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 2 Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (second revision) (Amendment 3)	IS 00398:76 Part 02
58.	9153373	97/07	M/s Rajhans Chemicals Ballabgarh Sohna Road, Near Gauchi Octt o Post, Faridabad Faridabad 121004	Endosulfan emulsifiable concentrates (first revision) (Amendments 2)	IS 04323:80
59.	9154173	97/07	Poonam Industries E-35/1-2, Indl. Area Jalandhar 144 004	Hexagon head bolts screws and nuts of product grade C: Part 1 Hexagon head bolts (size range M5 to M64)	IS 01363:92 Part 01 Sec 03
60.	8203559	97/07	Krishna Pipe Industries 356, Mangol Pur khurd, New Delhi 110083	Conduits for electrical installations: 3 Rigid plain conduits of insulating materials (superseding IS 2509)	IS 09537:81 Part 03

उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1999

का.आ 3658.—केन्द्रीय सरकार का, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्टैंडर्ड्स एंड टैक्नालोजी, गाइथवर्ग मारीलैंड-20899 यूनाइटेड स्टेट्स अमेरीका द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई है) आट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और आट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'स्पाइडर' शृंखला की, स्वतः सूचक, अस्वाच्छालित, इलेक्ट्रॉनिक तोलन, मशीन के मॉडल का, जिसके ड्रांड का नाम 'तोलेदो' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) मैसर्स मिस्लर तोलेदो ए जो आई एम लागरचर, 8606, ग्रिफैसी स्वीटजरलैंड और भारत में विक्रय मैसर्स मिस्लर तोलेदो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अमोर हिल, साकी विहार रोड, पोबई, मुंबई-400 072 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन यिह आई एन डी/13/98/223 अ समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत माडल के ब्यौरे निम्नलिखित हैं—

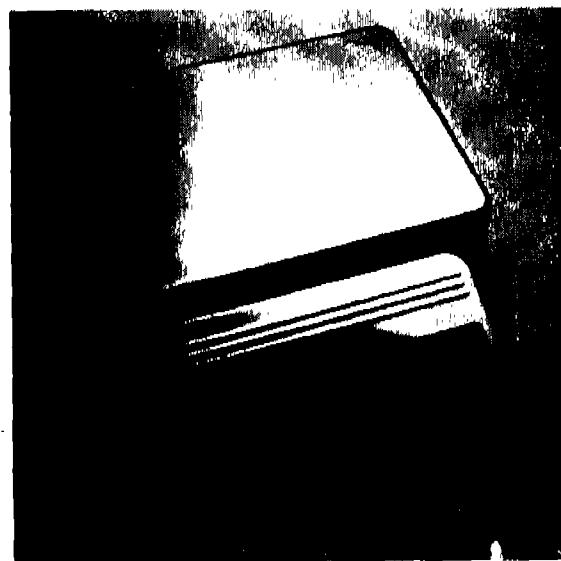
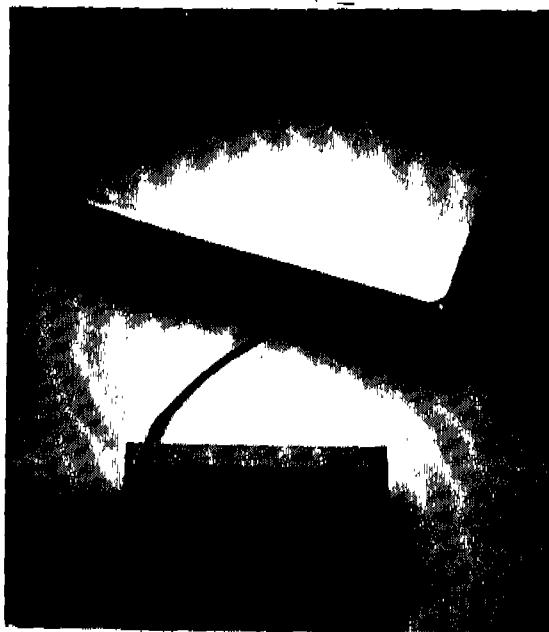
प्रकार — अस्वाच्छालित इलेक्ट्रॉनिक तोलन मशीन

श्रेणी — स्पाइडर शृंखला

क्षमता — मापमान प्रभाग (एन) की संख्या

एन < 7000 वर्ग III के उपकरण के लिए;

एन < 1000 वर्ग IV के उपकरण के लिए;



[फा. सं. उम्मू. एम.-21(99)/98]

पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

New Delhi, the 7th December, 1999

S. O. 3658.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by National Institute of Standards and Technology, Gaithersburg, Maryland 20899, USA is satisfied that the Model described in the said report (figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain the accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self indicating, non-automatic, electronic weighing machines of type "Spider" series and with brand name 'Toledo' (hereinafter referred to as the model) manufactured by M/s Mettler Toledo AG, Im Langeracher, 8606 Greifensee, Switzerland, and sold in India by M/s Mettler Toledo India Private Limited, Amor Hill, Saki Vihar Road, Powai, Mumbai-400 072, and which is assigned the approval mark IND/13/98/223A;

The details of the model covered under this certificate are as follows :

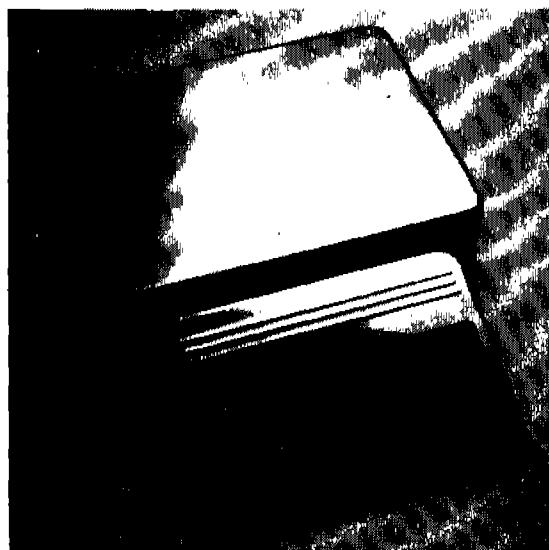
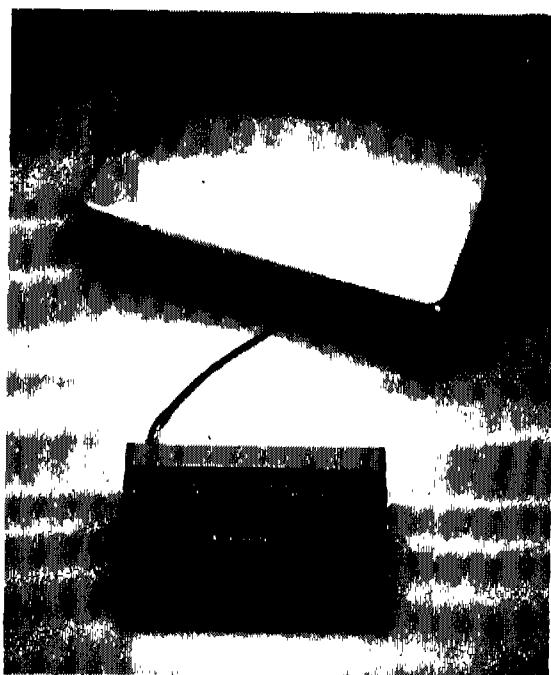
Type : Non-automatic electronic weighing machines

Serial : Spider series

Capacity : Number of scale divisions (n)

$n \leq 7000$ for class III instruments;

$n \leq 1000$ for class IV instruments;



[F No. WM 21 (99)/98]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

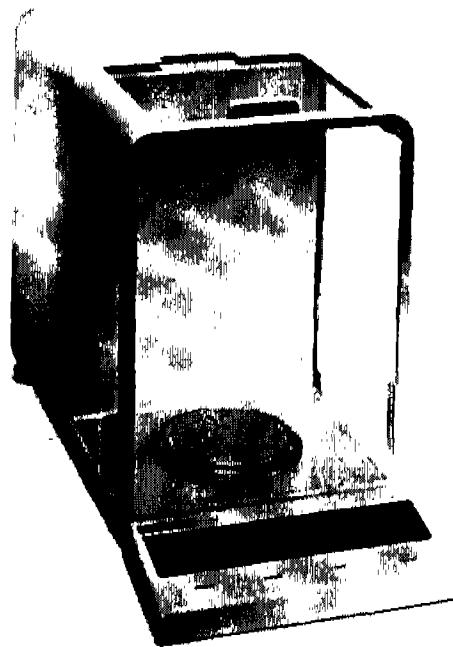
नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3659.—केन्द्रीय सरकार का, नेशनल इस्टीट्यूट आफ स्टैंडर्ड्स एंड टैक्नालोजी, गाईथर्वा, मारीलैंड-20899 यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरीका द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई है) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बाट की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'ए पी' शृंखला की, स्वतः सूचक अस्वचालित, इलैक्ट्रॉनिक तोलन मशीन के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम 'ओहस' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स ओहस कारपोरेशन, 29, हेन ओवर रोड, फ्लोरहम पार्क, न्यू जर्सी, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरीका द्वारा किया गया है और भारत में विक्रय मैसर्स मिलार तोलेदो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अमोर हिल, साकी विहार रोड, पोब्ल, मुंबई-400 072 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/98/224 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत माडल के ब्यौरे निम्नलिखित हैं—

- | | | |
|---------------|---|----------------------------------------------------------------------------|
| प्रकार | — | -अस्वचालित इलैक्ट्रॉनिक तोलन मशीन जनता को सीधे विक्रय करने के आशय से नहीं। |
| श्रेणी | — | -एपी-110 ई शृंखला अधिकतम 110 ग्राम; ई मान 1 मिलीग्राम |
| | | -एपी-210 ई शृंखला अधिकतम 210 ग्राम; ई मान 1 मिलीग्राम |
| | | -एपी-310 ई शृंखला अधिकतम 310 ग्राम; ई मान 1 मिलीग्राम |
| | | -एपी-250 ई शृंखला डूयल रेंज; अधिकतम 52 ग्राम |
| | | और 210 ग्राम; ई मान 1 मिलीग्राम |
| यथार्थता वर्ग | | -विशेष यथार्थता वर्ग ; यथार्थता वर्ग । |



[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(99)/98]

पी. ए. कृष्णमृति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th December, 1999

S. O. 3659.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the National Institute of Standards and Technology, Gaithersburg, Maryland 20899, USA is satisfied that the model described in the said report (figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain the accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, electronic weighing machines of Type "AP" series and with brand name 'Ohaus' (hereinafter referred to as the model) manufactured by M/s Ohaus Corporation, 29, Hanover road, Florham Park, New Jersey, United States of America, and sold in India by M/s Mettler Toledo India Private Limited, Amor Hill, Saki Vihar Road, Powai, Mumbai-400 072, and which is assigned the approval mark IND/13/98/224;

The details of the model covered under this certificate are as follows :

Type : Non-automatic electronic weighing machines not intended to be used for direct sales to the public.

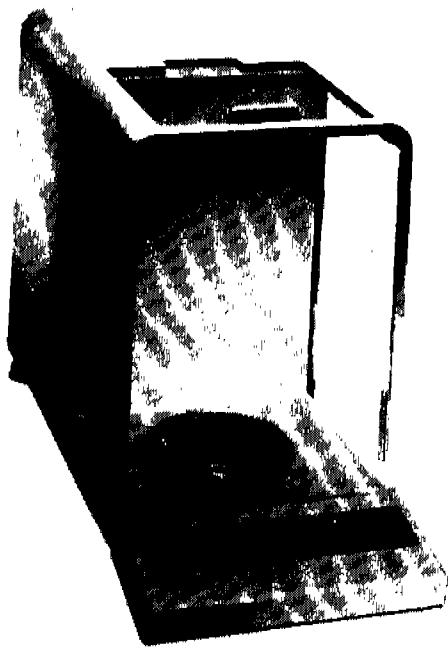
Serial : AP-110E series Maximum 110g; e Value 1mg

AP-210E series Maximum 210g; e Value 1mg

AP-310E series Maximum 310g; e Value 1mg

AP-250E series Dual range; Maximum 52g and 210g; e Value 1mg

Class of accuracy : Special Accuracy class; Accuracy class I



[F. No. WM-21(99)/98]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3660.—केन्द्रीय सरकार का, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टैक्नालोजी, गाईथर्वर्ग मारीलैंड-20899 यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरीका द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई है) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'बोयगर और एक्सप्लोरर' शृंखला की, स्वतः सूचक, अस्वघालित, इलैक्ट्रॉनिक, तोलन मशीन के मॉडल का, जिसके आंड का नाम 'ओहस' है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) मैसर्स ओहस कारपोरेशन, 29, हेनओवर रोड, फ्लोरहम पार्क, न्यू जर्सी, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरीका द्वारा किया गया है और भारत में विक्रय मैसर्स मिल्लर तोलेदो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अमोर हिल, साकी विहार रोड, पोखरी, मुंबई-400 072 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/98/225 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है ।

इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत मॉडल के व्यौरे निम्नलिखित हैं—

प्रकार — अस्वघालित इलैक्ट्रॉनिक तोलन मशीन

त्रिणी — बोयगर और एक्सप्लोरर शृंखला

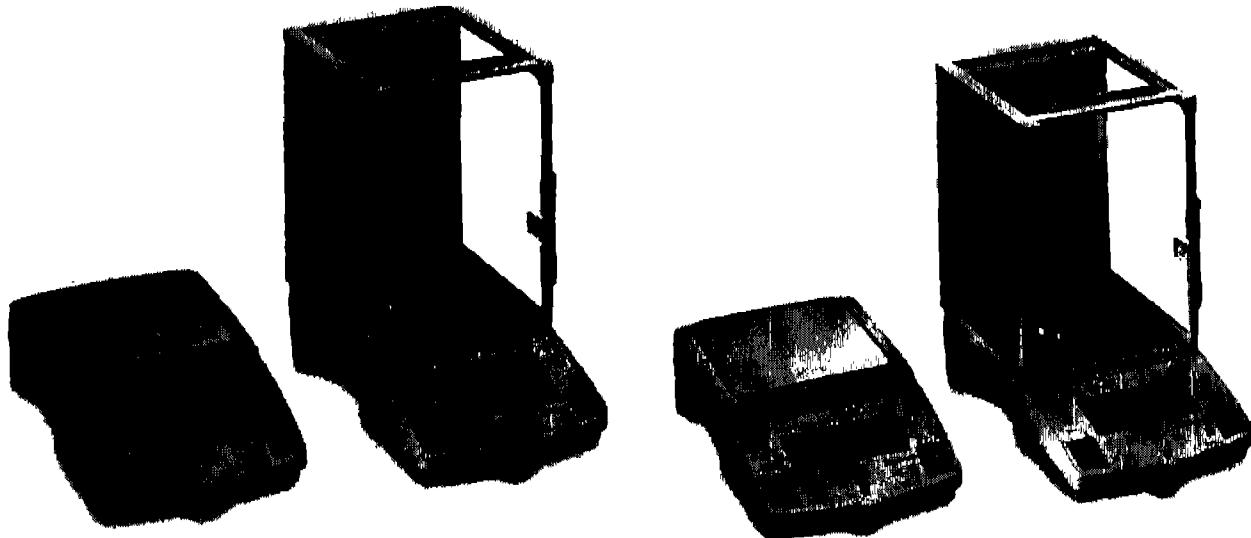
यथार्थता वर्ग — विशेष यथार्थता वर्ग ; (यथार्थता वर्ग I)

62 ग्राम \leq अधिकतम \leq 210 ग्राम; इ \geq 1 मिलीग्राम

उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II)

210 ग्राम \leq अधिकतम \leq 8100 ग्राम; इ \geq 10 मिलीग्राम

12 किलोग्राम \leq अधिकतम \leq 32.1 ग्राम; इ \geq 1 ग्राम



[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(99)/98]

पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th December, 1999

S. O. 3660.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the National Institute of Standards and Technology, Gaithersburg, Maryland 20899, USA, is satisfied that the model described in the said report (figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain the accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, electronic weighing machines of type "Voyager and Explorer" series and with brand name 'Ohaus' (hereinafter referred to as the model) manufactured by M/s Ohaus Corporation, 29, Hanover Road, Florham Park, New Jersey, United States of America, and sold in India by M/s. Mettler Toledo India Private Limited, Amor Hill, Saki Vihar Road, Powai, Mumbai-400 072, and which is assigned the approval mark IND/13/98/225;

The details of the model covered under this certificate are as follows :

Type : Non-automatic electronic weighing machines

Serial : Voyager and Explorer series

Class of accuracy :

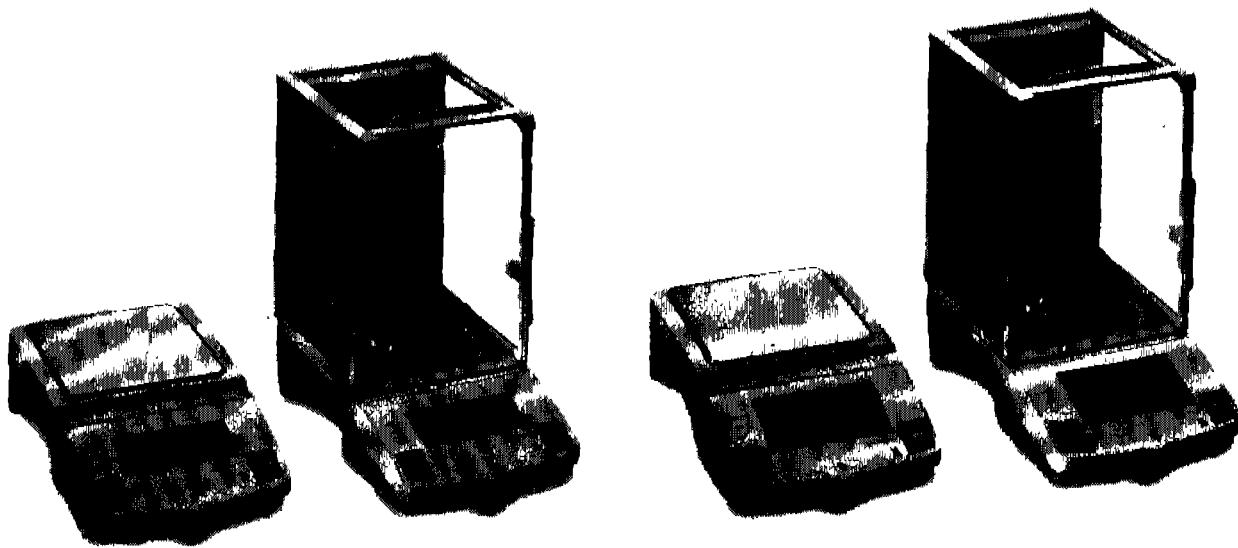
Special Accuracy class (Accuracy class I)

$62\text{g} \leq \text{Maximum} \leq 210\text{g}$; $e \geq 1\text{mg}$

High Accuracy class (Class II)

$210\text{g} \leq \text{Max} \leq 8100\text{g}$; $e \geq 10\text{mg}$

$12\text{Kg} \leq \text{Max} \leq 32.1\text{g}$; $e \geq 1\text{g}$



[F. No. WM-21(99)/98]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3661.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) वाली "जी एक्स" शृंखला की, अंकक सूचन सहित, अस्वचालित (मेज तल प्रकार) की तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ग्राम व्रीसिसन" है (जिसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स मारशाप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, 7, सीता इस्टेट 'ए' माहुल गोड़ थेम्बर, मुम्बई-400 074 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/99/70 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) का अंकक सूचन सहित मेज तल प्रकार की अस्वचालित का तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 230 ग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 मि. ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 10 ग्राम है। प्रदर्श इकाई द्रव क्रिस्टल डायोड प्रकार की है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्ट्ज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है;



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के उसी मेक और यथार्थता वाला ऐसा तोलन उपकरण भी होगा जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अंतराल (एन) की अधिकतम संख्या $1,00,000$ (एन $\leq 1,00,000$) तक है तथा जिसका "ई" मान 1×10^4 , 2×10^4 और 5×10^4 , हैं 'के' घनात्मक या ऋणात्मक पूर्णक या शृंख्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(66)/98]

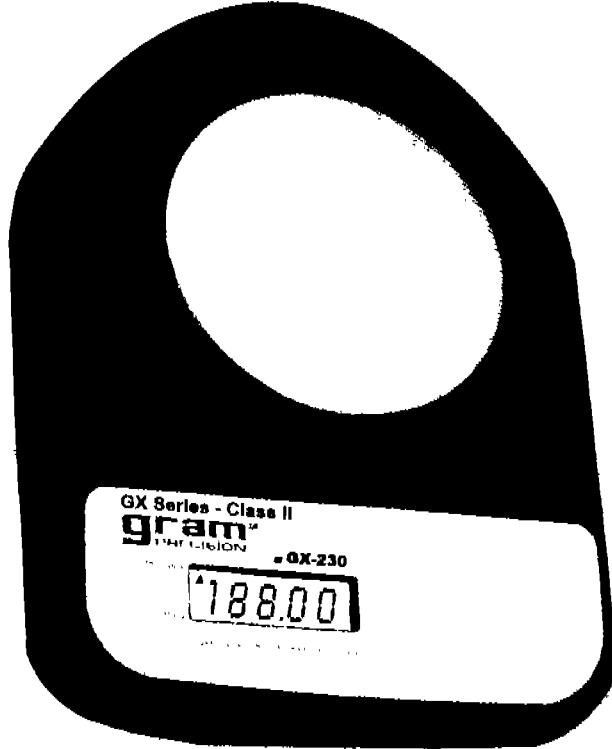
पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 8th December, 1999

S. O. 3661.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of non-automatic weighing instrument (table top type) with digital indication of "GX" series with brand name "GRAM PRECISION" (hereinafter referred to as the model) belonging to high accuracy class (Accuracy class II), manufactured by M/s Marsap Services Private Limited, 7, Sita Estate, 'A', Mahul Road, Chembur, Mumbai-400 074 and which is assigned the approval mark IND/09/99/70;

The model is a non-automatic weighing instrument of table top type with digital indication of maximum capacity 230 g and minimum capacity of 200mg and belonging to high accuracy class (accuracy class II). The value of verification scale interval (e) is 10 mg. The display unit is of liquid crystal diode type. The instrument operates on 230 V, 50 Hertz alternate current power supply;



And further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover weighing instruments of same make, and accuracy class with maximum number of scale interval (n) upto 100,000 ($n \leq 100,000$) and with ' e ' value of 1×10^k , 2×10^k and 5×10^k , k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same design and with the same materials with which the approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (66)/98]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3662.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बाट की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) वाली "जी एम्स" शृंखला की, अस्वचालित इलेक्ट्रॉनिक अंकक सूचन सहित अस्वचालित (मेज तल प्रकार की) तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम 'ग्राम प्रीसिसन' है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स मारशाप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, 7 सीटा स्टेट 'ए' माहुल रोड, चेन्नौर, मुम्बई-400 074 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/99/71 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) का अंकक सूचन सहित मेज तल प्रकार के अस्वचालित तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 30 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 250 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्राम है। प्रदर्श इकाई द्रव क्रिस्टल डायोड प्रकार की है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्ट्ज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है;



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के उसी मेक और यथार्थता वाला ऐसा तोलन उपकरण भी होगा जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अंतराल (एन) की अधिकतम संख्या 1,00,000 (एन \leq 1,00,000) तक है तथा जिसका "ई" मान 1×10^4 , 2×10^4 और 5×10^4 , हैं 'के' धनात्मक या न्यात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(66)/98]

पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 8th December, 1999

S. O. 3662.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of non-automatic weighing instrument (table top type) with digital indication of "GX" series with brand name "GRAM PRECISION" (hereinafter referred to as the model) belonging to high accuracy class (Accuracy class II), manufactured by M/s Marsap Services Private Limited, 7, Sita Estate, 'A', Mahul Road, Chembur, Mumbai-400 074 and which is assigned the approval mark IND/09/99/71;

The model is a non-automatic weighing instruments of table top type with digital indication of maximum capacity 30 kg and minimum capacity of 250g and belonging to high accuracy class (accuracy class II). The value of verification scale interval (e) is 5g. The display unit is of liquid crystal diode type. The instrument operates on 230 V, 50 Hertz alternate current power supply;



And further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover weighing instruments of same make, and accuracy class with maximum number of scale interval (n) upto 1,00,000 ($n \leq 1,00,000$) and with ' e ' value of 1×10^k , 2×10^k and 5×10^k , ' k ' being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same design and with the same materials with which the approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (66)/98]

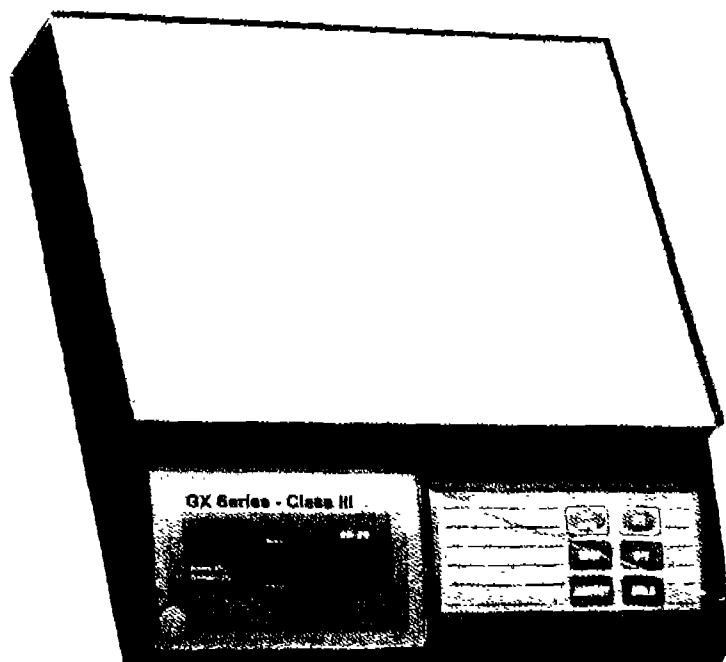
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3663.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग को अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग III) वाली “जी एक्स” शृंखला को, स्वतः सूचनक अस्वचालित इलेक्ट्रॉनिक, अंकक सूचन सहित मेज तल प्रकार के तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “ग्राम प्रीसिसन” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स मारशाप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, 7 सीता स्ट्रेट, ए माहुल रोड, चेम्पूर, मुम्बई-400 074 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/99/72 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग III) का अंकक सूचन सहित मेज तल प्रकार की अस्वचालित तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 3 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 ग्राम है। प्रदर्श इकाई द्रव्य क्रिस्टल डायोड प्रकार की है। उपकरण 230 घोल्ट और 50 हर्ट्ज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय कर कार्य करता है;



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इम अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के उसी मेक और यथार्थता वाला एंसा तोलन उपकरण भी होंगा जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिसमें अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है और जिसके सत्यापन मापमान का अंतराल (एन) की अधिकतम संख्या 10,000 (एन = 10,000) से कम या उसके बराबर है तथा जिसका “ई” मान 1×10^4 , 2×10^4 और 5×10^4 , है ‘के’ भनात्मक या क्रहात्मक पृष्ठीक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम. 21(66)/98]

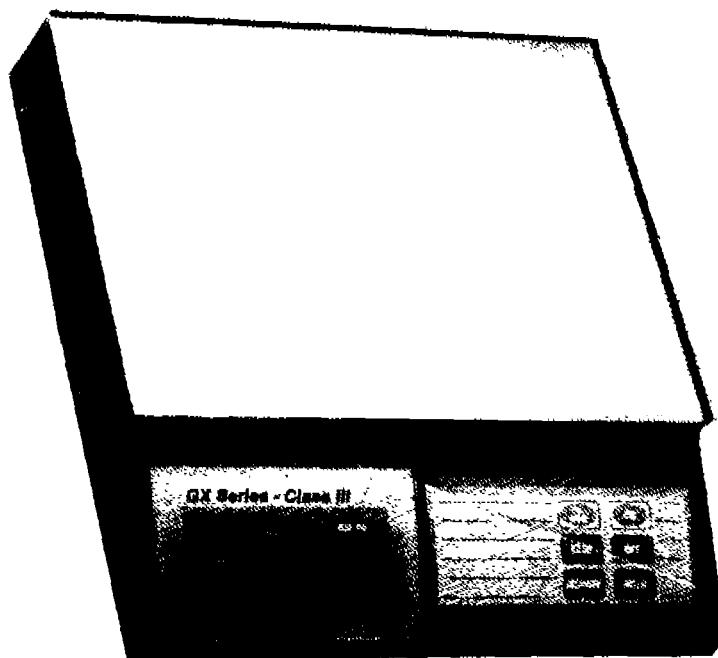
पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 8th December, 1999

S. O. 3663.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of non-automatic weighing instrument (table top type) with digital indication of "GX" series with brand name "GRAM PRECISION" (hereinafter referred to as the model) belonging to medium accuracy class (Accuracy class III), manufactured by M/s Marsap Services Private Limited, 7, Sita Estate, 'A', Mahul Road, Chembur, Mumbai-400 074 and which is assigned the approval mark IND/09/99/72;

The model is a non-automatic weighing instruments of table top type with digital indication of maximum capacity 3 kg and minimum capacity of 20g and belonging to medium accuracy class (accuracy class III). The value of verification scale interval (c) is 1g. The display unit is of liquid crystal diode type. The instrument operates on 230 V, 50 Hertz alternate current power supply:



And further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover weighing instruments of same make, and accuracy class with maximum number of scale interval (n) upto 10,000 ($n \leq 10,000$) and with ' c ' value of 1×10^k , 2×10^k and 5×10^k , ' k ' being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same design and with the same materials with which the approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21 (66)/98]

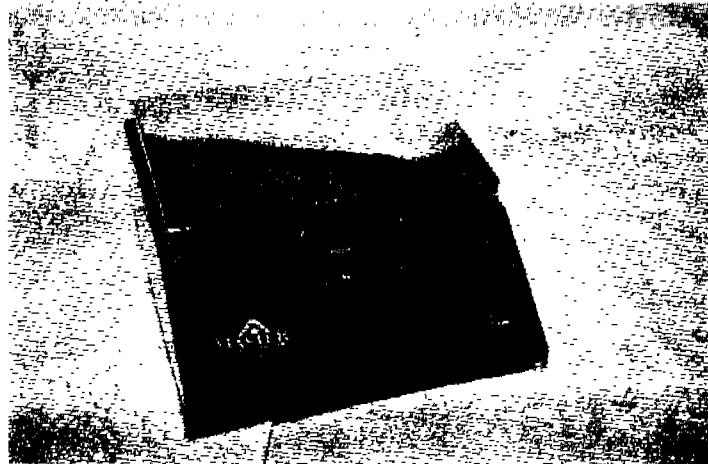
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3664.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई है) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस आत की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) याती “एम एस” शृंखला की, अंकक सूचन सहित अस्वच्छालित (मेज तल प्रकार) तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “मास्टर” है (जिसे इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स ए.सी.ई कारपोरेशन, 384 भवानी पथ, ए-1, नीलकंठ हाईट्स, पुणे-411042 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/99/103 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल (आकृति देखें) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 20 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 100 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 ग्राम है। इसमें एक आद्येतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्तिनामक धारित आद्येतुलन प्रभाव है। भार ग्राही आयताकार है जिसकी भुजाएं 200 × 210 मिलीमीटर हैं। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है;



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाण पत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 50 किलोग्राम होगी जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अन्तराल (एन) की अधिकतम संख्या 10,000 (एन \leq 10,000) तक है तथा जिसका “ई” मान 1×10^4 , 2×10^4 , और 5×10^4 , है ‘के’ घनात्मक या प्रत्यावर्ती घनात्मक या शृन्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(49)/99]

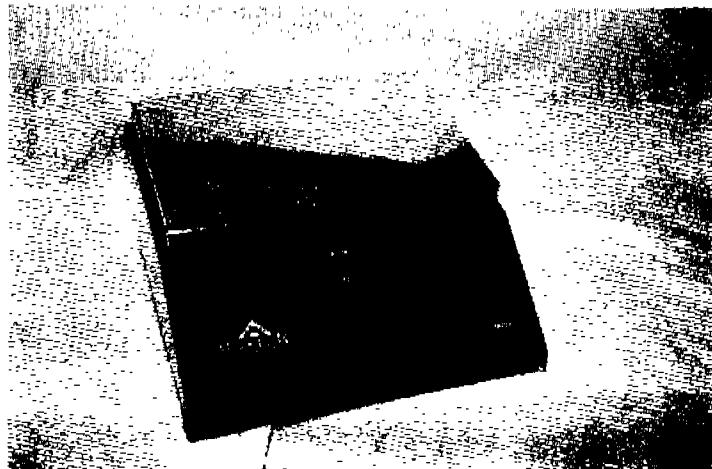
पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 13th December, 1999

S. O. 3664.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating, non-automatic, (table top type) weighing instrument with digital indication of "MS" series of Medium accuracy (Accuracy Class III) and with brand name "MASTER" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. ACE Corporation, 384 Bhawani Peth, A-1, Neelkanth Heights (Basement) Pune-411 042 and which is assigned the approval mark IND/09/99/103;

The said model (see-figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 20kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of side 200×210 millimeter. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity up to 50 Kg. with number of verification scale interval (n) less than or equal to 10,000 ($n \leq 10,000$) and with ' e ' value 1×10^k , 2×10^k , 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

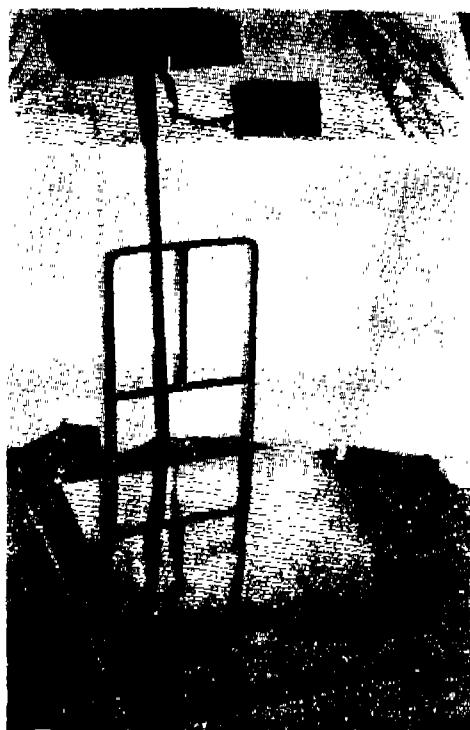
[F. No. WM-21(49)/99]
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3665.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग III) वाली "एम एस" शृंखला की, अंकक सूचन सहित स्वतः सूचक अस्थवालित (प्लेटफार्म) तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "मास्टर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स ए सी ई कारपोरेशन, 384 भवानी पथ, ए-1, नीलकंठ हाइट्स, पुणे-411042 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन विहन आई एन डी/09/99/104 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल (आकृति देखें) मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 200 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 1 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 50 ग्राम है। इसमें एक आद्येयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यक्लनात्मक धारित आद्येयतुलन प्रभाव है। भार ग्राही आयताकार है जिसकी भुजाएं 510 × 600 मिलीमीटर हैं। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्ट्ज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय कर कार्य करता है;



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाण पत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 5 टन तक होगी जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी विद्युत, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अंतराल (एन) की अधिकतम संख्या $10,000$ (एन $\leq 10,000$) तक है तथा जिसका "ई" मान $1 \times 10^*$, $2 \times 10^*$, और $5 \times 10^*$ है 'के' घनात्मक या ऋणात्मक पूर्णक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(49)/99]

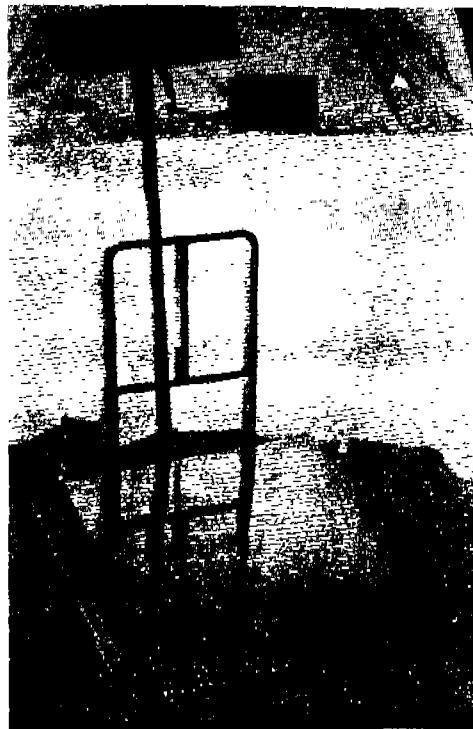
पी. ए. कृष्णमृति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 13th December, 1999

S. O. 3665.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic, (Platform) weighing instrument with digital indication of "MS" series of Medium accuracy (Accuracy Class III) and with brand name "MASTER" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s ACE Corporation, 384 Bhawani Peth, A-1, Neelkanth Heights (Basement) Pune-411 042 and which is assigned the approval mark IND/09/99/104 ;

The said model (see-figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 200kg. and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of side 510×600 millimeter. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity up to 5 tonne with number of verification scale internal (n) less than or equal to 10,000 ($n \leq 10,000$) and with ' e ' value 1×10^k , 2×10^k , 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model have been manufactured.

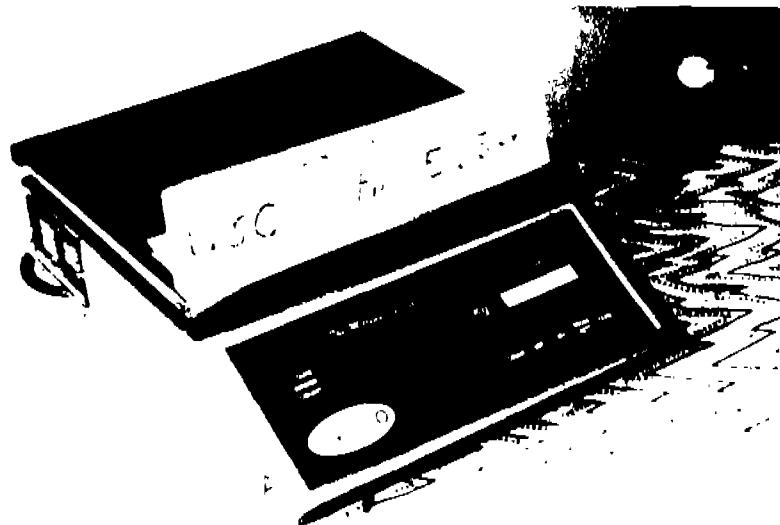
[F No. WM-21(49)/99]
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3666.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाली “यू-एस-टी टी एच ऐ” शृंखला की, अंकक सूचक सहित, स्वतः : सूचक अस्वचालित (मेज तल प्रकार का) तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके बांड का नाम “यूनेस्को” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण यूनाइटेड स्टेट्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 40 रास्ता पथ, पुणे-411011 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन छिल आई एन डी/09/99/98 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल (आकृति देखें) उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) का तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 20 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 50 ग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 1 ग्राम है। इस में एक आदेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्याकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। भार ग्राही आयताकार है जिसकी भुजाएं 305 × 250 मिलीमीटर हैं। प्रकाश उत्पादक डियोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्टज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 5 किलोग्राम तक होंगी जिसका विनिर्माण उसी रिनर्माता द्वारा उसी मिडिंट, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अंतरा (एन) की अधिकतम संख्या $1,00,000$ (एन $\leq 1,00,000$) तक है तथा जिसका “ई” मान 1×10^4 , 2×10^4 और 5×10^4 , है ‘के’ घनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डस्यू. एम.-21(37)/99]

पी. प. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप प्रिज़िन

New Delhi, the 13th December, 1999

S. O. 3666.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of self-indicating, non-automatic, (table top type) weighing instrument with digital indication of "US-TTHA" series of high accuracy class (Accuracy Class II) with brand name "UNISCO" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. United Scales Co. Private Limited, 40 Rasta peth, Pune-411 011 and which is assigned the approval mark IND/09/99/98;

The model (see figure) is a high accuracy class (accuracy class II) weighing instrument with a maximum capacity of 20 kg. and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (*e*) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular dimension of section of 305x250 millimeter. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity 50kg with number of verification scale interval (*n*) less than or equal to 1,00,000 ($n \leq 1,00,000$) and with '*e*' value 1×10^k , 2×10^k , 5×10^k , *k* being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

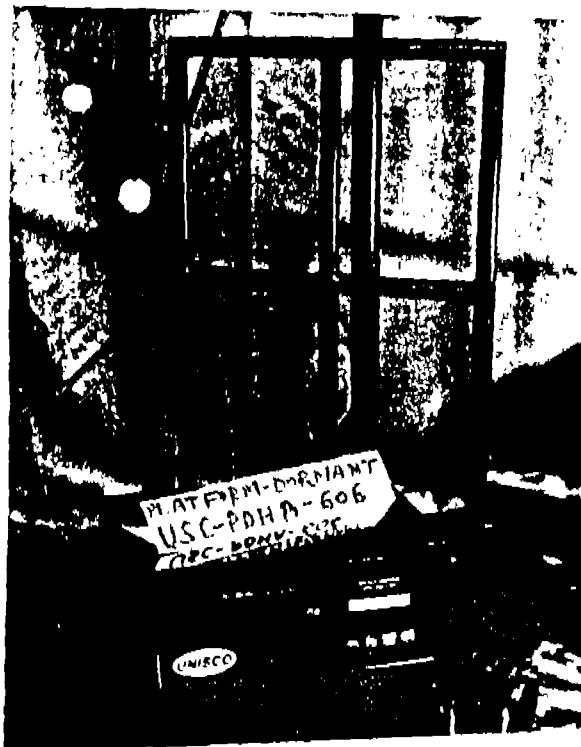
[F. No. WM-21(37)/99]
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3667.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 को उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) वाली “यूएससी-पीडी-एचए” शृंखला की, अंकक सूचन सहित, स्वतः सूचक अस्वाधालित (प्लेटफार्म प्रकार) तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “यूनेस्को” है (जिसे इसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मैसर्स यूनाइटेड स्केल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 40 रास्ता पथ, पुणे-411011 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिठ्ठी आई एन डी/09/99/99 समनुदंशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल (आकृति देखें) उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग II) का तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 150 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 50 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) 10 ग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्याकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। भार ग्राही वर्गाकार है जिसकी भुजाएं 610 मिलीमीटर हैं। प्रकाश उत्सर्जक डियोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज आवृत्ति की प्रत्याकर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 5 टन तक होगी जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अंतराल (एन) की अधिकतम संख्या $1,00,000$ (एन $\leq 1,00,000$) तक है तथा जिसका ‘‘ई’’ मान 1×10^4 , 2×10^4 और 5×10^4 , हैं ‘के’ घनात्मक या ऋणात्मक पूर्णक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(37)/99]

पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 13th December, 1999

S. O. 3667.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of self-indicating, non-automatic, (Platform type) weighing instrument with digital indication of "USC-PD-HA" series of high accuracy class (Accuracy Class II) with brand name "UNISCO" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. United Scales Co. Private Limited, 40' Rasta peth, Pune-411 011 and which is assigned the approval mark IND/09/99/99;

The model (see figure) is a high accuracy class (accuracy class II) weighing instrument with a maximum capacity of 150 kg. and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (*e*) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of square shape of side of 610 millimeter. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity 5 tonne with number of verification scale internal (*n*) less than or equal to 1,00,000 ($n \leq 1,00,000$) and with '*e*' value 1×10^k , 2×10^k , 5×10^k , *k* being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(37)/99]

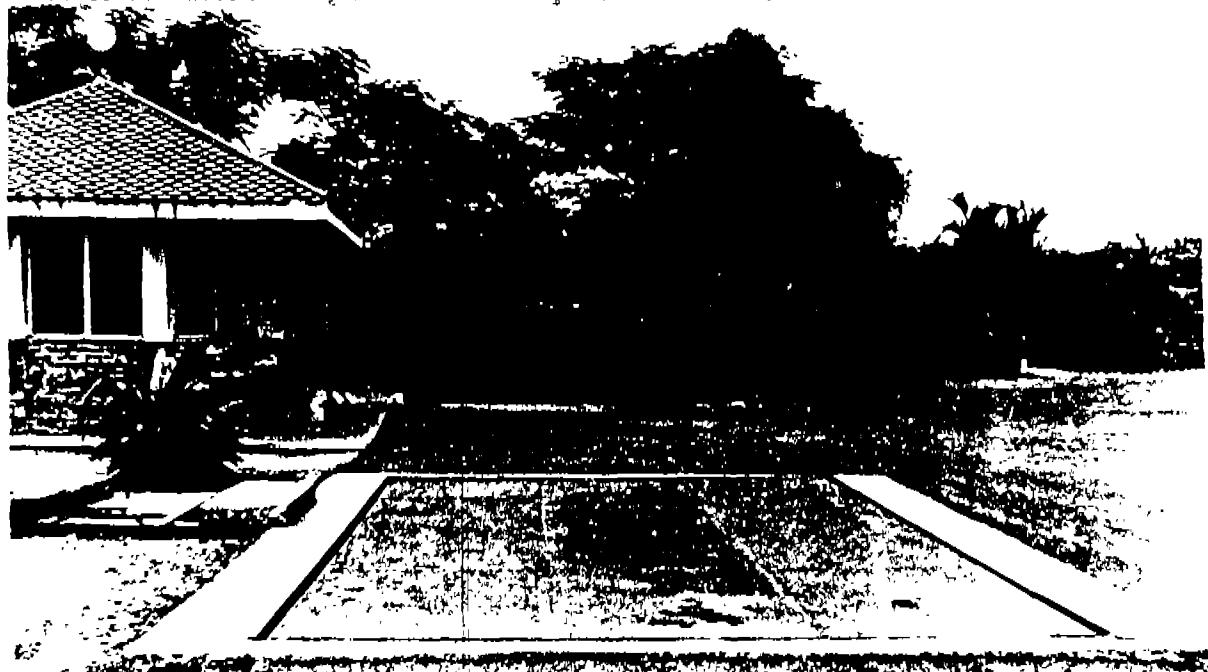
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3668.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (आकृति नीचे दी गई है) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपलंब्धों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधियों में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा करता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) वाली “डब्ल्यू बी-2000” शृंखला की, स्वतः सूचक अस्वचालित (बहुभार सेल प्रकार की तुला चौकी) तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम “मील्स इलेक्ट्रानिक तुला चौकी” है (जिसमें इसके पश्चात् मॉडल कहा गया है) और जिसका विनिर्माण मील सिस्टम्स एंड सर्विसेज लिमिटेड प्लाट सं. 173, इलेक्ट्रानिक्स और इंस्ट्रूमेंट्स इंडस्ट्रीज के लिए विकसित प्लाट इस्टेट, पेंगुडी, चेन्नई-680096 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/99/97 समनुदेशित किया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है;

यह मॉडल (आकृति देखें) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है, जिसकी अधिकतम क्षमता 20000 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 100 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) 5 किलोग्राम है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शात प्रतिशत व्याकलनात्मक धारित आघोयतुलन प्रभाव है। भार ग्राही आयताकार है जिसकी भुजाएं 6 मीटर \times 8 मीटर हैं। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 बोल्ट और 50 हर्टज आवृत्ति की प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।



और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि मॉडल के इस अनुमोदन प्रमाणपत्र के अंतर्गत, उसी शृंखला के ऐसे तोलन उपकरण भी होंगे जिनकी अधिकतम क्षमता 100 टन और न्यूनतम क्षमता 5 टन होगी, जिसका विनिर्माण उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत, डिजाइन और उसी सामग्री से किया जाता है जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्माण किया गया है, और जिसके सत्यापन मापमान का अन्तराल (एन) की अधिकतम संख्या 10,000 (एन \leq 10,000) तक है तथा जिसका “ई” मान $1 \times 10^*$, $2 \times 10^*$ और $5 \times 10^*$ है, के धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णीक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम.-21(21)/99]

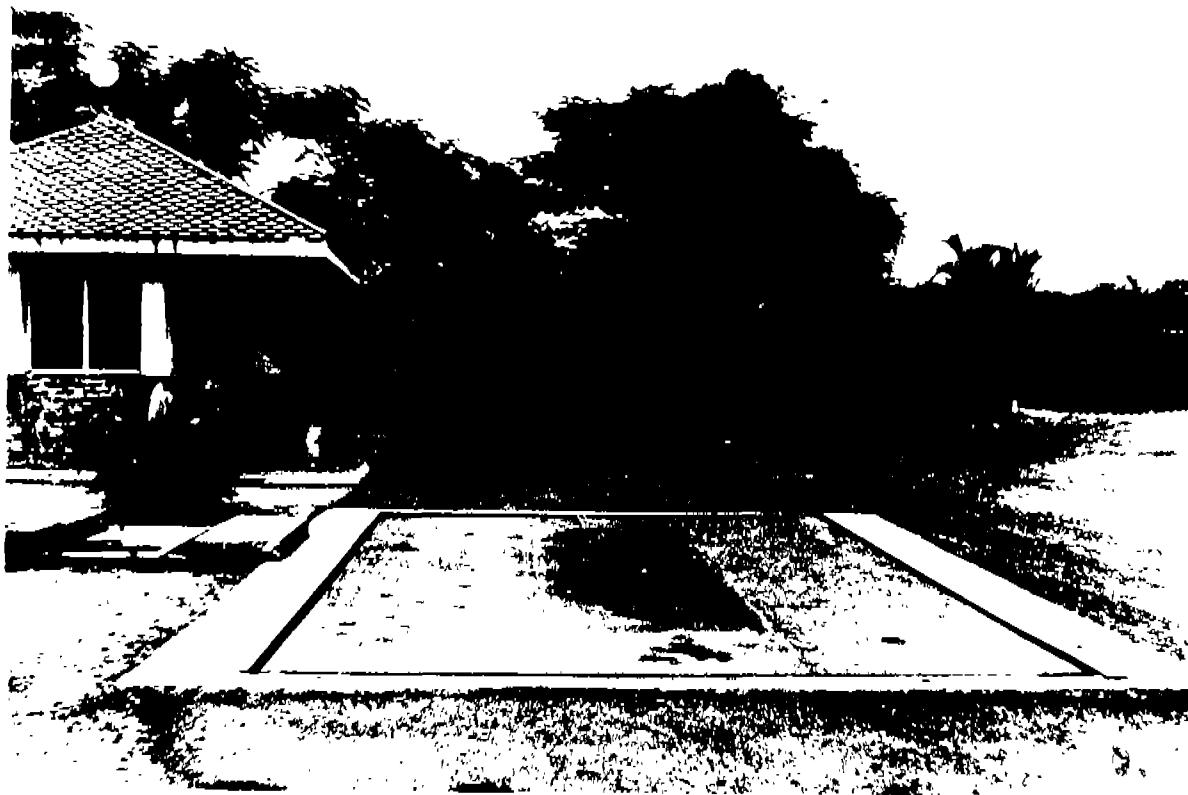
पी. ए. कृष्णमूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 13th December, 1999

S. O. 3668.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976), and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of model of self-indicating, non-automatic, (Multi load cell type weigh bridge) weighing instrument with digital indication of "W B-2000" series of Medium accuracy (Accuracy Class III) and with brand name "MELSS ELECTRONIC WEIGH BRIDGE" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s Mel Systems and Services Limited, Plot No. 173, Developed Plots Estate for Electrical Electronics and Instrument Industries, Perungudi, Chennai-680 096 and which is assigned the approval mark IND/09/99/97.

The model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 20000 kg. and minimum capacity of 100kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of square section of side 6m x 3m. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts and 50-Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity of 100 tonnes and minimum capacity of 5 tonne and with number of verification scale internal (n) less than or equal to 10,000 ($n \leq 10,000$) and with 'e' value 1×10^k , 2×10^k , 5×10^k , k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principal, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(21)/99]
P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, Legal Metrology

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3669.— केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का आ.2548 तारीख 06सितंबर 1999 द्वारा डीजल के केरल राज्य के कोवीन, इरिपानम् में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के इरिपानम् संस्थापन से तामिलनाडु राज्य के कर्लर तक मोटर स्प्रिट, उच्च कोटि किरोसिन तेल और उच्च येग डीजल के परिवहन के लिए मैसर्स पेट्रोनेट सी.सी.के.लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 4 अक्टूबर, 1999 को उपलब्ध करा दी गई हैं;

और सक्रमःप्रधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसारण में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित हैं:

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी दिल्लागंमों से मुक्त होकर पेट्रोनेट सी. सी. के. लिमिटेड में निहित होंगे।

अनुसूची

राज्य - केरल

जिला - पालाकाड़

तालुका - पालाकाड़

गाँव (1)	सर्वेक्षण संख्या (2)	क्षेत्र		
		हेक्टेयर (3)	आरे (4)	वर्गमीटर (5)
1) कोडुम्ब (खण्ड सं 0 - 46)	206/3	0	15	70
	206/4	0	00	55
	206/5	0	02	97
	209/2	0	04	70
	209/3	0	01	62
	209/6	0	08	09
	210/1	0	02	56
	210/2	0	29	50
	211/1	0	10	12
	211/8	0	01	10
	215/4	0	28	10
	215/9	0	01	25

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	216/4	0	07	17
	216/5	0	00	50
	217/1	0	00	40
	217/2	0	00	30
	217/3	0	00	05
	217/4	0	00	25
	217/5	0	00	66
	217/7	0	00	10
	217/8	0	00	06
	173/6	0	06	07
	173/8	0	01	43
	173/9	0	00	66
	173/14	0	00	10
	173/19	0	00	30
	174/4	0	00	49
	174/5	0	00	38
	174/8	0	00	25
	172	0	01	60
	402/18	0	01	30
	402/20	0	00	23
	402/26	0	00	30
	401/3	0	02	12
	401/6	0	21	60
	397/3	0	04	24
	397/5	0	01	70
	397/9	0	03	10
	398/1	0	15	80
	398/2	0	00	06
	615/3	0	02	40
	615/6	0	10	12
	615/7	0	09	00
	615/8	0	05	64
	615/9	0	06	82
	614/2	0	04	25
	617/8	0	06	73
	618/1	0	19	68
	619/1	0	06	96
	619/4	0	05	80
	186/11	0	02	21
	622/1	0	01	86
	623/3	0	10	48
	623/6	0	08	46
	624/6	0	02	16
	624/7	0	05	90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	659/1	0	01	08
	659/3	0	02	43
	659/8	0	02	25
	659/9	0	03	86
	658/5	0	09	90
	660/3	0	14	10
	660/7	0	02	30
	660/8	0	00	10
	719/1	0	02	40
	719/2	0	02	73
	719/3	0	05	20
	719/4	0	00	80
	718/3	0	09	90
	717/4	0	13	00
	717/6	0	10	12
	682/1	0	19	44
	682/3	0	01	48
	682/4	0	03	00
	682/8	0	09	55
	681/5	0	06	98
	681/6	0	05	14
	681/11	0	00	10
	684/1	0	00	58
	684/2	0	07	94
	684/11	0	03	72
	692	0	04	23
	685/1	0	05	00
	685/2	0	01	10
	685/3	0	08	80
	685/7	0	00	89
	693/1	0	00	81
	693/2	0	01	56
	693/4	0	01	25
	694	0	03	60
2)	मार्ल्पारोड (खण्ड सं0 - 38)	578/1	0	14
		578/3	0	11
		578/4	0	00
		579/2	0	01
		579/6	0	00
		585/1	0	00
		585/3	0	04
		585/4	0	03
		586/1	0	00
		586/3	0	11
		586/4	0	01
		586/5	0	01
		586/6	0	02

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	588/1	0	03	27
	588/4	0	02	66
	589/1	0	21	20
	589/2	0	01	30
3) ऐलापिली - II (खण्ड सं 0 - 39)	6/11	0	00	67
	7/1	0	08	09
	7/2	0	00	09
	8/2	0	03	10
	8/3	0	08	90
	9/6	0	00	76
	9/7	0	10	12
	9/8	0	01	13
	11/1	0	00	99
	11/2	0	04	20
	11/3	0	01	27
	11/7	0	01	50
	11/8	0	02	69
	11/9	0	06	07
	11/10	0	04	08
	11/11	0	04	05
	16/1	0	09	15
	16/2	0	20	85
	16/3	0	04	05
	18/2	0	00	49
	18/3	0	02	02
	18/4	0	05	37
	18/5	0	02	94
	18/8	0	06	52
	20/1	0	01	00
	20/2	0	22	00
	20/3	0	04	10
	20/4	0	02	02
	58/1	0	07	03
	63/1	0	22	00
	63/2	0	05	50
	65	0	02	35
	66	0	03	19
	67/1	0	08	09
	67/2	0	05	27
	67/4	0	01	29
	69/1	0	07	49
	69/2	0	01	07
	69/4	0	01	58
	69/5	0	07	00
	70	0	00	25
	87/1	0	04	46

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	87/2	0	08	09
	87/3	0	00	89
	88/3	0	00	03
	88/4	0	08	10
	88/5	0	10	06
	91/9	0	01	20
	91/10	0	04	77
	91/11	0	04	53
	91/12	0	02	40
	91/13	0	02	00
	92/1	0	03	00
	92/2	0	02	10
	92/3	0	00	67
	92/4	0	00	13
	93/1	0	47	55
	93/2	0	02	85
	93/3	0	01	47
	93/6	0	01	68
	137/7	0	18	00
	138/1	0	08	09
	138/2	0	01	50
	138/3	0	05	14
	138/6	0	07	00
	139/1	0	03	22
	142/5	0	05	50
	142/6	0	07	00
	142/7	0	05	26
	142/8	0	05	63
	144/2	0	06	07
	144/8	0	08	18
	144/9	0	01	07
	149/11	0	00	57
	149/12	0	12	00
	149/14	0	03	40
	149/15	0	01	51
	150/1	0	00	50
	150/10	0	03	07
	150/14	0	04	34
	150/16	0	06	07
	164/2/4	0	03	14
	165/1	0	01	59
	165/2	0	06	50
	166/1	0	06	06
	166/2	0	02	20
	166/3	0	05	50
	475/3	0	11	32

	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	475/4	0	09	78	
	476/4	0	00	20	
	476/5	0	02	84	
	476/6	0	01	84	
	476/7	0	01	10	
	478/4	0	10	70	
	478/5	0	08	29	
	480/3	0	02	19	
	480/4	0	09	04	
	480/5	0	04	45	
	481/2	0	08	00	
	481/3	0	01	90	
	484/3	0	01	25	
	484/1	0	15	60	
4)	ऐलापिली - I (खण्ड सं 0 - 40)	150/1	0	02	80
5)	ऐलापिली - II (खण्ड सं 0 - 40)	40/10	0	10	12
		41/2	0	07	50
		41/4	0	07	20
		41/5	0	02	90
		42/5	0	05	40
		42/7	0	06	20
		42/8	0	00	95
		42/9	0	00	35
		42/10	0	12	96
		43	0	01	85
		44	0	01	04
		54/1	0	00	21
		54/2	0	00	15
		55/1	0	01	09
		55/2	0	00	40
		55/3	0	04	90
		55/4	0	18	30
		55/5	0	13	25
		57/5	0	09	10
		57/6	0	03	82
		57/9	0	06	05
		58/5	0	12	24
		101/1	0	01	10
		101/5	0	03	90
		101/8	0	25	74
		101/12	0	00	50
		102/7	0	13	00
		102/8	0	00	40

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
	102/9	0	03	09	
	121/7	0	01	05	
	121/6	0	15	00	
	123	0	29	70	
	131/1	0	01	30	
	132/1	0	08	50	
	132/2	0	00	95	
	133/3	0	03	24	
	133/4	0	00	40	
	133/6	0	05	28	
	133/7	0	00	13	
	134/2	0	01	08	
	134/1	0	04	86	
	134/5	0	06	07	
	134/7	0	04	86	
	134/4	0	13	50	
	151/1	0	00	70	
	151/3	0	01	02	
	151/6	0	00	69	
	151/7	0	04	08	
	152/7	0	01	15	
	152/8	0	00	95	
	152/9	0	01	10	
6)	पुद्धरी (पश्चमी) (खण्ड सं0 - 36)	539/8 539/11 540/1 540/8 540/10 540/18 540/19 542/1 543/10 543/11 543/12 547/2 548/1 552/1 552/2 552/3	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	10 01 01 07 03 00 11 04 00 05 02 05 26 05 06 00	80 21 10 15 96 17 24 86 21 25 17 97 10 14 07 70
7)	पुद्धरी (पूर्व) (खण्ड सं0 - 33)	158/3 158/7	0 0	01 00	30 47

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	158/8	0	03	20
	158/16	0	01	20
	159/2	0	01	60
	159/8	0	15	40
	159/9	0	08	80
	159/10	0	01	92
	187/1	0	00	26
	187/7	0	24	00
	187/8	0	04	50
	187/9	0	01	05
	187/11	0	00	96
	187/13	0	03	88
	187/14	0	00	86
	188/1	0	00	97
	188/3	0	01	70
	188/4	0	00	65
	189/4	0	09	20
	190/5	0	02	10
	190/6	0	19	28
	190/8	0	06	50
	192	0	01	80

तालुका - आलाधुर

8) आलाधुर (खण्ड सं0 - 28)	191/7	0	02	80
	191/8	0	03	10
	191/1	0	02	20
	192/1	0	04	20
	192/3	0	04	80
	192/4	0	01	45
	192/5	0	03	40
	193/1	0	01	25
	193/17	0	00	60
	193/6	0	04	00
	193/8	0	01	30
	193/9	0	04	25
	194/1	0	08	80
	184/8	0	00	40
	147/1	0	03	50
	144/1	0	02	25
	144/2	0	09	10
	144/3	0	08	50
	65/5	0	00	74
	65/6	0	02	90
	65/7	0	01	80

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	65/10	0	00	13
	65/15	0	01	05
	65/16	0	00	95

[सं. आर.-31015/12/98-ओ. आर.-II]
हरीश कुमार, अवर सचिव

Ministry of Petroleum and Natural Gas

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. 3669.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No.S.O. 2548 dated the 6th September, 1999 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962), (hereinafter referred to as said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification, for the purpose of laying pipelines for the transportation of motor spirit, superior kerosene oil and high speed diesel from the Irimpanam installation of Bharat Petroleum Corporation Limited, Irimpanam, Kochi, State of Kerala to Karur in the State of Tamil Nadu and pipelines should be laid by M/s Petronet CCK Limited;

And, whereas, the copies of said Gazette notification has been made available to the public on the 4th day of October, 1999;

And, whereas, the competent authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government, after considering the said report, satisfied that the said land are required for laying of the pipelines for the transport of petroleum;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land, specified in the Schedule appended to this notification, are hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land shall, instead of vesting in the Central Government, vest from the date of the publication of this declaration in the Petronet CCK Limited free from all encumbrances.

Schedule

STATE : KERALA

DISTRICT : PALAKKAD

TALUK : PALAKKAD

VILLAGE (1)	SURVEY NUMBERS (2)	AREA		
		HECTARES (3)	ARES (4)	SQ.MTRS. (5)
1) KODUMBU (BLOCK NO.46)	206/3	0	15	70
	206/4	0	00	55
	206/5	0	02	97
	209/2	0	04	70
	209/3	0	01	62
	209/6	0	08	09
	210/1	0	02	56
	210/2	0	29	50
	211/1	0	10	12
	211/8	0	01	10
	215/4	0	28	10
	215/9	0	01	25

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	216/4	0	07	17
	216/5	0	00	50
	217/1	0	00	40
	217/2	0	00	30
	217/3	0	00	05
	217/4	0	00	25
	217/5	0	00	66
	217/7	0	00	10
	217/8	0	00	06
	173/6	0	06	07
	173/8	0	01	43
	173/9	0	00	66
	173/14	0	00	10
	173/19	0	00	30
	174/4	0	00	49
	174/5	0	00	38
	174/8	0	00	25
	172	0	01	60
	402/18	0	01	30
	402/20	0	00	23
	402/26	0	00	30
	401/3	0	02	12
	401/6	0	21	60
	397/3	0	04	24
	397/5	0	01	70
	397/9	0	03	10
	398/1	0	15	80
	398/2	0	00	06
	615/3	0	02	40
	615/6	0	10	12
	615/7	0	09	00
	615/8	0	05	64
	615/9	0	06	82
	614/2	0	04	25
	617/8	0	06	73
	618/1	0	19	68
	619/1	0	06	96
	619/4	0	05	80
	186/11	0	02	21
	622/1	0	01	86
	623/3	0	10	48
	623/6	0	08	46
	624/6	0	02	16
	624/7	0	05	90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	659/1	0	01	08
	659/3	0	02	43
	659/8	0	02	25
	659/9	0	03	86
	658/5	0	09	90
	660/3	0	14	10
	660/7	0	02	30
	660/8	0	00	10
	719/1	0	02	40
	719/2	0	02	73
	719/3	0	05	20
	719/4	0	00	80
	718/3	0	09	90
	717/4	0	13	00
	717/6	0	10	12
	682/1	0	19	44
	682/3	0	01	48
	682/4	0	03	00
	682/8	0	09	55
	681/5	0	06	98
	681/6	0	05	14
	681/11	0	00	10
	684/1	0	00	58
	684/2	0	07	94
	684/11	0	03	72
	692	0	04	23
	685/1	0	05	00
	685/2	0	01	10
	685/3	0	08	80
	685/7	0	00	89
	693/1	0	00	81
	693/2	0	01	56
	693/4	0	01	25
	694	0	03	60
2) MARUTHA ROAD (BLOCK NO.38)	578/1	0	14	91
	578/3	0	11	31
	578/4	0	00	82
	579/2	0	01	10
	579/6	0	00	98
	585/1	0	00	04
	585/3	0	04	10
	585/4	0	03	24
	586/1	0	00	05
	586/3	0	11	82
	586/4	0	01	60
	586/5	0	01	19
	586/6	0	02	08

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	588/1	0	03	27
	588/4	0	02	66
	589/1	0	21	20
	589/2	0	01	30
3) ELAPILLY - II (BLOCK NO. 39)	6/11	0	00	67
	7/1	0	08	09
	7/2	0	00	09
	8/2	0	03	10
	8/3	0	08	90
	9/6	0	00	76
	9/7	0	10	12
	9/8	0	01	13
	11/1	0	00	99
	11/2	0	04	20
	11/3	0	01	27
	11/7	0	01	50
	11/8	0	02	69
	11/9	0	06	07
	11/10	0	04	08
	11/11	0	04	05
	16/1	0	09	15
	16/2	0	20	85
	16/3	0	04	05
	18/2	0	00	49
	18/3	0	02	02
	18/4	0	05	37
	18/5	0	02	94
	18/8	0	06	52
	20/1	0	01	00
	20/2	0	22	00
	20/3	0	04	10
	20/4	0	02	02
	58/1	0	07	03
	63/1	0	22	00
	63/2	0	05	50
	65	0	02	35
	66	0	03	19
	67/1	0	08	09
	67/2	0	05	27
	67/4	0	01	29
	69/1	0	07	49
	69/2	0	01	07
	69/4	0	01	58
	69/5	0	07	00
	70	0	00	25
	87/1	0	04	46

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	87/2	0	08	09
	87/3	0	00	89
	88/3	0	00	03
	88/4	0	08	10
	88/5	0	10	06
	91/9	0	01	20
	91/10	0	04	77
	91/11	0	04	53
	91/12	0	02	40
	91/13	0	02	00
	92/1	0	03	00
	92/2	0	02	10
	92/3	0	00	67
	92/4	0	00	13
	93/1	0	47	55
	93/2	0	02	85
	93/3	0	01	47
	93/6	0	01	68
	137/7	0	18	00
	138/1	0	08	09
	138/2	0	01	50
	138/3	0	05	14
	138/6	0	07	00
	139/1	0	03	22
	142/5	0	05	50
	142/6	0	07	00
	142/7	0	05	26
	142/8	0	05	63
	144/2	0	06	07
	144/8	0	08	18
	144/9	0	01	07
	149/11	0	00	57
	149/12	0	12	00
	149/14	0	03	40
	149/15	0	01	51
	150/1	0	00	50
	150/10	0	03	07
	150/14	0	04	34
	150/16	0	06	07
	164/2/4	0	03	14
	165/1	0	01	59
	165/2	0	06	50
	166/1	0	06	06
	166/2	0	02	20
	166/3	0	05	50
	475/3	0	11	32

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	475/4	0	09	78
	476/4	0	00	20
	476/5	0	02	84
	476/6	0	01	84
	476/7	0	01	10
	478/4	0	10	70
	478/5	0	08	29
	480/3	0	02	19
	480/4	0	09	04
	480/5	0	04	45
	481/2	0	08	00
	481/3	0	01	90
	484/3	0	01	25
	484/1	0	15	60
4) ELAPPILLY - I (BLOCK NO.40)	150/1	0	02	80
5) ELAPPILLY - II (BLOCK NO.40)	40/10	0	10	12
	41/2	0	07	50
	41/4	0	07	20
	41/5	0	02	90
	42/5	0	05	40
	42/7	0	06	20
	42/8	0	00	95
	42/9	0	00	35
	42/10	0	12	96
	43	0	01	85
	44	0	01	04
	54/1	0	00	21
	54/2	0	00	15
	55/1	0	01	09
	55/2	0	00	40
	55/3	0	04	90
	55/4	0	18	30
	55/5	0	13	25
	57/5	0	09	10
	57/6	0	03	82
	57/9	0	06	05
	58/5	0	12	24
	101/1	0	01	10
	101/5	0	03	90
	101/8	0	25	74
	101/12	0	00	50
	102/7	0	13	00
	102/8	0	00	40

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	102/9	0	03	09
	121/7	0	01	05
	121/6	0	15	00
	123	0	29	70
	131/1	0	01	30
	132/1	0	08	50
	132/2	0	00	95
	133/3	0	03	24
	133/4	0	00	40
	133/6	0	05	28
	133/7	0	00	13
	134/2	0	01	08
	134/1	0	04	86
	134/5	0	06	07
	134/7	0	04	86
	134/4	0	13	50
	151/1	0	00	70
	151/3	0	01	02
	151/6	0	00	69
	151/7	0	04	08
	152/7	0	01	15
	152/8	0	00	95
	152/9	0	01	10
6) PUDUSSERY WEST (BLOCK NO.36)	539/8	0	10	80
	539/11	0	01	21
	540/1	0	01	10
	540/8	0	07	15
	540/10	0	03	96
	540/18	0	00	17
	540/19	0	11	24
	542/1	0	04	86
	543/10	0	00	21
	543/11	0	05	25
	543/12	0	02	17
	547/2	0	05	97
	548/1	0	26	10
	552/1	0	05	14
	552/2	0	06	07
	552/3	0	00	70
7) PUDUSSERY EAST (BLOCK No.33)	158/3	0	01	30
	158/7	0	00	47

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	158/8	0	03	20
	158/16	0	01	20
	159/2	0	01	60
	159/8	0	15	40
	159/9	0	08	80
	159/10	0	01	92
	187/1	0	00	26
	187/7	0	24	00
	187/8	0	04	50
	187/9	0	01	05
	187/11	0	00	96
	187/13	0	03	88
	187/14	0	00	86
	188/1	0	00	97
	188/3	0	01	70
	188/4	0	00	65
	189/4	0	09	20
	190/5	0	02	10
	190/6	0	19	28
	190/8	0	06	50
	192	0	01	80

ALUK : ALATHUR

8) ALATHUR (BLOCK NO.28)	191/7	0	02	80
	191/8	0	03	10
	191/1	0	02	20
	192/1	0	04	20
	192/3	0	04	80
	192/4	0	01	45
	192/5	0	03	40
	193/1	0	01	25
	193/17	0	00	60
	193/6	0	04	00
	193/8	0	01	30
	193/9	0	04	25
	194/1	0	08	80
	184/8	0	00	40
	147/1	0	03	50
	144/1	0	02	25
	144/2	0	09	10
	144/3	0	08	50
	65/5	0	00	74
	65/6	0	02	90
	65/7	0	01	80

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
65/10	0	00	13	
65/15	0	01	05	
65/16	0	00	95	

[F. No. R-31015/12/98-OR-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

शुद्धिपत्र

का. आ. 3670.— भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उप-खण्ड (ii) में पृष्ठ 5477 से 5501 पर 04 सितम्बर, 1999 को प्रकाशित भारत सरकार की, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अन्तर्गत, दिनांक 01 सितम्बर 1999 की अधिसूचना सं. का. आ. 2496 में:-

1. पृष्ठ 5479 पर पंक्ति सं. 1 कालम सं. 2 में “अंबीवली” के स्थान पर “अंबीवली तर्फ तुंगारतन” पढ़ें।
2. पृष्ठ 5484 पर कालम सं. 5 के तहत पंक्ति सं. 1 और 2 “गांवठाण जमिन गट नं. 11क और दुश्मी के हृदपर” को हटाएं तथा उसके स्थान पर “11डी - ओ (पै)” को क्रमशः कालम सं. 6 और 7 के तहत पंक्ति सं. 3 और 5 के रूप में पढ़ें तथा कालम संख्या 8, 9 एवं 10 अपरिवर्तित रहेंगे।
3. पृष्ठ 5488 पर :-
 - (i) पंक्ति संख्या 3 कालम सं. 7 में “ओ (पै)” के स्थान पर “3 (पै)” पढ़ें।
 - (ii) पंक्ति संख्या 19 कालम सं. 5 में “04” के स्थान पर “104” पढ़ें।
 - (iii) पंक्ति संख्या 33 कालम सं. 7 में “2 (पै)” के स्थान पर “2 क (पै)” पढ़ें।
4. पृष्ठ 5490 पर :-
 - (i) पंक्ति सं. 37 कालम सं. 9 में “00” के स्थान पर “09” पढ़ें।
 - (ii) कालम सं. 5 में पंक्ति सं. 18, 19 “गांवठाण जमिन गट नं. 126 और 129 के बिच में” तथा कालम सं. 8, 9, 10 के क्षेत्र “0-09-00” को तथा पंक्ति संख्या 44 को हटाएं।
5. पृष्ठ 5500 :-
 - (i) कालम सं. 6 और 7 के अन्तर्गत पंक्ति संख्या 34 तथा कालम संख्या 8, 9, 10 के अन्तर्गत पंक्ति सं. 39 को हटाएं।
 - (ii) पंक्ति सं. 40 कालम सं. 9 में “30” के स्थान पर “31” पढ़ें।

[सं. पत्र.-14014/16/98 जी.पा. (भाग-IV)]

New Delhi, the 16th December, 1999

Corrigendum

S.O. 3670.—In the English version of the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, No.S.O.2496 dated the 1st September, 1999 published on September 4, 1999 in the Gazette of India, Part – II, Section 3, Sub-section (ii),—

- (i) at p-5502, in para 1 for “should be laid” read “a pipeline should be laid”;
- (ii) at p-5508, against sl. No. 1, in column No.5 relating to survey No., for “(i) unnumbered open land in bet G.No. 11C and V.B. of Dushmi” read “G.No. 11D (P) 0-4-00”;
- (iii) at p-5512 against sl.No. 21 in column No.7 relating to Hissa for “0(P)” read “3(P)”;
- (iv) at p-5513 in column No.7 relating to Hissa, against survey No.105 for “2(P)” read “2-C(P)”;
- (v) at p-5515 against sl.No. 26, against Gat No.128, in columns 8, 9 and 10 for “0-00-50” read “0-09-50”;
- (vi) at p-5517, against sl.No. 30, against survey No.26, in column No.7 relating to Hissa for “[1 (1B), 1(2), 1(3)] (P)” read “[1(1A), 1(1B), 1(2), 1(3)] (P)”;
- (vii) at p-5519, against sl.No. 33 in the last line, in column No.5 relating to Survey Numbers, the following number shall be inserted, “16”;
- (viii) at p-5525,-
 - (a) in sl. No. 45, in line 2 the entries relating to columns 6, 7, 8, 9 and 10 shall be deleted;
 - (b) in sl.No. 45, against Gat No. 43, for “0-30-50” read “0-31-50”.

[F. No. L-14014/16/98-GP(Vol.-IV)]
S. K. SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3671.— केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ.1471, तारीख 29 मई, 1999 द्वारा उस अधिसूचना के उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, गुजरात राज्य पेट्रोलियम निगम लिमिटेड द्वारा गुजरात राज्य में प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए, जिला सूरत में हजीरा से जिला भरुच में दाहेज तक पाइपलाइन बिछाये जाने के प्रयोजन के लिए उपयोग का अधिकार अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां 1 जुलाई, 1999 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है ;

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह और निम्नादेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, इस घोषणा के प्रकाशन होने की तारीख को, सभी विल्लगमों से मुक्त गुजरात स्टेट पेट्रोलियम निगम लिमिटेड में निहित होगा ।

“अनुसूची”

जिल्ला: सुरत**राज्य: गुजरात**

तालुके का नाम (1)	गांव का नाम (2)	सर्वेक्षण सं./खंड सं. (3)	क्षेत्र		
			हेक्टर (4)	आरे (5)	सेन्टीआरे (6)
चोरासी	ईच्छापुर	728	00	13	00
		729	00	11	80
		तेना खाई	00	16	90
		743	00	05	60
		742/1	00	07	20
		742/2	00	10	00
		744/1	00	06	00
		744/2	00	03	00
		744/3	00	06	90
		745/1	00	00	60
		745/2	00	06	00
		745/3	00	06	00
		745/4	00	05	20
		741	00	01	00
		740	00	15	40
		747/1	00	04	10
		747/2	00	03	10
		747/3	00	04	00
		749/1	00	00	10
		749/3	00	05	20
		751	00	02	20
		750/1	00	16	00
		750/2	00	33	60
		837	00	09	60
		836	00	05	50
		834+835	00	10	90
		833/2	00	06	60
		832/1	00	08	20
		832/2	00	10	60
		822/ए	00	02	70
		822/बी+883+884	00	00	50
		831	00	17	80
		828+829	00	14	10
		827	00	09	40
		826	00	06	20
		825	00	12	50
		824	00	06	50

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		823	00	09	70
		865/1	00	37	90
		863	00	01	40
		ते ना नदी	00	70	80
ओलपाड	कुं कनी	185	00	29	30
		कुं कनी ग्राम्य मार्ग	00	02	30
		184	00	07	90
		218ए	00	18	30
		भांडुत विशाखा	00	04	70
		219	00	09	30
		220	00	04	30
		कुं कनी नहर	00	00	60
		221	00	17	90
		222	00	22	70
		226	00	11	60
		1 आर विशाखा	00	00	70
		163	00	18	40
		164	00	11	70
		145	00	10	80
		144	00	39	70
		135	00	25	10
		134	00	20	70
अंभेटा		334/ए/बी	00	11	30
		झांडिया से राज्य धोरी मार्ग	00	02	10
		333	00	21	80
		330	00	00	90
		कुं कनी अंभेटा रास्ता	00	04	40
		329	00	21	80
		327	00	21	30
		326	00	21	40
		615	00	13	30
		617	00	04	00
		616	00	04	70
		619	00	00	70
		620	00	16	00
		अंभेटा गाँव का नाला	00	06	60
		578	00	06	60
		587	00	02	00
		580	00	13	60
		579	00	07	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		581	00	12	80
		582	00	07	60
		569	00	01	20
		559	00	01	40
		558	00	08	20
		563	00	05	70
		560	00	03	10
		561	00	05	20
		562	00	00	80
		546	00	12	40
		545	00	16	90
		अंभेटा सुलतानपोर रास्ता	00	04	20
		544	00	00	10
		110	00	00	90
		111	00	17	40
		118	00	07	80
		112	00	03	20
		113	00	03	80
		114ए	00	00	30
		101	00	06	70
		115	00	03	40
		116	00	03	70
		117	00	04	30
		अंभेटा गाँव आ नाला	00	05	80
		119	00	04	30
		122	00	01	80
		128	00	16	40
		127	00	08	70
		131	00	04	50
		639	00	02	50
		132	00	04	40
		133	00	31	60
		135	00	02	80
	सुलतानपोर	170	00	15	80
		169	00	21	00
		168	00	20	60
	बलकस	196	00	05	80
		अंभेटा बलकस रास्ता	00	02	40
		199पैकी	00	12	70
		२००	00	27	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		कुंडियाना प्रशाखा	00	04	80
	192		00	06	40
	201		00	19	40
	180		00	18	30
	203		00	06	60
	205		00	20	60
	204		00	07	90
	207		00	19	90
	126		00	25	40
	1 आर लघुशाखा		00	03	60
	129		00	08	00
	126		00	00	60
	128		00	06	50
	99		00	20	60
	101		00	00	70
	98		00	11	50
	96		00	03	90
	97		00	14	40
	92		00	14	30
	91		00	09	90
	90		00	06	40
	88		00	33	20
	89		00	11	10
मासमा	303		00	61	10
	305		00	00	30
	307		00	02	40
	मासमा बलकस रास्ता		00	03	70
	309		00	22	20
	मासमा तलाद रास्ता		00	02	20
	315		00	15	90
	312		00	00	40
	313		00	21	30
	314		00	08	00
	290		00	27	00
	289		00	05	30
	मासमा तलाद रास्ता		00	04	90
	190		00	08	30
	231		00	08	40

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	232		00	00	80
	7 आर लघुशाखा		00	03	20
	ओलपाड सूरत राज्य धोरी मार्ग - 6		00	05	60
	189		00	39	60
	140		00	20	40
	146		00	39	20
	145		00	24	20
	130		00	26	20
	तलाद वदोद रास्ता		00	04	50
	129		00	13	50
	126		00	11	10
	127		00	04	80
	125		00	13	20
	124		00	20	00
	115		00	19	60
	49		00	16	10
	मासमा गर्व अ नाला		00	05	60
	49		00	06	70
	55		00	10	60
	56		00	00	50
	54		00	14	30
	53		00	18	30
	651		00	04	40
	652		00	22	20
मोरथान	31		00	07	10
	345		00	00	10
	344		00	21	80
	342		00	27	00
	कारंज प्रशाखा		00	10	20
	327		00	15	70
	333		00	17	40
	335		00	15	20
	334		00	14	30
	1 अेल लघुशाखा		00	02	60
	353		00	29	30
	356		00	09	00
	असनाद विशाखा		00	07	60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		356	00	01	70
		311	00	67	70
		310	00	32	00
		308/बी/पैकी	00	13	00
	बड़ोली	229	00	07	90
		230	00	17	80
		231	00	02	00
		232	00	19	70
		233	00	15	00
		281	00	12	40
		बड़ोली गाँव का नाला	00	00	60
		280	00	09	80
		279	00	33	80
		278	00	26	20
		270	00	11	30
		269	00	29	40
		556	00	00	30
		262	00	24	40
		राज्य धोरी मार्ग से उम्राची बड़ोली	00	02	70
		275	00	02	70
		311	00	06	50
		317	00	05	20
		315	00	10	20
		316	00	00	80
		314	00	14	20
		ओलपाड कीम राज्य धोरी मार्ग - 6	00	03	10
		333	00	39	90
		बड़ोली गाँव का नाला	00	07	30
		338	00	00	80
		334	00	15	50
		383 ए/बी	00	32	50
		बड़ोली गाँव का नाला	00	04	50
		382	00	01	20
		393	00	14	50
		392	00	20	60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		89	00	03	50
		395 ए	00	03	00
		391	00	00	10
		390	00	20	30
		बड़ोली कीम नदी रास्ता	00	04	90
		467	00	03	20
		466	00	09	00
		465	00	05	70
		480	00	23	20
		481	00	06	00
		482	00	02	50
		459बी	00	25	20
		455	00	34	80
		451	00	02	90
		454	00	00	20
		452 ए	00	48	40
		448 ए	00	00	20
		448 ए	00	04	80

[सं. एल.-14014/4/99-जी.पी.]
सुनील कुमार सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 17th December, 1999

S.O. 3671.— Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, number S.O. 1471, dated, the 29th May, 1999, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transport of natural gas in the State of Gujarat from Hazira in District Surat to Dahej in District Bharuch, by the Gujarat State Petroleum Corporation Limited;

And whereas, the copies of the said gazette notification were made available to the public on 1st July, 1999;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section(1) of section 6 of the said Act submitted report to the Central Government;

And further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire, the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declared that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section(4) of that section, the Central Government directs that right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Gujarat State Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrance.

"Schedule"**District : Surat****State : Gujarat**

(1)	(2)	(3)	Area		
			Hectare	Are	Centare
CHORASI	ICHHAPOR	728	00	13	00
		729	00	11	80
		Khadi (Tena)	00	16	90
		743	00	05	60
		742/1	00	07	20
		742/2	00	10	00
		744/1	00	06	00
		744/2	00	03	00
		744/3	00	06	90
		745/1	00	00	60
		745/2	00	06	00
		745/3	00	06	00
		745/4	00	05	20
		741	00	01	00
		740	00	15	40
		747/1	00	04	10
		747/2	00	03	10
		747/3	00	04	00
		749/1	00	00	10
		749/3	00	05	20
		751	00	02	20
		750/1	00	16	00
		750/2	00	33	60
		837	00	09	60
		838	00	05	50
		834+835	00	10	90
		833/2	00	06	60
		832/1	00	08	20
		832/2	00	10	60
		822/A	00	02	70
		822/B+883+884	00	00	50
		831	00	17	80
		828+829	00	14	10
		827	00	09	40
		826	00	06	20
		825	00	12	50
		824	00	06	50

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		823	00	09	70
		865/1	00	37	90
		863	00	01	40
		Tena River	00	70	80
OLPAD	KUNKNI	185	00	29	30
		Kunkni Approach Road	00	02	30
		184	00	07	90
		218A	00	18	30
		Bhandut Minor	00	04	70
		219	00	09	30
		220	00	04	30
		Canal (Kunkni)	00	00	60
		221	00	17	90
		222	00	22	70
		226	00	11	60
		Minor (1R)	00	00	70
		163	00	18	40
		164	00	11	70
		145	00	10	80
		144	00	39	70
		135	00	25	10
		134	00	20	70
AMBHETA		334/A/B	00	11	30
		Dandiya to S.H. Road	00	02	10
		333	00	21	80
		330	00	00	90
		Kunkni Ambheta Road	00	04	40
		329	00	21	80
		327	00	21	30
		326	00	21	40
		615	00	13	30
		617	00	04	00
		616	00	04	70
		619	00	00	70
		620	00	16	00
		Nalla (Village Ambheta)	00	06	60
		578	00	06	60
		587	00	02	00
		580	00	13	60
		579	00	07	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		581	00	12	80
		582	00	07	60
		569	00	01	20
		559	00	01	40
		558	00	08	20
		563	00	05	70
		560	00	03	10
		561	00	05	20
		562	00	00	80
		546	00	12	40
		545	00	16	90
		Ambheta Sultanpor Road	00	04	20
		544	00	00	10
		110	00	00	90
		111	00	17	40
		118	00	07	80
		112	00	03	20
		113	00	03	80
		114A	00	00	30
		101	00	06	70
		115	00	03	40
		116	00	03	70
		117	00	04	30
		Nalla (Village Ambheta)	00	05	80
		119	00	04	30
		122	00	01	80
		128	00	16	40
		127	00	08	70
		131	00	04	50
		639	00	02	50
		132	00	04	40
		133	00	31	60
		135	00	02	80
	SULTANPOR	170	00	15	80
		169	00	21	00
		168	00	20	60
	BALKAS	196	00	05	80
		Ambheta Balkas Road	00	02	40
		199P	00	12	70
		200	00	27	00

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		Kundiyana Distry	00	04	80
	192		00	06	40
	201		00	19	40
	180		00	18	30
	203		00	06	60
	205		00	20	60
	204		00	07	90
	207		00	19	90
	126		00	25	40
	Sub Minor (1R)		00	03	60
	129		00	08	00
	126		00	00	60
	128		00	06	50
	99		00	20	60
	101		00	00	70
	98		00	11	50
	96		00	03	90
	97		00	14	40
	92		00	14	30
	91		00	09	90
	90		00	06	40
	88		00	33	20
	89		00	11	10
MASMA	303		00	61	10
	305		00	00	30
	307		00	02	40
	Masma Balkas Road		00	03	70
	309		00	22	20
	Masma Talad Road		00	02	20
	315		00	15	90
	312		00	00	40
	313		00	21	30
	314		00	08	00
	290		00	27	00
	289		00	05	30
	Masma Talad Road		00	04	90
	190		00	08	30
	231		00	08	40

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		232	00	00	80
		Sub Minor (7R)	00	03	20
		Olpad Surat S. H. -6	00	05	60
		189	00	39	60
		140	00	20	40
		146	00	39	20
		145	00	24	20
		130	00	26	20
		Talad Vadod Road	00	04	50
		129	00	13	50
		126	00	11	10
		127	00	04	80
		125	00	13	20
		124	00	20	00
		115	00	19	60
		49	00	16	10
		Nalla (Village Masma)	00	05	60
		49	00	06	70
		55	00	10	60
		56	00	00	50
		54	00	14	30
		53	00	18	30
		651	00	04	40
		652	00	22	20
MORTHAN		31	00	07	10
		345	00	00	10
		344	00	21	80
		342	00	27	00
		Karanj Distry	00	10	20
		327	00	15	70
		333	00	17	40
		335	00	15	20
		334	00	14	30
		Sub Minor (1L)	00	02	60
		353	00	29	30
		356	00	09	00
		Asnad Minor	00	07	60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		358	00	01	70
		311	00	67	70
		310	00	32	00
		308/B/P	00	13	00
VADOLI	229		00	07	90
	230		00	17	80
	231		00	02	00
	232		00	19	70
	233		00	15	00
	281		00	12	40
	Nalla (Village Vadoli)		00	00	60
	280		00	09	80
	279		00	33	80
	278		00	26	20
	270		00	11	30
	269		00	29	40
	556		00	00	30
	262		00	24	40
	S. H. to Umrachhi Vadoli Rd.		00	02	70
	275		00	02	70
	311		00	06	50
	317		00	05	20
	315		00	10	20
	316		00	00	80
	314		00	14	20
	Olpad Kim S. H. -6		00	03	10
	333		00	39	90
	Nalla (Village Vadoli)		00	07	30
	338		00	00	30
	334		00	15	50
	383 A/B		00	32	50
	Nalla (Village Vadoli)		00	04	50
	382		00	01	70
	393		00	14	50
	392		00	20	60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		89	00	03	50
		395 A	00	03	00
		391	00	00	10
		390	00	20	30
		Vadoli Kim River C .T.	00	04	90
		467	00	03	20
		466	00	09	00
		465	00	05	70
		480	00	23	20
		481	00	06	00
		482	00	02	50
		459B	00	25	20
		455	00	34	80
		451	00	02	90
		454	00	00	20
		452 A	00	49	40
		448 A	00	00	20
		448 A	00	04	80

[F. No. L-14014/4/99-GP]
S. K. SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3672.—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में भारत के राजपत्र, तारीख 20 नवम्बर, 1999 में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं0 का0 आ0 3321 तारीख 18 नवम्बर 1999 का संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के स्तम्भ 1 में, “अमालोर्पवी ऑफिस काम्प्लेक्स (प्रथम तल), 4, डिंडीगल रोड, तिरुचिरापल्ली—620001,” शब्दों और अंकों के स्थान पर, “4/2 क्राफोर्ड कॉलोनी, तिरुचिरापल्ली—620012,” शब्द और अंक रखे जाएंगे।

[म. आर -31015/6/99 - ओ. आर.-।]

के पी. के. नमीशन, अवर मर्जिय

New Delhi, the 22th December, 1999

S.O. 3672.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby amend the notification of Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3321 dated the 18th November, 1999 published in the Gazette of India on 20th November, 1999 as follows, namely:—

In the said notification, in the Schedule, under column 1, for the words, "Amalorpavi Office Complex (1st floor), 4, Dindigul Road, Tiruchirapalli - 620 001," the words "4/2 Crawford Colony, Tiruchirapalli - 620 012," shall be substituted.

[F. No. R-31015/6/99-OR-I]
K. P. K. NAMBISSAN, Under Secy

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3673. — केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाईप-लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का आ. 218 तारीख 20 जनवरी 1999 और का आ. 2547 तारीख 06 सितंबर 1999 द्वारा मोटर स्प्रिट, उच्च कोटि किरोसिन तेल और उच्च घेंग डीजल के केरल राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के इरिपानम् कोची संस्थापन से तमिलनाडु राज्य के कलर तक परिवहन के प्रयोजन के लिए मेसर्स सी सी के लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने जाने हेतु उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी।
और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को क्रमशः तारीख 12 फरवरी, 1999 और 20 सितंबर, 1999 तक उपलब्ध करा दी गई थी।
और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसारण में सक्षम प्रधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाए जाने हेतु उक्त भूमि अपेक्षित

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है,

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी दिल्लगंगों से मुक्त होकर पेट्रोनेट सी.सी.के.लिमिटेड में निहित होंगे।

अनुसूची

राज्य - केरल

जिला - एरनाकुलम

तालुका - कन्यानुर

क्षेत्र (लगभग)

गांव का नाम (1)	सर्वेक्षण संख्या (2)	हेक्टर (3)	आरे (4)	वर्ग मीटर (5)
1) थरीक्काकारा उत्तरा (खण्ड सं 0 6)	321 194/1 194/2 194/9 194/11 195/1 195/2 198/1 193/12 193/11 192/1 192/2 192/3 192/8	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	47 17 01 00 06 11 00 02 01 03 03 00 08 00	35 28 96 34 28 55 44 48 00 07 05 08 05 05

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
192/9	0	00	98	
192/10	0	00	68	
192/5	0	00	49	
192/4	0	02	66	
191/5	0	09	24	
191/2	0	08	29	
191/3	0	01	07	
190/3	0	00	67	
190/4	0	07	40	
190/6	0	03	88	
190/7	0	01	50	
190/1	0	02	77	
193/10	0	00	78	
193/13	0	01	71	
189/1	0	05	98	
189/2	0	03	51	
189/3	0	03	72	
189/4	0	05	12	
189/5	0	03	67	
189/6	0	02	00	
189/8	0	00	35	
189/9	0	00	40	
189/12	0	00	06	
189/16	0	02	85	
186/2	0	01	83	
188/1	0	17	87	
188/4	0	00	93	
188/5	0	02	36	
188/6	0	00	40	
188/7	0	00	02	
188/8	0	00	20	
188/9	0	01	86	
188/10	0	00	20	
188/11	0	03	82	
173/8	0	00	20	
173/9	0	00	43	
82	0	38	68	
155/1	0	03	39	
83	0	00	80	
154/4	0	04	10	
154/5	0	01	12	
153/1	0	02	08	
153/2	0	01	21	
153/3	0	03	01	
153/4	0	19	71	
152/10	0	03	15	
152/6	0	04	63	
152/5	0	00	12	
152/4	0	01	15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	152/2	0	02	83
	152/3	0	05	66
	151/10	0	04	80
	91	0	13	30
	75	0	18	34
	27	0	07	92
	28/2	0	07	95
	85/4	0	00	63
	26	0	00	71
2) काकानाड	543/2	0	10	95
(खण्ड स० ९)	360	0	01	28
	361	0	01	80

तालुका - आलुवा

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	115/18	0	00	03
	36	0	01	64
	35	0	01	83
	31	0	01	34
	148	0	01	86
	149	0	06	44
	161/5	0	04	56
6) पाराकाडाव (खण्ड सं ० ६)	430	0	02	17
	362	0	02	69
	359	0	01	58
	249/11	0	02	28
	249/14	0	05	84
	309/4	0	00	15
	343/15	0	00	74
	429/4	0	00	61
	459/3	0	00	15
	422/1	0	00	28
	358/8	0	00	39

तालुका - पाहाड़ुर

7) काडुंगालुर	199/11	0	12	60
	199/13	0	04	00
	199/16	0	06	93
	199/7	0	00	54
	199/6	0	03	45
	199/5	0	10	82
	222/8	0	11	95
	222/7	0	02	00
	222/9	0	03	68
	222/5	0	11	91
	222/6	0	01	23
	221/1	0	23	75
	221/5	0	00	33
	221/6	0	13	02
	221/10	0	14	81
	228/2	0	02	30
	228/10	0	30	14
	228/8	0	00	52
	229/7	0	00	49
	228/9	0	15	05
	235/4	0	11	96
	235/3	0	03	92
	235/12	0	02	55
	239/11	0	18	24
	239/12	0	00	47
	239/10	0	03	25
	239/9	0	10	34
	239/7	0	07	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	239/5	0	01	30
	239/1	0	00	94
	254/8	0	15	60
	255/1	0	29	75
	256/5	0	19	99
	144/23	0	16	82
	144/22	0	02	91
	144/19	0	04	80
	144/11	0	01	29
	144/10	0	02	16
	144/9	0	13	91
	194/1	0	11	22
	193/14	0	11	77
	193/12	0	01	25
	193/15	0	00	30
	193/9	0	05	70
	193/10	0	00	94
	193/7	0	02	97
	193/5	0	03	03
	193/6	0	06	97
	192/9	0	12	31
	192/8	0	16	25
	182/1	0	04	43
	181/11	0	00	10
	181/8	0	05	62
	182/4	0	01	85
	181/6	0	02	48
	173/1	0	26	64
	173/2	0	06	40
	172/16	0	08	17
	172/15	0	00	81
	172/11	0	06	26
	172/12	0	05	17
	172/13	0	03	53
	172/2	0	05	16
	156/14	0	16	00
	156/15	0	03	49
	158/1	0	02	00
	155/8	0	01	37
	155/5	0	02	79
	155/6	0	23	47
	158/8	0	03	65
	158/10	0	02	25
	158/9	0	02	00
	145/16	0	09	76
	145/15	0	01	41
	145/14	0	02	48
	145/13	0	01	32
	145/10	0	13	38

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	257/2	0	06	57
	257/3	0	01	88
	257/1	0	06	77
	197/1	0	06	00
	44/8,9	0	12	22
	14/2,5,6	0	24	00
	18/3	0	04	85
	18/4,8	0	14	89
	18/7	0	01	00
	18/9	0	00	90
	19/1,2,6	0	43	46
	22/3	0	04	85
	22/4,5,6,7,9, 10,11	0	51	56
	4/2	0	11	57
	3/4	0	12	08
	3/1	0	14	83
	3/2	0	03	36
	1/1	0	03	24
	1/2	0	00	44
	1/3	0	04	40
	1/4	0	00	20
	2/1	0	10	94
8)	कास्मालुर	63/10	0	12
		63/11	0	11
		64/3	0	01
		64/4	0	01
		64/5	0	07
		62/5	0	18
		62/7	0	15
		62/6	0	00
		60/5	0	05
		60/4	0	13
		60/6	0	00
		60/2	0	22
		60/1	0	12
		59/9	0	02
		59/7	0	14
		58/1	0	09
		71/10	0	02
		71/8	0	00
		72/4	0	01
		72/3	0	08
		73/4	0	05
		73/8	0	02
		431	0	16
		64/5	0	07
		66/1	0	19
				60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
66/6	0	05	15	
67/11	0	05	51	
67/12	0	10	09	
67/13	0	00	15	
68/1	0	23	16	
70/1	0	18	34	
70/2	0	00	25	
69/14	0	06	44	
69/12	0	05	51	
71/9	0	13	13	
71/8	0	00	58	
71/10	0	02	69	
57/1	0	01	91	
57/2	0	00	25	
57/4	0	06	62	
57/5	0	09	97	
56/4	0	17	25	
56/3	0	10	43	
89/1	0	04	75	
92/1	0	01	65	
54/1	0	01	87	
93/1	0	45	90	
53/3	0	03	17	
53/2	0	00	79	
86/3	0	00	42	

[सं. आर.-31015/11/98-ओ. आर.-II]

हर्षश कुमार, अवर मन्त्रिय

(TO BE PUBLISHED IN PART II, SECTION 3, SUB-SECTION (ii)
OF THE GAZETTE OF INDIA)

GOVERNMENT OF INDIA
Ministry of Petroleum and Natural Gas

Notification

New Delhi, the 24th December, 1999

S.O. 3673.—Whereas by the notifications of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O 218, dated the 20th January, 1999 and number S.O. 2547 dated the 6th September, 1999 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) (hereinafter referred to as said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to those notifications, for the purpose of laying pipelines for the transportation of motor spirit, superior kerosene oil and high speed diesel from the Irimpanam installation of Bharat Petroleum Corporation Limited, Irimpanam, Kochi in the State of Kerala to Karur in the State of Tamil Nadu and pipelines should be laid by M/s Petronet CCK Limited;

And, whereas, the copies of said Gazette notifications were made available to the public on 12th February, 1999 and 20th September, 1999 respectively;

And, whereas, the competent authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government, after considering the said report,^व, satisfied that the said land are required for laying of the pipelines for the transport of petroleum products;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the land, specified in the Schedule appended to this notification, are hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land shall, instead of vesting in the Central Government, vest from the date of the publication of this declaration, in the Petronet CCK Limited, free from all encumbrances.

Schedule

State : Kerala

District : Ernakulam

Taluk : Kanayannur

Village (1)	Survey Numbers (2)	Area		
		Hectares (3)	Ares (4)	Sq.Mtrs. (5)
1) THRIKKAKARA (N) (BLOCK NO.6)	321	0	47	35
	194/1	0	17	28
	194/2	0	01	96
	194/9	0	00	34
	194/11	0	06	28
	195/1	0	11	55
	195/2	0	00	44
	198/1	0	02	48
	193/12	0	01	00
	193/11	0	03	07
	192/1	0	03	05
	192/2	0	00	08
	192/3	0	08	05
	192/8	0	00	05

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
/				
192/9	0	00	98	
192/10	0	00	68	
192/5	0	00	49	
192/4	0	02	66	
191/5	0	09	24	
191/2	0	08	29	
191/3	0	01	07	
190/3	0	00	67	
190/4	0	07	40	
190/6	0	03	88	
190/7	0	01	50	
190/1	0	02	77	
193/10	0	00	78	
193/13	0	01	71	
189/1	0	05	98	
189/2	0	03	51	
189/3	0	03	72	
189/4	0	05	12	
189/5	0	03	67	
189/6	0	02	00	
189/8	0	00	35	
189/9	0	00	40	
189/12	0	00	06	
189/16	0	02	85	
186/2	0	01	83	
188/1	0	17	87	
188/4	0	00	93	
188/5	0	02	36	
188/6	0	00	40	
188/7	0	00	01	
188/8	0	00	20	
188/9	0	01	86	
188/10	0	00	20	
188/11	0	03	82	
173/8	0	00	20	
173/9	0	00	43	
82	0	38	68	
155/1	0	03	39	
83	0	00	80	
154/4	0	04	10	
154/5	0	01	12	
153/1	0	02	08	
153/2	0	01	21	
153/3	0	03	01	
153/4	0	19	71	
152/10	0	03	15	
152/6	0	04	63	
152/5	0	00	12	
152/4	0	01	15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	152/2	0	02	83
	152/3	0	05	66
	151/10	0	04	80
	91	0	13	30
	75	0	18	34
	27	0	07	92
	28/2	0	07	95
	85/4	0	00	63
	26	0	00	71
2) KAKKANAD (BLOCK NO.9)	543/2	0	10	95
	360	0	01	28
	361	0	01	80
TALUK : ALUVA				
3) ALUVA WEST (BLOCK NO.37)	199	0	16	06
	197	0	36	41
	207	0	38	02
	210	0	03	39
4) ALUVA WEST (BLOCK NO.34)	21/19	0	18	52
	21/9,16	0	01	89
	21/6,7,8	0	04	28
	22/7	0	05	19
	22/3	0	01	86
	22/2	0	05	07
	20	0	04	31
	18	0	05	94
	17/9	0	06	00
	17/1	0	05	85
	39/12	0	00	79
	7/1	0	03	35
	6/5,6,7,12	0	00	18
	6/18	0	03	61
	6/4	0	00	18
	6/1	0	04	27
	5/15	0	01	15
	5/14	0	00	17
	5/12	0	02	67
	5/10	0	00	15
	5/9	0	00	48
5) PARAKKADAVU (BLOCK NO.5)	136	0	05	51
	116/8	0	00	05
	111/4	0	00	04
	122	0	00	05
	86/1	0	00	23
	82/13	0	00	22
	83/12	0	00	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	115/18	0	00	03
	36	0	01	64
	35	0	01	83
	31	0	01	34
	148	0	01	86
	149	0	06	44
	161/5	0	04	56
6) PARAKKADAVU (BLOCK NO.6)	430	0	02	17
	362	0	02	69
	359	0	01	58
	249/11	0	02	28
	249/14	0	05	84
	309/4	0	00	15
	343/15	0	00	74
	429/4	0	00	61
	459/3	0	00	15
	422/1	0	00	28
	358/8	0	00	39

TALUK : PARAVUR

7) KADUNGALLUR	199/11	0	12	60
	199/13	0	04	00
	199/16	0	06	93
	199/7	0	00	54
	199/6	0	03	45
	199/5	0	10	82
	222/8	0	11	95
	222/7	0	02	00
	222/9	0	03	68
	222/5	0	11	91
	222/6	0	01	23
	221/1	0	23	75
	221/5	0	00	33
	221/6	0	13	02
	221/10	0	14	81
	228/2	0	02	30
	228/10	0	30	14
	228/8	0	00	52
	229/7	0	00	49
	228/9	0	15	05
	235/4	0	11	96
	235/3	0	03	92
	235/12	0	02	55
	239/11	0	18	24
	239/12	0	00	47
	239/10	0	03	25
	239/9	0	10	34
	239/7	0	07	03

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	/			
	239/5	0	01	30
	239/1	0	00	94
	254/8	0	15	60
	255/1	0	29	75
	256/5	0	19	99
	144/23	0	16	82
	144/22	0	02	91
	144/19	0	04	80
	144/11	0	01	29
	144/10	0	02	16
	144/9	0	13	91
	194/1	0	11	22
	193/14	0	11	77
	193/12	0	01	25
	193/15	0	00	30
	193/9	0	05	70
	193/10	0	00	94
	193/7	0	02	97
	193/5	0	03	03
	193/6	0	06	97
	192/9	0	12	31
	192/8	0	16	25
	182/1	0	04	43
	181/11	0	00	10
	181/8	0	05	62
	182/4	0	01	85
	181/6	0	02	48
	173/1	0	26	64
	173/2	0	06	40
	172/16	0	08	17
	172/15	0	00	81
	172/11	0	06	26
	172/12	0	05	17
	172/13	0	03	53
	172/2	0	05	16
	156/14	0	16	00
	156/15	0	03	49
	158/1	0	02	00
	155/8	0	01	37
	155/5	0	02	79
	155/6	0	23	47
	158/8	0	03	65
	158/10	0	02	25
	158/9	0	02	00
	145/16	0	09	76
	145/15	0	01	41
	145/14	0	02	48
	145/13	0	01	32
	145/10	0	13	38

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	257/2	0	06	57
	257/3	0	01	88
	257/1	0	06	77
	197/1	0	06	00
	44/8,9	0	12	22
	14/2,5,6	0	24	00
	18/3	0	04	85
	18/4,8	0	14	89
	18/7	0	01	00
	18/9	0	00	90
	19/1,2,6	0	43	46
	22/3	0	04	85
	22/4,5,6,7,9, 10,11	0	51	56
	4/2	0	11	57
	3/4	0	12	08
	3/1	0	14	83
	3/2	0	03	36
	1/1	0	03	24
	1/2	0	00	44
	1/3	0	04	40
	1/4	0	00	20
	2/1	0	10	94
8) KARUMALLUR	63/10	0	12	32
	63/11	0	11	05
	64/3	0	01	19
	64/4	0	01	46
	64/5	0	07	20
	62/5	0	18	36
	62/7	0	15	82
	62/6	0	00	95
	60/5	0	05	54
	60/4	0	13	49
	60/6	0	00	93
	60/2	0	22	54
	60/1	0	12	57
	59/9	0	02	86
	59/7	0	14	74
	58/1	0	09	30
	71/10	0	02	69
	71/8	0	00	58
	72/4	0	01	26
	72/3	0	08	28
	73/4	0	05	78
	73/8	0	02	45
	431	0	16	62
	64/5	0	07	20
	66/1	0	19	60

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
66/6	0	05	15	
67/11	0	05	51	
67/12	0	10	09	
67/13	0	00	15	
68/1	0	23	16	
70/1	0	18	34	
70/2	0	00	25	
69/14	0	06	44	
69/12	0	05	51	
71/9	0	13	13	
71/8	0	00	58	
71/10	0	02	69	
57/1	0	01	91	
57/2	0	00	25	
57/4	0	06	62	
57/5	0	09	97	
56/4	0	17	25	
56/3	0	10	43	
89/1	0	04	75	
92/1	0	01	65	
54/1	0	01	87	
93/1	0	45	90	
53/3	0	03	17	
53/2	0	00	79	
86/3	0	00	42	

[F. No. R-31015/11/98-OR-II]
HARISH KUMAR, Under Secy

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.शा. 3674.—ओद्योगिक विभाव अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केसनंबर 23, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधालय के संबंध नियोजकों द्वारा उनके कर्मचारी के द्वारा, अनुबंध रो निर्दिष्ट ओद्योगिक विभाव में केवल शरकार औद्योगिक अधिकरण/अम नियालय कलकत्ता के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केवल यह कलकत्ता को 29-11-99 की प्रात हुआ था।

[सं.एल-32012/2/99-प्राई-प्रार. (एम)]
दी. एम. डेविड, अवार मर्चियर

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3674.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 29-11-99.

[No. L-32012/2/99-IR(M)]
B. M. DAVID, Under Secy

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
AT CALCUTTA

Reference No. 36 of 1999

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust

AND

Their workmen

PRESENT :

Mr. Justice A. K. Chakravarty
Presiding Officer

APPEARANCE :

On behalf of Management : Mr. A. K. Sarkar, Senior Labour Officer (IR) of the management.

On behalf of Workmen : None.

State : West Bengal.

Industry : Port & Dock

AWARD

By Order No. L-32012/2/99/IR(M) dated 7-10-1999 the Central Government in exercise of its powers under section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Calcutta Port Trust in not considering the seniority and promotion to the post of 'Butler' to Shri Manik Lal Das, Cook attached P.S.V. Tribeni of C.P.T. is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. When the case is called out today, management is represented by its representative, but neither any one appeared on behalf of the union, nor any step was taken by it for filing written statement, even though the notice issued by the Tribunal was duly served upon the union. It is accordingly clear that the union is no longer interested to proceed with the matter any further.

3. In the aforesaid circumstances, in the absence of any material for decision in respect of the schedule under reference, this Tribunal has no other alternative but to dispose of the matter by passing a "No Dispute" Award.

4. A "No Dispute" Award is accordingly passed and the reference is disposed of.

This is my Award
Dated, Calcutta,

The 18th November, 1999.

A. K. CHAKRAVARTY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.शा. 3675.—ओद्योगिक विभाव अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केवल शरकार वी.वी.एम.बी. के प्रबंधालय के पंचाट नियोजकों द्वारा उनके कर्मचारी के द्वारा, अनुबंध रो निर्दिष्ट ओद्योगिक विभाव में केवल शरकार औद्योगिक अधिकरण, एनीमेट के पंचाट को प्रकाशित हुए हैं, जो केवल यह कल को 30-11-99 की प्रात हुआ था।

[सं. एल-23012/62/97-प्राई-प्रार. (सी-II)]
दी. एम. डेविड, अवार मर्चियर

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3675.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on the 30-11-99.

[No. L-23012/62/97/IR(C-II)]
S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. L. JATAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 247/98

Sh. Shiv Ram S/o Sh. Bansi Ram
C/o Sh. Dhani Ram
General Secretary
D.S.L. Project Mazdoor Ekta Union
Sundernagar (H.P.)

.. Petitioner.

VI.

The Chief Engineer,
BSL Project, BBMB
Sundernagar.

The Executive Engineer,
Township Division, BBMB
Sundernagar (H.P.).

Respondent.

REPRESENTATIVES :

For the workman : None.

For the management : Sh. D. L. Sharma

AWARD

(Passed on 10-6-1999)

The Central Govt., Ministry of Labour vide Notification No. L-23012/62/97/IR (CM-II) dated 10th November 1998

has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Chief Engineer, Beas Sutlej Link Project, BBMB, Sundernagar (H.P.) and Executive Engineer, Township Division, BBMB Sundernagar in disengaging Sh. Shiv Ram S/o Sh. Band Ram from services on 31-3-92 and terminating his services on 18-10-96 without notice is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Today the case was fixed for filling of claim statement by the workman. Despite several notices, none has put up appearance. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Appropriate Govt., for want of prosecution.

B. L. JATAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.श्रा. 3676.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण, त्रै, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम. बी. के प्रबंधतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में विविह ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, चाण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एल.-23012/31/97-प्राई. आर. (सी-II)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3676.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on the 30-11-99.

[No. L-23012/31/97/IR(C-II)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. L. JATAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 171/98

Shri Dhani Ram
Vill. Kanger,
Sundernagar, Distt. Mandi.

. Petitioner

Vs.

The Executive Engineer,
Pandoh Dam Division, B.B.M.B.
Pandoh (H.P.)

Respondent

REPRESENTATIVES :

For the workman : None.
For the management : Shri D. L. Sharma

AWARD

(Passed on 10-6-1999)

The Central Govt. Ministry of Labour vide Notification No. L-23012/31/97-IR(CM-II) dated 31st July 1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Chief Engineer, Beas Sutlej Link Project, BBMB Sundernagar (H.P.) and Executive Engineer, Township Division, BBMB in

disengaging Sh. Dhani Ram S/o Qumna Ram from his services on 31-3-92 and terminating his services on 18-10-96 without notice is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Today the case was fixed for filling of claim statement by the workman. Despite several notices, none has put up appearance. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Appropriate Govt. for want of prosecution.

B. L. JATAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.श्रा. 3677.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम. बी. के प्रबंधतांत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में विदिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, चाण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं.एल.-23012/60/97/अर्डि. आर. (सी-II)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3677.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on the 30-11-99.

[No. L-23012/60/97/IR(C-II)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. L. JATAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 249/98

Sh. Dhani Ram S/o Sh. Kaila
C/o Sh. Dhani Ram, General Secy.
B. S. L. Project Mazdoor Ekta Union
Sundernagar (H.P.)

. Petitioner.

Vs.

The Chief Engineer,
B.S.L Project, BBMB, Sundernagar
The Executive Engineer,
Township Division, BBMB,
Sundernagar (H.P.).

. Respondent.

REPRESENTATIVES :

For the workman : None.

For the management : Sh. D. L. Sharma

AWARD

(passed on 10-6-1999)

The Central Govt. Ministry of Labour vide Notification No. 23012/60/97/IR(CM-II) dated 10th November 1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Chief Engineer, Beas Sutlej Link Project, BBMB, Sundernagar (H.P.) and Executive Engineer, Township Division, BBMB,

Sundernagar in disengaging Sh. Dhani Ram S/o Sh. Kaila from services on 31-3-92 and terminating his services on 18-10-96 without notice is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled?

2. Today the case was fixed for filing of claim statement by the workman. Despite several notices, none has put up appearance. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above the present reference is returned to the Appropriate Government for want of prosecution.

B. L. JATAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.आ. 3678.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चार्डों के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल- 23012/68/97 आइ.आर. (सी-II)]

एस. एस. गुप्ता, अवार सचिव

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3678.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 30-11-1999.

[No. L-23012/68/97-IR(C-II)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. L. JATAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 173/98

General Secretary,
BSL Project Mazdoor Ekta Union,
Sundernagar,
Distt. Mandi (H.P.) Petitioner

Versus

The Executive Engineer,
Township Division,
BBMB,
Sundernagar (H.P.) Respondent

REPRESENTATIVES :

For the workman: None.
For the management: Shri D. L. Sharma.

AWARD

(Passed on 10-6-1999)

The Central Govt. Ministry of Labour vide Notification No. L-23012/68/97 IR(CM-II) dated 31st July, 1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the Chief Engineer, Beas Sutlej Link Project, BBMB, Sundernagar and Executive Engineer in disengaging Sh. Gokki Ram S/s Gatto

Ram from services on 31-3-92 and terminating his services on 18-10-96 without notice is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Today the case was fixed for filing of claim statement by the workman. Despite several notices, none has put up appearance. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Appropriate Government, for want of prosecution.

B. L. JATAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.आ. 3679.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चार्डों के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-23012/41/98 आई.आर. (सी-II)]

एस. एस. गुप्ता, अवार सचिव

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3679.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 30-11-1999.

[No. L-23012/41/98-IR(C-II)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. L. JATAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 217/98

Sh. Gavaru Ram,
S/o Sh. Hirdu Ram,
C/o Sh. Dhani Ram,
General Secretary,
B.S.L. Project Mazdoor Ekta Union,
Sundernagar (H.P.) Petitioner

Versus

The Executive Engineer,
Township Division,
B.B.M.B.,
Sundernagar (H.P.)
The Chief Engineer,
BSL Project,
BBMB,
Sundernagar. Respondent

REPRESENTATIVES :

For the workman: None.

For the management: Sh. D. L. Sharma.

AWARD

(Passed on 10-6-1999)

The Central Govt. Ministry of Labour vide Notification No. L-23012/41/98-IR(CM-II) dated 28th October, 1998 has

referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Chief Engineer, Beas Sutlej Link Project, BBMB, Sundernagar (H.P) and Executive Engineer, Township Division, BBMB, Sundernagar in disengaging Sh. Govind Ram S/o Sh. Lirdu Ram from services on 18-10-96 without notice is just and legal? If not what relief is the workman entitled to?”

2. Today the case was fixed for filing of claim statement by the workman. Despite several notices, none has put up appearance. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Appropriate Government for want of prosecution.

B. L. JATAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1999

का.आ. 3680.—आंशिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के प्रबन्धरण में, केन्द्रीय सरकार आंशिक विवाद के प्रबन्धतत्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रत्येक संसद आंशिक विवाद में विविट आंशिक विवाद अधिकरण, चंडीगढ़ के नियोजक कर्मकार कर्त्ता है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-1999 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-23012/39/98-आई.आर. (सी-II)
पा.एस.गुप्ता, अवश सचिव]

New Delhi, the 30th November, 1999

S.O. 3680.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 30-11-1999.

[No. L-23012/39/98-II-(C-II)]
S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI B. L. JATAV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 213/98

Sh. Thakur Dass,
S/o Sh. Amar Dass,
C/o Sh. Dhani Ram,
General Secretary,
B.S.L. Project Mazdoor Ikta Union,
Sundernagar (H.P.) Petitioner

Versus

The Executive Engineer,
Township Division,
B.B.M.B.,
Sundernagar,
Chief Engineer,
BSL Project,
BBMB,
Sundernagar. Respondent

REPRESENTATIVES:

For the workman: None.
For the management: Sh. T. L. Sharma.

AWARD (Passed on 10-6-1999)

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification No. L-23012/39/98-I.R.(CM-II) dated 27th October, 1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Chief Engineer, Beas Sutlej Link Project, BBMB, Sundernagar (H.P) and Executive Engineer, Township Division, BBMB, Sundernagar (H.P) in disengaging Sh. Thakur Dass S/o Sh. Amar Dass from services on 18-10-96 without notice is just and legal? If not, what relief is the workman entitled to?”

2. Today the case was fixed for filing of claim statement by the workman. Despite several notices, none has put up appearance. It appears that workman is not interested to pursue with the present reference. In view of the above, the present reference is returned to the Appropriate Government for want of prosecution.

B. L. JATAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3681.—आंशिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पटना के प्रबन्धतत्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रत्येक संसद आंशिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंशिक अधिकरण, पटना के पंचायत को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-1999 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल- 12012/54/99-आई.आर. (सी-II)]

सी. गंगाधरन, अवश सचिव

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3681.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Patna as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Patna and their workman, which was received by the Central Government on 30-11-1999.

[No. L-12012/54/99-I.R.(B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, PATNA

Reference No. 10(c) of 1999

Management of State Bank of India, Patna and their workman Sri Shatruघan Kumar.

For the Management: None.

For the Workman: Sri Devi Kant Jha, Advocate.

PRESENT:

Sri T. L. Sharma,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal,
Patna.

AWARD

The 27th November, 1999

By adjudication order No. L-12012/54/99-I.R.(B-II) dated 12-5-1999 the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi referred under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter to be referred as 'the Act') the following dispute between the Management of State Bank of India, Patna and their workman Sri Shatruघan Kumar represented by the Asstt. General Secretary, State Bank of India Employees Union, (State of Bihar), Patna for adjudication:—

“Whether the action of the Management of State Bank of India in terminating the services of Sri Shatruघan Kumar on 31-7-1993 is justified? If not to what relief the workman is entitled?”

2. After receipt of the adjudication order the reference was registered and parties were directed to appear in this Tribunal. On 17-11-1999 a petition on behalf of the workman

has been filed stating therein that the present reference be treated as closed and the learned counsel for the workman further submitted that a no dispute award may be passed.

3. It seems that the workman has lost interest in pursuing his case. In view of this I am left with no option but to hold that no dispute exists between the parties. I accordingly pass no dispute award.

4. This is my award.

T. L. VERMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, ०१ दिसम्बर, १९९९

का. आ. ३६८२.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की धारा १७ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक थार्फटिया, पटना के प्रबंधसंतत के संघर्ष नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, इन्द्रध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय भरकार ओद्योगिक अधिकरण, पटना के पंचाट को प्रकाशित करती है, यो केन्द्रीय सरकार को ३०-११-१९९९ को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-१२०१२/५८/९९-३०१. आर. (वॉ-१)]
मि. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3682.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Patna as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Patna and their workmen, which was received by the Central Government on 30-11-1999.

[No. L-12012/58/99-IR(B-I)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, PATNA

Reference No. 9(c) of 1999

Management of State Bank of India, Patna and their workmen Sri Shyamdeo Pandey.

For the Management : None.

For the Workman : Sri Devi Kant Jha, Advocate.

PRESENT :

Sri T. L. Verma, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Patna.

AWARD

The 27th November, 1999

By adjudication order No. L-12012/58/99-I.R.(B-I) dated 12-5-1999 the Government of India Ministry of Labour, New Delhi referred under section 10(1)(d) of the Industrial Dispute Act, 1947 (hereinafter to be referred as 'the Act') the following dispute between the Management of State Bank of India, Patna and their workman Sri Shyam Deo Pandey represented by the Asstt. General Secretary, State Bank of India Employees Union (Bihar State), Patna for adjudication :—

"Whether the action of the Management of State Bank of India, Patna in not regularising the workman Sri Shyam Deo Pandey in subordinate cadre is justified? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. After receipt of the adjudication order the reference was registered and parties were directed to appear in this

Tribunal. On 17-11-1999 a petition on behalf of the workman has been filed stating therein that the present reference be treated as closed and the learned counsel for the workman further submitted that a no dispute award may be passed.

3. It seems that the workman has lost interest in pursuing his case. In view of this I am left with no option but to hold that no dispute exists between the parties. I accordingly pass no dispute award.

4. This is my award.

T. L. VERMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, १ दिसम्बर, १९९९

का. आ. ३६८३.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की धारा १७ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक नियिटिट, चेन्नई के प्रबंधसंतत के संघर्ष नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, इन्द्रध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय भरकार ओद्योगिक अधिकरण, तमिलनाडू के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को ३०-११-१९९९ प्राप्त को हुआ था।

[सं. एल-१२०१२/२०१/९९-आर. (वॉ-१)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O.3683.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Federal Bank Ltd., Chennai and their workman, which was received by the Central Government on 30-11-1999.

[No. L-12012/201/99-IR(B-I)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU CHENNAI

Wednesday, the 17th day of November, 1999

PRESENT :

Thru S. Ashok Kumar, M.Sc., B.L., Industrial Tribunal
Industrial Dispute No. 174 of 1999

In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of M/s. Federal Bank Ltd., Alwaye.)

BETWEEN

Thiru M. Narayanan,
2, Kannur High Road,
Ramalingapuram,
Chennai-600012.

AND

The Chairman,
M/s. Federal Bank Ltd.,
Federal Towers,
Post Bag No. 103,
Alwaye-683101.

REFERENCE :

Order No. L-12012/201/99-IR(B-I), dated 29-7-1999,
Ministry of Labour, Government of India, New
Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal, upon
pursuing the reference and other connected papers on record
and the parties being absent and the counsel for the Petitioner
having made an endorsement for not pressing this dispute,
this Tribunal passed the following.

AWARD

This reference has been made for adjudication of the
following issue:

Whether the action of the management of Federal Bank
Ltd., Chennai in terminating the services of the
workman Shri N. Narayanan with effect from
31-12-88 is justified? If not, to what relief the
workman is entitled to?

Endorsement made. Industrial Dispute dismissed as not
passed.

Dated, this 17th day of November, 1999.

S. ASHOK KUMAR, Industrial Tribunal

Endorsement made by the counsel for Petitioner-workman
Filed vakalath in I.D. 144/99, 174/99 relates to same matter.
Both the I.D. carries same reference. Hence, proceeding
with I.D. 144/99. Therefore this I.D. is not pressed.

Sd/-

SUMITA, Counsel for Petitioner

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3684.—श्रीद्वारिगिक विवाद अधिनियम,
1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में,
केन्द्रीय सरकार डाइरेक्टर, नेशनल इन्फोरमेटिक्स सेन्टर,
डीस्ट बंगल के प्रबन्धतत्त्व के संबंध नियोजकों और उनके
कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्वारिगिक विवाद
में केन्द्रीय सरकार श्रीद्वारिगिक अधिकारण, कलकत्ता के पंचाट
को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99
को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-42012/105/99-आई आर (डी दू)]
कुनैवय राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3684.—In pursuance of Section 17 of the Industrial
Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government
hereby publishes the Award of the Central Government
Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in
the industrial dispute between the employers in relation to
the management of Director, National Informatics Centre,
West Bengal and their workman, which was received by the
Central Government on 1-12-1999.

[No. L-42012/105/99-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
CALCUTTA

Reference No. 40 of 1999

PARTIES :

Employers in relation to the management of the Joint
Director, Government of India, Planning
Commission.

AND

Their workman.

PRESENT :

Mr. Justice A. K. Chakravarty, Presiding Officer.

APPEARANCE :

On behalf of Management: None
On behalf of Workman: None.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Planning
Commission.

AWARD

By Order No. L-42012/105/99-IR(DU) dated 27-09-1999
the Central Government in exercise of its powers under section
10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 re-
ferred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management i.e. Director,
National Informatics Centre, West Bengal Unit
in terminating the services of Sh. Dipak Mondal,
Messanger-cum-Helper is legal and justified? If
not, to what relief he is entitled?"

2. When the case is called out today, none of the parties
appear despite of service of notice upon them duly. No step
is also taken on behalf of the workman for filing written
statement. It is accordingly clear that he is no longer interested
to proceed with the matter any further.

3. In the aforesaid circumstances, in the absence of any
material for decision in respect of the schedule under re-
ference, this Tribunal has no other alternative but to dispose
of the matter by passing a "No Dispute" Award.

4. A "No Dispute" Award is accordingly passed and the
reference is disposed of.

This is my Award.

Dated, Calcutta,

the 15th November, 1999.

A. K. CHAKRAVARTRY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3685.—श्रीद्वारिगिक विवाद अधिनियम,
1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में
केन्द्रीय सरकार छोकल फैट्रो, जबलपुर (एम. प्र.) के
प्रबन्धतत्त्व के सबट नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच,
अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीद्वारिगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्वारिगिक अधिकारण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती
है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-14012/95/91-D-2 (बी)]
कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3685.—In pursuance of Section 17 of the Industrial
Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government
hereby publishes the Award of the Central Government
Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in
the industrial dispute between the employers in relation to
the management of Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.) and
their workman, which was received by the Central Govern-
ment on 1-12-1999.

[No. L-14012/95/91-D-2(B)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Presiding Officer : Shri D. N. Dixit.

Case No. CGIT/LC/R/26/92

Shri Shobharam Pradhan.

Vill : Indira Nagar,
Near Ayyappa Temple,
P.O. Vehicle Factory Estate,
Jabalpur (M.P.)

.. Workman

V/s

General Manager,
Vehicle Factory Jabalpur
Jabalpur (M.P.)

.. Union

AWARD

Delivered on this 30th day of October 1999

1. The Government of India Ministry of Labour vide its Order No. 14012/95/91-D-2(B) dated 20-3-92 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal—

"Whether the action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.) in terminating the services of Sh. Shobharam Pradhan, Ex-Labourer vide their order dated 15-1-85 is justified? If not, to what relief he is entitled to?"

2. The case of the workman Shri Shobharam Pradhan is that he is working as a driver with the management in a permanent post. A chargesheet was issued to him on 3-1-83 about theft of property of management. The workman denied the allegation. A departmental enquiry was held against him. In this enquiry an opportunity to defend has not been given to him. The procedure adopted in the departmental enquiry is contrary to the principles of natural justice. The workman sought the help of an Advocate and this was refused by the DE Officer. The enquiry Officer found the workman guilty and submitted his report. This report is based on surmises and conclusion is not correct. For the same offence the workman has been proceeded in the Criminal Case which has resulted in the acquittal of the workman. The Controlling Officer accepted the report of the Enquiry Officer and his services were terminated on 15-1-85. The workman wants the order of termination to be quashed and wants back wages from 15-1-85 till date.

3. The case of the management is that the workman has kept 7 Nos. of Pinions in the vehicle he was driving and he was caught red handed at Gate No. 1 at the Vehicle Factory, Jabalpur on 13-6-79. This property was seized from the possession of the workman. A chargesheet was issued to the workman and his reply being unsatisfactory, a DE was ordered. The workman participated in this enquiry and every opportunity was given to the workman to defend himself. The Enquiry Officer found the workman guilty and submitted his report and the Controlling Officer by Order dated 18-6-81 dismissed the workman. The workman preferred an appeal and the Appellate Authority directed the Enquiry Officer to clarify certain points. Again in the second report the Enquiry Officer held the workman guilty and submitted his report. The Controlling Officer for the second time accepted the report of the DE Officer and terminated the services of workman. According to management every opportunity was granted to the workman to defend himself. The punishment is in proportion to the misconduct and is reasonable. The management seeks confirmation of its action.

4. By order dated 27-7-95 this Court has held that the Domestic Enquiry held against the workman is just and proper. The points of consideration are perversity of findings and quantum of punishment.

5. It has been emphatically argued by workman that the Appellate Authority cannot direct the Controlling Officer to issue a fresh chargesheet and conduct a second DE. The argument of management are that this order of Appellate Authority dated 28-7-82 is not about the second DE. The Appellate Authority wanted to give every opportunity to

workman to defend himself. Keeping this in mind certain points were to be clarified. The Controlling Officer as measure of abundant caution gave full opportunity to the workman subsequently. This cannot be construed as a fresh DE. In fact it is the continuation of the DE. The procedure adopted by the DE Officer and Controlling Officer is valid and legal.

6. The second contention of workman is that he has been prosecuted in a criminal case on the same charge on which the present DE was conducted. He has been acquitted by Sub-divisional Magistrate-1st Class Jabalpur in 3-6-81. As such the DE against the workman is illegal. The judgement of Criminal Court reveal that the workman was given benefit of doubt and acquitted. In such a case a DE on these very facts can be conducted. Such a procedure is valid and proper.

7. The third argument advanced by the workman is that DE stolen property was not produced, hence the inferences of guilty is not proper. I do not agree with this contention. In the enquiry proceeding the identity of stolen property was clear. There was no ambiguity about the stolen property. Further the workman never made a demand in the DE proceeding for the production of stolen property. In the absence of such a demand the non-production of such stolen property is not of importance.

8. On 30-3-95 the workman has admitted all the DE papers. In such a case there is no perversity in the findings recorded by the DE Officer and accepted by the Controlling Officer.

9. The workman was an employee of the management on 3-1-83, when he was caught red handed stealing 7 Nos. of Pinions. The workman could not justify his actions. The theft of management property is a serious misconduct and the punishment of termination is a reasonable punishment. I hold that the punishment given to workman is in proportion to the misconduct committed by him.

10. The Award is given in favour of the management. Parties to bear their own costs.

11. Copies of the Award be sent of Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3686—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धरण 17 के प्रत्यारण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा इंडियन प्रोविडेंट फंड कमिशनर, इन्दौर के प्रबन्धनस्थ के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अमूर्ख में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट द्वारा प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[स. एल-42012/8/93-आर्द्ध आर (डी यू)]

कुलदीप राय बर्मि, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3686.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Regional Provident Fund Commissioner, Indore and their workmen, which was received by the Central Government on 1-12-99.

[No. L-42012/8/93-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R-87/94

Presiding Officer: Shri D. N. Dixit

Shri Rammilan, S/o Jagannath Mourya
42, CPWD Colony,
Near White Church,
Indore (MP)

Applicant

Versus

Regional Provident Fund Commissioner,
Rescose road,
Indore.

Non-applicant

AWARD

Delivered on this 1st day of November, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide order No. L-42012/8/93-IRDU dated 13-7-94 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal —

"Whether the action of Regional Provident Fund Commissioner, Indore in terminating the services of Shri Rammilan, Ex Chowkidar with effect from 25-12-91 is illegal and justified? If not, what relief he is entitled to and from what date?"

2. The admitted facts of the case are that the workman Rammilan was working in the office of management. His services had come to an end from 26-12-91. Prior to termination of service, notice was not given to workman. Retrenchment compensation also was not paid to the workman. The order of termination in writing has not been given to the workman.

3. According to workman, he has worked continuously from Dec-87 to 26-12-91 in the service of the management. The management used to record his name sometimes his own and sometimes by a different name. This was being done so as to avoid application of I.D. Act. The termination of the services of the workman from 26-12-91 is illegal and contrary to rules. It violates the provisions of Sec. 25-F of the I.D. Act. The workman claims reinstatement and backwages.

4. The case of the management is that the workman was employed for short periods as and when required. He has not done continuous service. The number of days which the workman worked has been given in para-1 of the written statement of the management. The workman has not worked for 240 days continuously in one calendar year. Hence the provisions of Sec-25-F of the I.D. Act is not attracted. The work of the management is that of sovereign function and as such the present case is not maintainable. The management wants the reference to be answered in their favour.

5. The workman was employed as a waterboy and then as a chowkidar in the office of the management. When the management is performing is not the sovereign function of the state. The relationship between the workman and the management existed and the controversy could be resolved only under provisions of I.D. Act. I do not accept the contention of the management that the present dispute is not covered by I.D. Act.

6. The order sheet dated 11-2-99 has stated that the management refused to cross-examine the workman who was present in the court in respect of his affidavit. Further the management declared that they do not propose to give evidence.

7. Before this court, the only evidence is affidavit of the workman. The management has not cross-examined the workman on this affidavit. The affidavit is accepted. This states that the workman has worked with the management from Dec-87 till 26-12-91 continuously in a permanent position. Prior to termination, the workman has not been given notice of retrenchment and retrenchment compensation.

This the management has violated the provisions of Section 25F of the I.D. Act.

8. The affidavit further states in para 4 that by rotation, the management used to write sometimes the real name of the workman and at other times, a different name was given to the workman. This fact also has not been disproved by the management though they had an opportunity to do so. I believe the workman on this point. The case of workman is proved. The award is given in favour of the workman. He will deem to be in continuous service of the management from 26-11-91 till date. In 3 months time from the publication of the award, the management is directed to pay wages and allowances to the workman from 26-12-91 till date. Failure of this payment will make the management liable to pay interest at the rate of Rs. 12% per annum. Management further do pay Rs. 5000/- as cost to the workman.

9. Copies of the award be sent to the Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D.N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. शा. 3687.—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के मन्त्रमण में, कन्दीव सरकार टेलीकॉम फैक्ट्री, जबलपुर के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, प्रश्नवृत्त में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में कन्दीव सरकार श्रीधोगिक अधिकरण, जबलपुर के पंजाट को प्रकाशित करती है, जो कन्दीव सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. पल-40012/168/93-आई आर (डी यू)]

कुलदीप याद याद, है कि प्रधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3687.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Factory, Jabalpur and their workman, which was received by the Central Government on 1-12-99.

[No. L-40012/168/93-IR(D.U.)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

No. CGIT/LC/R/219/94

PRESIDING : OFFICER : Shri D. N. Dixit.

Shri Robini Prasad
Behind Cama thana,
Bijari Mohalla.
Shah Naka,
Garha, Jabalpur.

Applicant.

Versus

Chief General Manager,
Telecom Factory,
Jabalpur.

Non-applicant.

AWARD

Delivered on this 2nd day of November, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour, vide order No. L-40012/168/93-IRDU dated 16-11-94 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal—

"Whether the action of the management of Telecom Factory, Jabalpur in terminating the services of

Shri Rohini Prasad w.e.f. 20-7-92 is justified or not? If not, what relief the concerned workman is entitled to?"

2. The management remained absent on 28-10-99 and the case has been posted for No dispute Award.

3. The case of the workman is that he was given a chargesheet and DE was held against him. In the DE opposition was not given to him to defend himself. The findings of the DE officer are vitiated. The punishment of termination of service given to workman is illegal.

4. In the absence of the management the contention of the workman is accepted. The award is given in favour of the workman. The termination of workman dated 20-7-92 is hereby quashed. He will be deemed to be in service. He be paid wages from 20-7-92 till date as per rules in 3 months time from the date of award. If the payment is not made in 3 months time, the workman will be entitled to interest at the rate of @ 12% per annum. Parties to bear their own cost.

5. Copies of the award be sent to the Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999.

का. आ. 3688.—श्रोतृयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार जनस्त ईनेजर, टैलीफोन, नागपुर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रोतृयिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रोतृयिक अधिकरण, जबलपुर के पासट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[म. एल-40012/117/96-श्रावि आर (खो. यू.)]
कृत्तिप राय बर्मा, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3688.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employees in relation to the management of General Manager, Telecom, Nagpur and their workman, which was received by the Central Government on 1-12-99.

[No. L-40012/117/96-IID(DU)]
KUTDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
PRESIDING OFFICER : Shri D. N. Dixit.

Case No. CGIT/LC/R/40/98

Shri Ramesh Vistari Gurnule
S/o. Vistari Gurnule,
C/o. M.I.D.C. Office,
Bulbheri,
Dist. Nagpur.

... Workman.

V/s.

The Divisional Officer,
Telecom. C.T.O. Building
Near Government Press.
Nagpur.

The Junior Telecom Officer,
Kalmeshwar Telephone Exchange,
Teh. Kalmeshwar.
Dist. Nagpur.
3619 GI/99--18.

... Management.

AWARD

Delivered on this 30th day of October, 1999

1. The Government of India Ministry of Labour vide its order No. L-40012/117/96-IID(DU) dated 26-2-98 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal

"Whether the action of the management of General Manager, Telecom, Nagpur and its Officers, in terminating the services of Mr. Ramesh Vistari Gurnule Part-time sweeper-cum-waterman w.e.f. 20-11-92 is legal and justifiable? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The admitted facts of the case is that Ramesh Vistari Gurnule was a part time Sweeper in the Office of Junior Telecom Office at Kalmeshwar. He worked in this capacity from 4-12-87 to 20-11-92. His services were terminated on 20-11-92.

3. The case of the workman is that he has worked continuously as a part time Sweeper for the management from 4-12-87 to 20-11-92. He has not been given notice of termination and retrenchment compensation under Section 25F of the I.D. Act. Person junior to him was taken in service by management and his claim has been ignored. Thus there is violation of Sec. 25G of the I.D. Act. The workman claims reinstatement and back wages.

4. The case of the management is that engagement of workman was on hourly basis. The workman has not acquired the right to service. The workman was irregular in his work and because of this his services were terminated. The order termination does not amount to retrenchment. The workman has referred a petition in the Central Administrative Tribunal, Nagpur and the same has been dismissed on 6-9-93 hence the present petition is not maintainable. The management seeks endorsement of its action.

5. The management has not filed any document and has also not examined a witness. The burden of proving assessment of work of workman was on the management. In the present case neither any document has been filed by the management nor a witness was examined to prove the unsatisfactory work of the workman in the employment. Thus the management has not discharged its duty to prove the unsatisfactory work of workman.

6. It is admitted by the management that the workman was continuously employed from 1-10-87 to 20-11-92. It is further admitted that notice of retrenchment and retrenchment compensation has not been paid to the workman. Thus the termination of workman is illegal under section 25F of the I.D. Act. The order of termination is hereby quashed.

7. The Award is given in favour of the workman. The termination order dated 20-11-92 is hereby quashed. Management to pay Rs. 5,000 as cost to workman. Management further do pay wages and allowances to workman from 20-11-92 till date, within 3 months from the date of Award. Failure to pay this amount in time will make the management liable to pay interest @ 12% per annum on the amount withheld.

8. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3689.—श्रोतृयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सभा डिविजनल शाफियर, कमर्फ के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रोतृयिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रोतृयिक अधिकरण, जबलपुर के पासट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[म. एल-40012/206/91-श्रावि आर (खो. यू.)]
कृत्तिप राय बर्मा, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3689.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sub Divisional Officer, Wardha and their workman, which was received by the Central Government on the 1-12-99.

[No. L-40012/206/91-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

No. CGII/LC/R/138/92

PRESIDING OFFICER : SHRI D. N. DIXIT

Shri Hira Singh Chauhan,
C/o Bhaskar Bokade,
Near Itwari Railway Station,
Nagpur ...Applicant

Versus

The Sub-Divisional Officer,
Telecom, Wardha .Non-applicant

AWARD

Delivered on this 1st day of November, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide order No. L-40012/206/91-IRDU dated 25-6-92 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal—

"Whether the action of the management of SDO (I) Wardha in terminating the services of Shri Ratan Hira Singh Chauhan w.e.f. 19-5-87 is justified ? If not, what relief he is entitled to?"

2. The admitted facts of the case are that the services of the workmen Heera Singh Chauhan came to an end from 17-5-87. The workman was working as a casual labour on daily wages from 2-12-85.

3. The case of the workman is that he was not provided work on 18-5-87 though the work was available. The work done by the workman was of permanent nature and it still exists. Prior to termination of service, the workman has not been given notice and retrenchment compensation, the termination of the work of the workman is illegal and contrary to law. The workman seeks reinstatement of service and back wages.

4. The case of the management is that the workman abandoned the work from 18-5-87. The services of the workman were not terminated. There was no need to give notice of termination and retrenchment compensation to the workman. The workman is not entitled to any relief. The management seeks endorsements of its actions.

5. The only point for consideration is whether the services of the workman were terminated by the management from 17-5-87 or the workman abandoned the work from this date. The burden lies on both the parties to prove their contention. The workman has filed his affidavit in court and he has been cross-examined on it. The workman has stated in cross-examination of the affidavit that his father died on 18-5-87 hence he came to Nagpur. He has further stated that he did not go for work from 18-5-87. Thus from the statement of workman himself, it is clear that he abandoned the work from 18-5-87. The contention of the workman is false that his services were terminated from this date.

6. As the workman left the job from 18-5-87, out of his own sweet will, he is not entitled to notice of retrenchment and retrenchment compensation. The workman has no case. The award is given in favour of the management. Parties to bear their own cost.

7. Copies of the award be sent to the Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

मई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3690.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार 506, आर्मी बेस वर्कशॉप, जबलपुर के प्रबन्धतात्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कमेकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[स. ए.ल-14011/7/93-श्री आर (डी.ए.)]

कलदीप राय वर्मा, डॉक्टर अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3690.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of 506, Army Base Workshop, Jabalpur and their workman, which was received by the Central Government on the 1st December, 1999.

[No. L-14011/7/93-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Presiding Officer : Shri D. N. Dixit.

Case No. CGIT/IC/R/198/94

General Secretary,
506, Army Base Workshop Sangh,
Azad Nagar,
Near Kali Mandir, Ranjhi,
Jabalpur (M.P.)

...Union.

v/s.

The Commandant,
506, Army Base Workshop,
Jabalpur (M.P.)

...Management.

AWARD

Delivered on this 29th day of October, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its order No. I.14011/7/93-L.R.(D.U.), dated 31-10-1994 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

"Whether the demand of the 506 Army Base Workshop Shramik Sangh, Jabalpur payment of overtime wages for Chowkidars and Firemen Grade-I & II for working beyond 44.75 hours in a week and arrears from 6-11-73 from the management of 506, Army Base Workshop, Jabalpur. If justified? If so what relief workmen are entitled?"

2. The admitted facts of the case are that the Chowkidars and Firemen working in 506 Army Base Workshop, Jabalpur are working in for 48 hours in a week. Week being of 6 days. The 506 Army Base Workshop is under the Corps of Electrical and Mechanical Engineering of the Indian Army. This is under the Ministry of Defence, Government of India. The two categories of employees namely Chowkidars and Firemen are permanent employees of the Central Government.

3. The case of the Union is that in all Defence Establishments the civilian employees are required to work only 44.75 hours in a week. Any work above this period makes them entitled to overtime wages. The management cannot take 48 hours of work in a week from chowkidars and firemen. In the Ordnance Factories under the Ministry of Defence this category of employees are working for 44.75 hours from 6-11-73. Thus the Ministry of Defence is discriminating between chowkidars and firemen employed in the 506 Army Base Workshop, Jabalpur and same category employed by Ordnance Factory, Jabalpur. This is against the principles of natural justice. The Union prays for a declaration that the management can take work only for 44.75 hours from chowkidars and firemen per week any work excess to it w.e.f. 6-11-73 makes them entitle for over time wages. The list of chowkidars given by union is Annexure 'A' and contains 26 names. The list of firemen is Annexure 'B' and contains 17 names.

4. The case of the management is that they are performing sovereign function of the State and the present dispute is not covered under the Industrial Disputes Act. The Ministry of Defence vide order dated 5-11-73 has issued order that civilian persons holding the post of chowkidars and firemen will be required to work for 48 hours a week i.e. 8 hrs. a day for 6 days. Thus the claim is without any foundation. The rules governing the Ordnance Factory are not applicable to the 506 Army Base Workshop. The service condition in the Ordnance Factory Workshop are different. These services are not at par hence Doctrine to Equal Pay for Equal Work is not applicable. According to the management the claim of Union is without any foundation deserves to be dismissed.

5. The first point for consideration in this case is whether the work performed by chowkidars and firemen is in the nature of Sovereign function of the State. According to Union the management i.e. 506 Army Base Workshop undertakes the manufacture and repairs of the arms and ammunition. This function of management is covered under the definition of the Industry. In the case of Union of India V/s Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, reported in 1994 M.P.L.J., pg. 970, it has been decided by the High Court of M.P. that a severable unit of Defence Department carrying on a systematic activity with the co-operation of employees and employer, satisfies the triple test laid down by the Supreme Court in Bangalore Water Supply Case reported in AIR 1978 SC 548. Thus the management is an industry covered by Section 2(J) of I.D. Act.

6. The next contention of Union is that there should be equal pay for equal work. The contention of union is that in the Ordnance Factory from chowkidars and firemen work is only taken for 44.75 hours. In this connection they have filed Ex. W1, which is Order of the Ordnance Factory Board, Ministry of Defence, Government of India dated 13-5-88. This order mentioned in para 3 :

"In view of the judgment of the Supreme Court, it has been decided in consultation with the Ministry of

Defence to implement the order of the Calcutta High Court and allow payment of overtime allowance to the above four categories of non-industrial employees for work beyond 44-3/4 hours a week with effect from 6-11-73."

Thus in the Ordnance Factory the work from chowkidars and firemen is taken for 44.75 hrs. each week from 6-11-73.

7. In the case of Randhir Singh V/s Union of India, reported in AIR 1982 SC 879, the Supreme Court has examined the scale of pay given to Drivers in Delhi Police Force and the same given to employees of Delhi Administration and Central Government has reached to the conclusion that :

"The drivers in the Delhi Police Force perform the same functions and duties as other drivers in service of the Delhi Administration and the Central Government. If anything, by reason of their investiture with the powers, functions and privileges of a Police Officer, their duties and responsibilities are more arduous. There is, therefore, no reason for giving them a lower scale of pay than others. The argument that the drivers of the Delhi Police Force and the other drivers belong to different departments and that the principles of 'equal pay for equal work' is not a principle which the courts may recognise and act upon is unsound".

8. The present management 506 Army Base Workshop, Jabalpur and COD, Jabalpur the working under Ministry of Defence and being paid by the Central Government. The condition of work of the chowkidars and firemen are similar in the two units. But there is a disparity in the working hours of these employees in the two units. The present management cannot justify why this disparity should continue? In the case of Randhir Singh narrated above the Hon'ble Supreme Court has held that the service condition for the people doing same type of work in different unit be same. Thus the artificial interpretation of management in respect of working hours is illegal. The Award is given in favour of the Union. The Chowkidars mentioned in Annexure 'A' and firemen mentioned in Annexure 'B' shall be entitled to overtime wages from 6-11-73 upto date for the period beyond 44.75 hours in a week. The payment be made from the date of Award. The employees be paid interest @ 12% per annum in case of failure to make payment in 3 months time of the date of Award. Management to pay Rs. 5,000/- as cost to Union

9. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3691.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर फॉर ट्राइवाल्स (आई. सी. एम. आर.), जबलपुर (म. प्र.) के प्रबंधनत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कमेकारों के बीच, अनुबंध में निश्चित श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को भ्राताशत करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[स. ए.ल-42011/38/92-आई.आर. (डी.पू.)]
कुलदीप गय वर्मा, इंस्क्र अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3691.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Regional Medical Research Centre for

Tribals (ICMR), Jabalpur (M.P.) and their workmen which was received by the Central Government on 1-12-1999.

[No. L-42011/38/92-I.R.(D.U.)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Presiding Officer, Shri D. N. Dixit.

Case No. CGIT/LC/R/252/93

1. Vinod Kumar S/o Ramdas
2. Vijendra Kumar S/o Sukhlal Radhe Lal
3. Rajkumar Kachchi S/o Gafar
4. Kapoor Chand S/o Sh. Kedarnath
5. Shambhu Kumar S/o Lachchu Pd.
6. Bishan Singh S/o Anandi Singh
7. Basorelal S/o Shri Ram Prasad
8. Bhagwati Prasad S/o Shri Dhanairam

All through Regional Medical Research Centre for Tribals (ICMR), Gorakhpur, Jabalpur (M.P.) Union

versus

The Director, Regional Medical Research Centre for Tribals, Indian Medical Research Centre Near Medical College, Jabalpur (M.P.) Management

AWARD

Delivered on this 30th day of October, 1999

1. The Government of India Ministry of Labour vide its order L-42011/38/92-I.R.(D.U.) dated 19-8-94 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:

"Whether the action of the management of the Regional Medical Research Centre for Tribals (ICMR), Jabalpur, M.P. in terminating the services of Shri Vinod Kumar and 7 others in list given above is justified? If not what relief the workman is entitled to?"

2. The admitted facts of the case are that workmen were employed by the management as Chowkidars from 5-10-89 to 16-11-90. The services of the workmen were terminated from 16-11-90.

3. The case of the 8 workmen is that they were employed in permanent post of chowkidars and have worked for more than 240 days continuously in one calendar year. The break in the services is artificial, in order to defeat the provisions of law. After removal of workmen new people have been engaged by the management to do their work. The workmen seeks reinstatement of service and back wages.

4. The case of the management is that the workmen were employed in temporary jobs on daily wages. Their is no need to give them retrenchment benefit and notice.

5. The management remained absent on 8-3-99 and 5-5-99 and were proceeded ex parte.

6. The workmen produced their affidavit and proved that they have worked continuously from 5-10-89 to 16-11-90. They have further proved notice of retrenchment and retrenchment compensation has not been given to them. Thus termination of services of workmen is contrary to the provision of Section 25F of the I.D. Act.

7. The Award is given in favour of the workmen. The termination order dated 16-11-90 is hereby quashed. The workmen will be deemed to be in service from 16-11-90 till date. Management to pay Rs. 50,000 as cost to workmen. Management do pay to workmen wages from 16-11-90 in 3 months time from the date of Award. Failure to pay this amount in time will make the management liable to pay interest @ 12% per annum on the amount with held.

8. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3692.—श्रीधर्मिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ओर्डनेंस फैब्री, कट्टी जबलपुर (म. प.) के प्रबन्धसंच के सचिव नियोजितों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीधर्मिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधर्मिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. पल-14012/29/85-डी II. (बी)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्ट्रक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3692.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ordnance Factory, Katni, Distt. Jabalpur (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 1-12-1999:

JNo. L-14012/29/85-D-II(B)
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/51/86

Presiding Officer: Shri D. N. Dixit.

Shri Suresh Chand Applicant

versus

General Manager,
Ordnance Factory,
Katni. Non-applicant

AWARD

Delivered on this 2nd day of November, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide order No. L-14012(29)/85-D. II(B) dated 26-5-86 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal—

"Whether the action of the management of Ordnance Factory, Katni, Distt. Jabalpur (MP) in awarding punishment of removal from service to Shri Suresh Chand, LDC with effect from 12-12-84 is justified? If not, what relief is the workman concerned entitled?"

2. The admitted facts of this case are that the workman Suresh Chand was working as LDC with the management in the year 1984 and posted at Katni. He was given a charge-sheet dated 26-8-82 alleging that he was operating Setta

gambling inside the Ordnance Factory, Katni. The workman denied this charge. A departmental enquiry was held in which the workman participated. The workman was asserted by a co-worker in the entire enquiry proceedings. The Enquiry Officer found the workman guilty and submitted his report. The controlling Officer gave the punishment of termination of service from 12-12-84 to the workman.

3. The case of the workman is that the charge of organising Satta Gambling against him was false and fabricated. He has been falsely implicated. In the Enquiry Proceedings, he was not given proper opportunity to defend himself. The enquiry officer conducted the enquiry in a high-handed manner and caused prejudice to the workman. The recording of evidence in the enquiry was arbitrary and not correct. The inference of Enquiry Officer is one sided and biased. The Competent Authority failed to appreciate the evidence in judicial manner and reached to a wrong conclusion. The workman wants reinstatement and back wages. The management has not filed written statement in this case. In the absence of the pleading of the management, the contention of the workman will prevail. The management has deliberately chosen not to file their written statement. The facts asserted by the workman in his statement of claim has not been controverted by the management. The consequence is that the averments of the workman will be taken on face value.

4. This court by order dated 16-3-92 has held that the DE was prejudicial and neither legal nor proper. It has been quashed by order dated 29-3-95, this court permitted the management to prove the misconduct of the workman in this court.

5. The charges levelled against the workman is that as employee of the management, on 25-6-82, he handed over a bundle of Satta parchies to fellow employee Sudhoo Lal for taking them out of the factory and this Sudhoo Lal was searched at gate No. 2 in the evening and Satta parchies recovered from him.

6. The management has examined witness No. 1 Devendra Nath Shrivastava in the court to prove the misconduct of the workman. This witness has filed his affidavit in the court and he has been cross examined on the affidavit. He has stated in his cross examination that the workman was not brought to his office on 25-6-82. This witness does not remember whether he gave evidence in the DE proceedings against the workman. This witness has stated in Para 3 of the cross examination that his statement in the DE are false. Thus this witness does not support the management. He denies his statement in the Enquiry.

7. The 2nd witness produced by the management in the court is Sudhoo Lal. He has filed his affidavit and he has been cross examined. He has stated in para 3 that he has not given evidence against Suresh Chand, the workman. This witness also does not support the management. From the statement of 2 witnesses produced in this court, the management could not prove that the workman has organised Satta Gambling inside the Ordnance Factory Katni in the year 1984. The charge levelled against the workman miserably fails. The consequence is that no punishment can be given to the workman.

8. The award is given in favour of the workman. His order of termination dated 12-12-84 is hereby quashed. He will be deemed to be in service from 12-12-84 up-to-date. The workman will be entitled to wages and allowances as per rules from 12-12-84 onwards. The management is directed to pay the arrears of wages and allowances to workman in 3 months time from the date of the award. If this is not done, the workman will be entitled to @ 12% per annum interest on this amount. Management to pay Rs. 5000 as cost the workman.

9. Copies of the award be sent to the Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई विली, 1 दिसम्बर, 1999

का. अ. 3693—आंशिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डी. आर. एम., सन्दुष रेलवे, जबलपुर (म. प.) के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीशोभिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीशोभिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[म. एल-41012/136/92-ग्राही आर (श्री यू)]
कुलदीप गय वर्मा, दैनिक अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3693.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of D.R.M., Central Railway, Jabalpur (MP) and their workman, which was received by the Central Government on 1-12-99.

[No. L-41012/136/92-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, (M.P.)

Presiding Officer : Shri D. N. Dixit.

Case No. : CGIT/LCR/249/93

Shri Shivkumar Yadav
S/o Shiva Prasad Yadav,
Railway Quarter No. R.B. II,
216-D, Diesel Colony,
N.K.J., Katni,
Jabalpur

... Workman

V/s

The Divisional Railway Manager,
Central Railway,
Jabalpur

... Management

AWARD

Delivered on this 29th day of October, 1999

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its order No. L-41012/136/92-IR(DU), dated 15-9-94 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

“Whether the action of the management of D.R.M., Central Railway, Jabalpur (M.P.) in terminating the services of Shri Shivkumar, s/o Shri Shivaprasad Yadav, Ex-Labour w.e.f. 19-1-85 is justified ? If not, what relief he is entitled to ?”

2. The admitted facts of the case are that workman Shri Shivkumar Yadav was working as a Casual Labour with the PWI, New Katni Junction from 5-9-83 to 2-9-84. The services of workman came to an end from 3-9-84. The workman was given a chargesheet on 23-4-93 about illegal absence.

3. The case of the workman is that he has been terminated w.e.f. 2-9-84 without reason or rhyme 9 years after his termination for illegal absence without assigning any reason the management has stated of proceedings. The workman wants reinstatement and backwages.

4. The case of the management is that workman voluntary stopped work from 3-9-84. His services has not been terminated. The management justified its action.

5. The only point of consideration is whether the services of workman is terminated from 3-9-84 or he has abandoned the work. It does stand to reason that a person who has put in work from 5-9-83 to 2-9-84 will abandoned the work. I will like to point out that the workman has denied the fact of abandonment of work in his affidavit filed in the Court. This fact could not be dislodged in his cross examination.

6. The management has issued a chargesheet to the workman dated 13-4-93 about illegal absence. If the workman has abandoned work from 3-9-84 there is no need to issue a chargesheet to the workman on 13-4-93. This circumstance establishes that the workman is still in service on 13-4-93.

7. The management has not assigned any reason to terminate the services of workman. On the date of termination the workman has put in more than 240 days of service with the management in one calendar year. Retrenchment notice was not given to workman and retrenchment compensation is not paid. Thus the termination of workman is contrary to the provisions of Section 25 (F) of the I.D. Act. The termination of workman from 3-9-84 is illegal.

8. The Award is given in favour of the workman. He will be deemed to be in service from 3-9-84 till date. He is entitled to wages and allowances from this period. Arrears of pay be paid to workman within 3 months from the date of Award. Failure to pay the arrears within time will make the management liable to interest @ 12 per cent per annum. Management to pay cost Rs. 5,000/- to workman.

9. Copies of the Award be sent to Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3694.—औद्योगिक विशाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन इम्यूनोजिकल्स, हैदराबाद के प्रबंधनतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच प्रत्यवेष्ट में निर्दिष्ट औद्योगिक विशाद में औद्योगि-

अधिकरण-II, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[स. एन-42011/5/98-आई आर (झी यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3694.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal-II, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Immunologicals, Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on 1-12-99.

[No. L-42011|5|98-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-II, HYDERABAD

PRESENT :

Sri K. Rajagopala Reddy, B.A., B.L., Chairman.

Dated : 2nd November, 1999

I. D. No. 57 of 1998

(CENTRAL)

BETWEEN

Indian Immunologicals
Employees Union,
The General Secretary,
IIEU, Rakshapuram,
Gachibowli,
HYDERABAD-500 019.

Petitioner

AND

The General Manager,
Indian Immunologicals,
Rakshapuram,
Gachibowli,
HYDERABAD-500 019. . . Respondent

APPEARANCES :

Sri R. Sudhakar, Advocate for Petitioner.

Sri A. Krishna Murthy, Advocate for Respondent.

AWARD

1. This is a reference made by the Government of India, under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), vide Order No. L-42011|5|98-IR(DU), Ministry of Labour, dated 20-07-1998 for adjudication of the following dispute as mentioned in the schedule thereto :

"Whether the action of the management of Indian Immunologicals, Hyderabad in imposing the penalty of stoppage of increment of two years on Shri Md. Shamim is legal and justified?"

If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Petitioner filed claim statement. The averments made in the claim statement in brief are as follows:

2.1. The Petitioner Union is a registered Trade Union under the provisions of the Trade Union Act, 1926, bearing Registration No. A-1259. The Majority of the persons employed in the Respondent Organisation are the members of the Petitioners Union. The Union has taken up the issue with regard to imposition of punishment on Sri Md. Shamim, worker who is member of the Petitioner Union. The Conciliation proceedings initiated by the Petitioner Union before the Assistant Commissioner of Labour (C)-I, Office of the Labour Commissioner (Central) Hyderabad ended in failure on 28-08-1997 and the Assistant Commissioner of Labour submitted a failure report in respect of the conciliation proceedings to the Secretary, Government of India, Ministry of Labour vide letter reference No. 8/18/97-E2, dated 08-01-98. Based on the above the Bharat Sarkar, Shram Mantralaya was pleased to refer this dispute for adjudication before this Tribunal, Sri Md. Shamim, worker herein after called petitioner, employed in the Respondent Organisation since 1984 as worker and belongs to Scheduled Caste Category. On 20th January, 1996 the Petitioner was issued with a chargesheet alleging that he had acted in a disorderly manner and in a manner subversive of discipline establishment by manhandling a co-employee and the same as per the Respondent constitute misconduct as per clause 25(1), (3), (9), (28) and (44) of the certified standing orders and directed the Petitioner to submit an explanation into the above alleged charges levelled against him. The Petitioner was also placed under suspension with immediate effect. The Petitioner submitted explanation in respect of alleged charges levelled against him by way of his explanation dated 29-01-1996 stating that the charges levelled against him are baseless, false, mischievous and motivated and requested for withdrawal of the chargesheet and lifting of suspension order. The Respondent not satisfied with the explanation submitted by the Petitioner proceeded further with the enquiry by appointing one Mr. Bharadwaj, an outsider as an enquiry officer. The said enquiry officer has conducted the enquiry proceedings in a most biased manner and against to the principles of natural justice. The respondent issued a show cause notice to the Petitioner informing that the enquiry officer found the Petitioner guilty of the charges as alleged and advised to submit explanation as to why the said report should not be accepted. In response to the said show cause notice the Petitioner submitted a detailed explanation stating that the Enquiry Officer had not conducted a fair and reasonable enquiry in accordance with the principles of natural justice and accordingly refused to accept the said findings of the one cited enquiry. Respondent not satisfied with the explanation submitted by the Petitioner, vide its letter dated 20-22nd April 1996 issued a show cause notice for the proposed punish-

ment of stoppage of one increment for a period of two years. The petitioner in response to the said letter once again wrote a letter dated 20-05-1996 submitting his detailed explanation and requested not to impose the proposed punishment. Respondent without considering the contentions of the Petitioner passed impugned order of imposing the punishment of stoppage of increment for a period of two years. Thereafter the Petitioner preferred an appeal to the Chief Executive of the Organisation through his letter dated 04-07-1996, but the said appeal was rejected confirming the punishment imposed on the Petitioner. Thereafter the Union has raised an Industrial Dispute before the conciliation officer and the proceedings ended in failure and accordingly the dispute was referred to the Tribunal for adjudication. It is submitted that in regard to the charge that the petitioner had acted in disorderly manner and manhandled the Government of Andhra Pradesh declared a Public Holiday on 19-01-1996 as a mark of respect to late Sri N. T. Rama Rao, the Management did not declare the 19-01-1996 as a paid holiday inspite of the Union requested for the reasons unknown to them. All the Workers in order to pursue the matter with the representatives of the Management proceeded towards the administrative block and the Petitioner was also followed them on reaching there he found around 60 to 70 outside persons asking the management to close down the factory as a mark of respect on account of sudden demise of Sri N. T. Rama Rao. When the Management refused to heed to their request they started smashing the glasses of doors and windows. The management representatives instead of bringing the situation under control adopted retaliatory attitude by using abusive language against the outsiders on account of such provocation the outsiders manhandled Lala Reddy, C. B. Raju and Kariath. On seeing the situation the workers went to the rescue of the representative of the management by blocking and requesting the outsiders not to beat the officers. Subsequently the management declared a holiday and all the outsiders left the factory premises. The Respondent an act of victimisation and vindictive attitude with malafide intention implicated the Petitioner by levelling false, fabricated and concocted alleged charges. The enquiry officer had grossly violated the principles of natural justice and fair play and procedures and used his personal knowledge while arriving at the findings holding the Petitioner guilty of the alleged charges and such findings are contrary to the enquiry proceedings recorded and accordingly the same are not based on the facts and liable to be rejected. The Enquiry Officer had not afforded fair and reasonable opportunity to the petitioner to defend the case. As such the enquiry proceedings and report are illegal, invalid and liable to be rejected. The Enquiry Officer had put all the leading questions to the witnesses which is a clear indication of his prejudicial mind which is contrary to the principles of natural justice. From the above it is evident beyond any reasonable doubt that the enquiry officer had taken the role of disciplinary authority and presenting officer instead of acting as impartial, contrary behaved in arbitrary and high handed manner depriving the fair and reasonable opportunity to defend the case of the Petitioner. The Respondent deliberately failed to produce the witness of Dr G. S.

Reddy and Mr. Shivaramakrishnaiah whose names figured in the original complaint as witnesses. But instead of the above witnesses one Dr. Kariath was produced as witness, whose name does not figure in the complaint nor in the chargesheet. A careful perusal of the depositions made by the witnesses very clearly and beyond reasonable doubt establishes the ill motivated intention of the respondent how he was tutored to depose against the petitioner. Non production of important witnesses on whose evidence the charges rests totally vitiates the entire enquiry proceedings and the said interested witness depositions are liable for rejection. Hence to set aside the impugned order No. ADM : PF : 96 : p. 386, dated 22nd May, 1996.

3. Respondent filed counter denying the allegations made in the claim statement and further stated that the enquiry officer conducted the enquiry in accordance with the principles of natural justice and the findings of the Enquiry Officer are also based on the material available on record. The petitioner was given fair and reasonable opportunity to defend his case. The Enquiry Officer has submitted his report and found the Petitioner guilty of misconduct. The Management after careful consideration of the enquiry report proceedings and material available on the record found that the enquiry officer has conducted fair and proper in accordance with the principles of natural justice. However the management issued a show cause notice calling upon the Petitioner as to why the said findings of the enquiry officer should not be accepted by duly furnishing the enquiry officers report. In response to the said show cause notice the petitioner has submitted a reply raising various untenable and unsustainable contentions and failed to make out any ground not to accept the findings of the Enquiry Officer. Therefore the said findings of the enquiry officer were accepted in full. The management considered the gravity and seriousness of the each of the misconducts proved against the petitioner and found that the charges proved against the Petitioner amounts to gross misconducts and the charges proved are grave and serious in nature. Therefore the management has proposed to impose the punishment of stoppage of one increment for a period of 2 years and a show cause notice dated 22-5-1996, was issued as to why the said proposed punishment should not be imposed. The Petitioner has submitted an explanation dated 4-7-1996 wherein he has raised various false and untenable contentions and failed to make out any ground not to impose the proposed punishment. Therefore the Management imposed the punishment of stoppage of one increment for a period of two years for the proved misconduct. The allegations of the petitioner that the respondent deliberately failed to produce Dr. G. S. Reddy and Sri Sivaramakrishnaiah as witness and instead Dr. Kariath was produced as witness is totally irrelevant. It is up to the presenting officer to produce the witness and the presenting officer produced the related witness Dr. Kariath who was very much present at the time of incident. The Petitioner has no locus standi to question the right of the presenting officer that he should not present any particular witness. In any case the Petitioner has also not taken any steps to summon any particular witness if he is really interested. It is submitted that this court may be pleased to decide the issue of validity of domestic enquiry

including findings of the Enquiry Officer that the charges levelled against the Petitioner vide Charge sheet dated 20-1-1996 as preliminary issue before calling upon the parties to lead evidence and to make submissions on the merits of the case. In the event of this Court comes to a conclusion that the Domestic enquiry conducted by the Respondent is not valid or not proper for any reason whatsoever an opportunity be given to the Respondent to lead evidence and to prove the charges made against the Petitioner. The Petitioner was found guilty of the grave and serious misconduct which is committed during working hours in the factory premises. Even though the management is at liberty to take severe disciplinary action against the petitioner only a minor punishment of stoppage of one increment of a period of two years was imposed, against the petitioner. The said punishment is proportionate to the misconduct proved against the petitioner and no interference is warranted against the said punishment. In any case the discipline in the factory cannot be maintained, if the employer has no right to impose such kind of punishment. Hence the punishment given by the management may be declared as valid and justified. Hence, the petition is liable to be dismissed with costs.

4. After hearing both the parties this Tribunal held on 4-8-1999 that the domestic enquiry conducted in this case is valid. The said order is not being questioned in any court hence it has become final. Now, it is to be considered whether the findings of the Enquiry Officer that the charges levelled against the petitioner are proved is correct or not.

5. With consent Ex.W1 to W11 are got marked on behalf of the Petitioner. Ex. M1 to M9 are got marked on behalf of the Respondent.

5.1. Ex. W1 is the Chargesheet dt. 20th January, 1996. Ex. W2 is the explanation to the chargesheet, dated 29th January, 1996. Ex. W3 is the domestic enquiry proceedings. Ex. W4 is the show cause notice and domestic enquiry proceedings dated 20/22 April, 1996. Ex. W5 dated 6th May, 1996 is the reply letter to show cause notice not accepting enquiry proceedings. Ex. W6 is the show cause notice for proposed punishment, dated 10th May, 1996. Ex. W7 is the explanation to the proposed punishment, dated 20th May, 1996. Ex. W8 is the punishment order, dated 22nd May, 1996. Ex. W9 is the appeal against the punishment order dated 4-7-1996. Ex. W10 dated 26/29th August, 1996 confirmation of punishment order. Ex. W11 is the F.I.R., copy.

5.2. Ex. M1 is the domestic enquiry proceedings alongwith Ex. No. 1 to Ex. No. 8, dated 28th February, 1996. Ex. M2 is the findings of the Enquiry Officer. Ex. M3 is the show cause notice dated 20/23-4-96. Ex. M4 dated 30th April, 1996 is the representation given by the petitioner to grant one week time to submit explanation. Ex. M5 is the explanation to the show cause notice dated 20/23-4-96, of 6-5-1996. Ex. M6 dated 10-5-96 is the show cause notice. Ex. M7 is the representation given by the petitioner to grant one week time to submit explanation, dated 13-5-96. Ex. M8 is the explanation to the show cause notice dated 20-5-1996. Ex. M9 is the copy of punishment order dated 22/25-5-1996. Ex. M10 dated 4-7-1996 is an Appeal against the

Punishment order. Ex. M11 dated 26/29-8-1996 is the reply given by the Appellate Authority. Ex.M12 dated 29-8-1997 is the letter from Management addressed to the Assistant Labour Commissioner (c)I., Hyderabad.

5.3. The charge framed against the Petitioner is as follows :—

"That on 19-1-1996 at about 10-55 A.M. you in combination with other workman Shri E. Yadaiah, worker, production department manhandled and threatened Dr. T. Sreevardhan, Dy. Manager (PD) at Administration building near the passage leading to production block, while he was coming out from library room after attending the meeting with union office bearers. You have cornered him physically and manhandled him using abusive language though Dr. T. Sreevardhan was advising you not to resort to unlawful behaviour. After that, you have proceeded to first floor of Administration building and entered into the office room of Smt. A. Laxmi Asst., Officer and snatched the telephone from her hand and damaged the instruments connected to Advisor and General Manager.

You have acted in a disorderly manner and in a manner subversive of discipline of the establishment by manhandling a co-employee and damaging organisation property".

6. The Petitioner is Indian Immunologicals Employees Union, represented by its General Secretary. Sri Md. Shameem working in the Respondent Company is one of the member in the Petitioners Union. Petitioners Union took up the cause of Sri Md. Shameem, before the Assistant Labour Commissioner since the Respondent Management imposed punishment of stoppage of increment of two years on the said Mr. Shameem. The conciliation proceedings are failed before the Assistant Commissioner of Labour, therefore the Assistant Commissioner of Labour submitted a failure report. Thereafter the matter is referred to his Tribunal for adjudication with regard to the dispute between the said, Mr. Shameem represented by its Petitioners Union and the Respondent Management. For the convenience sake I will herein after refer the said Md. Shameem as the Petitioner.

6.1. The Petitioner is working in the Respondent Organisation since 1984. On 20th January, 1996 the Petitioner was issued with a chargesheet (Ex. W1) alleging that the Petitioner acted in a disorderly order and in a manner subversive of discipline of establishment by manhandling a co-employee and the same as per the Respondent constitute misconduct as per clause 25(1), (9), (28) and (44) of the certified standing orders and directed the Petitioner to submit explanation into the said charges levelled against him. The Petitioner was placed under suspension with immediate effect. The Petitioner submitted an explanation for the said charge levelled against him by way of explanation dated 29-1-1996 (Ex. W2). Thereafter the Respondent proceeded further in the matter by appointing one Mr. Bharadwaj an outsider as an Enquiry Officer

The said Enquiry Officer after conducting an enquiry submitted his report as in Ex. M2. During the course of enquiry he recorded the statements of Dr. T. Sreevardhan, Dy. Manager and Sri A. P. Kariah. Infact the Petitioner cross-examined Dr. T. Sreevardhan, Dy. Manager. But the Petitioner did not choose to cross-examine the said Dr. A. P. Kariah, on the ground that his name was not finding place in the list of witness in the chargesheet. The enquiry officer submitted his report to the Respondent stating that the charge levelled against the Petitioner was proved. After receiving the said Enquiry report by the Respondent a show cause notice was issued (Ex. W4) to the Petitioner. The Petitioner gave an explanation to the said show cause notice as in Ex. M5. Thereafter the Respondent got issued show cause notice for proposed punishment as in Ex. W6. The petitioner submitted an explanation to the said proposed punishment as in Ex. W7. Thereafter the Respondent passed the impugned order dated 28-5-1996 as in Ex. W8. The Petitioner preferred an appeal against the said order. The said appeal was dismissed confirming the order of the Respondent.

6.2. The Petitioner denied his presence at the place of incidence and also participating in the incident. In the explanation to the chargesheet given by the petitioner the Petitioner has stated that he was not at all present at the place of the incident and he has not participated in the said incident.

6.3. At this juncture it is relevant to go through the complaint given by Dr. T. Sreevardhan. Ex. M1, which is the enquiry proceedings contains the said complaint given by Dr. T. Sreevardhan and infact the said complaint of Sreevardhan was marked as Ex. No. 6 by the Enquiry Officer. In the said complaint the said Dr. T. Sreevardhan has categorically stated that Mohd. Shameem and Sri E. Yadaiah physically assaulted him and cornered him towards the wall adjoining to the ladies toilet. During the course of enquiry the said Dr. T. Sreevardhan has stated about the presence of the Petitioner herein and Sri E. Yadaiah and about their participation in the incident by pushing him towards the wall by using abusive language. At this juncture it is relevant to extract the question and answer put to Dr. T. Sreevardhan by presenting officer during the course of Chief-Examination which reads as follows :

"Q: In your complaint you have stated that Mr. Md. Shameem and Mr. Yadaiah pushed you to the wall and punched in your stomach is that true ?

Ans. They were the people who really pushed me to the wall. There was a possibility of their punching me but I do not know who really punched me ?"

6.4. At this juncture it is also relevant to extract the question and answer put by the representative of the Petitioner to Dr. T. Sreevardhan during the course of cross-examination which reads as follows

"Q. On 19-1-1996 you have stated in your complaint that Mr. E. Yadaiah and Mr. Shameem pushed you to the wall and how long they were holding you like that ?

Ans They did not pushed me to the wall but put me 'owards the wall, I did not measure the time. It may be five to ten minutes".

Another question that was put to this witness is as follows :

"Q. If they were pushing you to the wall five to ten minutes, don't you think if they want to assault you they could have done it ?

Ans. I couldn't answer this question".

The above questions put to the victim would disclose that both E. Yadaiah and Md. Shameem pushed the said witness to the wall. It is immaterial whether the said persons pushed the said Dr. T. Sreevardhan to the wall or put him towards the wall. No suggestion was put to this witness by the defence that the Shameem (Petitioner herein) was not present alongwith E. Yadaiah and they did not push this witness towards the wall. Even no suggestion was put to this witness that the petitioner was not present at the place of the incident. Nothing was got elicited through this witness that his witness was enemical towards the petitioner i.e., Shameem and hence he implicated the petitioner herein even though he was not present at the place of the incident and not participated in the said 'incident'. Moreover the Respondent management examined Dr. A.P. Kariath as a witness during the course of enquiry. The said Dr. A. P. Kariath also stated that the Petitioner herein and E. Yadaiah were present and they manhandled Dr. T. Sreevardhan by using abusive language. It is a fact that the Petitioner herein did not cross-examine the said Kariath on the ground that his name does not find place in the charge sheet. There is no necessity for the said Kariath to depose about the presence of the petitioner herein at the place of incident and also participating in the said incident alongwith one Sri E. Yadaiah if really the petitioner was not present at the place of incident. It is a fact that the petitioner herein examined five witnesses on his behalf during the course of enquiry to show that he was not present at the place of incident and he was actually in the place where he has to work in the factory. It is interesting to note that the petitioner herein examined E. Yadaiah who was present at the place of incident and participated in the incident as his witness and he has stated that Md. Shameem (Petitioner herein) was not present at the place of the incident. But the enquiry officer by giving cogent reasons disbelieved his evidence. I have perused the enquiry report. As already stated by me that there is no necessity for the victim Dr. T. Sreevardhan to depose that the Petitioner herein also present alongwith one E. Yadaiah and pushed him to the wall if really the petitioner herein was not present and participated in the incident. Hence the contention of the Petitioner that he was not present at the place of the incident and not participated in the said incident cannot be believed.

6.4. The contention of the Petitioner counsel is that Dr. A. P. Kariath was not present at the time of the present incident and hence his evidence cannot be taken into consideration to come to a conclusion that the petitioner herein and Shameem cornered Dr. T. Sreevardhan and manhandled him by using abusive language. It is the contention of the petitioner counsel that the name of Dr. A. P. Kariath is not

find place in the charge sheet and hence his evidence cannot be taken into consideration. It is the contention of the counsel for the respondent that Mr. Laxma Reddy, and Dr. A. P. Kariath were present along with others and witnessed the incidence and hence the evidence of Dr. A. P. Kariath also can be taken into consideration. At this juncture it is relevant to state that during the course of evidence given by Dr. T. Sreevardhan before the Enquiry Officer he has stated that Mr. Laxma Reddy, and Dr. A. P. Kariath, and C. B. Raju were standing in the lobby and infact the following question was put to the said witness by the Petitioner herein during the course of the said enquiry which reads as follows ;

"Q : On 19-01-1996 when you are there i.e., yourself and Dr. A.P. Kariath and C. B. Raju came out of the meeting where were you of exactly standing ?

Ans. : It was a passage, C. B. Raju standing near the stair case and next to him Dr. Kariath and I was standing next to him.

Q : Can you please draw a picture and show it to so ?

Ans : Diagram drawn by Dr. T. Sreevardhan, Ex. M8.

Q : Please state where was Dr. Kariath standing to your left or right ?

Ans : He was standing to my left ?"

The above questions put by the petitioner would disclose that Dr. A. P. Kariath was also present alongwith C. B. Raju and Dr. T. Sreevardhan.

6.5. For the foregoing reasons I am of the view that the finding of the enquiry officer that Mr. Md. Shameem (Petitioner herein) and Sri Yadaiah concerned Dr. T. Sreevardhan, physically and manhandled him by using abusive language on 19-1-1996 at about 10.55 A.M. at Administrative building near the passage leading to production block while the said Dr. T. Sreevardhan is coming out from library room, is perfectly correct. It is also the charge against the petitioner herein that after completing the manhandling of Dr. T. Sreevardhan, by himself and E. Yadaiah the petitioner proceeded to first floor of Administrative building and entered into the office room of Smt. A. Laxmi, Asstt. Officer and snatched the telephone from her hand and damaged the instrument connected to Advisor and General Manager. To prove the said charge the Respondent management examined the said Smt. A. Laxmi. The Enquiry Officer believed the evidence of Smt. A. Laxmi and has come to a conclusion that the Petitioner herein entered into the office room of A. Laxmi, Assistant Officer and snatched the telephone from her hand and damaged the instrument connected to advisor and General Manager. There is no enmity between Smt. A. Laxmi and the Petitioners. A question was put to Smt. A. Lakshmi by the Petitioner herein whether she has seen Mr. Shameem and Mr. E. Yadaiah, for the said question she replied that Mr. E. Yadaiah did not come into her room. Mr. Shameem above came into her room. Another question was put to this witness that on 19-01-1996 some outsider has come into her room and pulled the telephone wires and not Mr. Shameem. But this witness has categorically stated that it is not so. The following question was put to this witness by the Petitioner.

"Q : Is there any conflict or grudge between you and Mr. Shameem ?

Ans : No".

So it is clear from the above answers of Smt. A. Laxmi, that there is no conflict or grudge between her and Mr. Shameem (Petitioner). When it is so there is no necessity for this witness to depose that the Shameem (Petitioner) entered into her room and snatched the telephone from her hand and damaged the instrument. Under those circumstances I am of the view that the finding of the Enquiry Officer that the Shameem entered into the Office Room of A. Laxmi, Assistant Officer, and snatched the Telephone from her hand and damaged the instrument is proved is perfectly correct. Under those circumstances the finding of the Enquiry Officer with the charge framed against the Petitioner is proved is perfectly correct and needs no interference by this Tribunal.

6.6 The contention of the Petitioner counsel is that the Respondent management gave a complaint to the Police with

regard to the said incident in which the name of the Petitioner does not find place. Ex. W11 is the copy of the F.I.R. It is true that Ex. W11 does not contain the name of the Petitioner herein as one of the accused. For which the contention of the Respondent counsel is that on the date of the incident outsiders entered into the Respondent premises and caused damage and with regard to the said damage the Respondent management gave a complaint showing the names of the persons who caused the damage to the property of the Respondent company. In fact the said complaint is not given with regard to the manhandling of Dr. T. Sreevardhan by the Petitioner herein and E. Yadaiah. Hence Ex. W1 does not contain the names of the Petitioner and E. Yadaiah as accused.

6.7. On perusal of Ex. W11 it can be said that the Respondent Management gave a complaint to the Police stating that on 19-01-1996 at about 10.55 A.M. accused mentioned in Column 7 in F.I.R. (E. Mallareddy & Others) criminally entered into the factory and damaged the building glasses, reception and PABX and also beat the employee Sri T. Laxma Reddy for closing the factory in memory of late Sri N. T. Rama Rao, former Chief Minister of Andhra Pradesh. Since the complaint was given to the police with regard to the damage caused to the Respondent factory by E. Mallareddy and Others, the Respondent did not mention the names of Petitioner and Mr. E. Yadaiah, as they did not cause any damage to the Respondent property and also they did not beat Sri T. Laxma Reddy, Security guard. The Petitioner counsel nextly contended that to harass and victimise the Petitioner the Respondent implicated the Petitioner and gave such a punishment. For which the contention of the Respondent counsel is that subsequently the stoppage of increment was lifted and increment was released and even the petitioner was given promotion subsequently. If really the Respondent wants to victimise the Petitioner, the respondent ought not have promoted the Petitioner. Hence the contention of the petitioner counsel that to victimise the Petitioner the Respondent implicated the Petitioner in this case and gave such a punishment cannot be believed. Moreover to maintain discipline the Respondent has to impose some punishment on the employees if their misconduct is proved. The contention of the Respondent counsel is that the behaviour of the petitioner towards the Officer of the Respondent company in this case is serious in nature. If really the respondent wants to harass the petitioner the Respondent ought to have dismissed the Petitioner since the charge proved against the petitioner is serious in nature. But the Respondent did not impose any such punishment against the Petitioner. Moreover no stigma is attached to the Petitioner in giving the said punishment since the Petitioner was already promoted and working in the higher post. Even the punishment imposed in this case is not severe and needs no intercession by this Tribunal.

7. For the foregoing reasons I am of the view that the finding of the enquiry officer that the charge framed against Md. Shameem is proved and he is guilty of the said charge is perfectly correct and needs no intercession. In view of my above discussion the punishment imposed against the Petitioner is not severe and needs no intercession by this Tribunal. Hence the action of the management of Indian Immunologicals in imposing penalty of stoppage of increment of two years on Md. Shameem is legal and justified. So Sri Md. Shameem is not entitled for any relief in this, I.D.,

8. The Petitioner is not entitled for any relief in this Industrial Dispute.

9. The reference is answered accordingly and the Award is passed.

The Award shall come into force under section 17-A of I.D. Act, after one month of Publication of the Award.

Dictated to the Stenographer, transcribed by her, corrected by me and given under my hand and seal of this Tribunal on this the 2nd day of November, 1999.

K. RAJAGOPALA REDDY, Chairman

APPENDIX OF EVIDENCE

WITNESSES EXAMINED

For Petitioner : NIL

For Respondent : NIL

DOCUMENTS MARKED

- For Petitioner :—(Documents marked with consent).
- Ex. W1 : 20-01-96—Xerox copy of chargesheet.
 Ex. W2 : 29-01-96—Xerox copy of explanation to the chargesheet.
 Ex. W3 : —Xerox copy of domestic enquiry proceedings.
 Ex. W4 : 20/22-04-96—Xerox copy of show cause notice and domestic enquiry findings.
 Ex. W5 : 06-05-96—Xerox copy of reply letter to the show cause notice not accepting enquiry proceedings.
 Ex. W6 : 10-05-96—Xerox copy of show cause notice for proposal punishment.
 Ex. W7 : 20-05-96—Xerox copy of explanation to the show cause notice.
 Ex. W8 : 22-05-96—Xerox copy of punishment order.
 Ex. W9 : 04-07-96—Xerox copy of Appeal against the punishment order.
 Ex. W10 : 26-08-96—Xerox copy of confirmation of punishment order.
 Ex. W11 : --F.I.R. Copy.
- For Respondent :—(Documents marked with consent).
- Ex. M1 : 28-02-96—Domestic enquiry proceedings along with Ex. No. 1 to Ex. No. 8.
- Ex. M2 : —Findings of Domestic Enquiry.
 Ex. M3 : 20/23-4-96—Show cause notice.
 Ex. M4 : 30-04-96—Petitioner given the representation to grant one week time to submit explanation.
 Ex. M5 : 06-05-96—Explanation to the show cause notice, dt. 20/25-04-96.
 Ex. M6 : 10-05-96—Show cause notice.
 Ex. M7 : 13-05-96—Petitioner given a representation to grant one week time to submit explanation.
 Ex. M8 : 20-05-96—Explanation to the show cause notice.
 Ex. M9 : 22/25-5-96—C. C. of punishment order.
 Ex. M10 : 04-07-96—Appeal against the punishment order.
 Ex. M11 : 26/29-8-96 : Reply given by the Appellate Authority.
 Ex. M12 : 29 08-97—Letter from Management addressed to the A.L.C. (C)-I, Hyderabad.

नई दिल्ली, 1 विसम्बर, 1999

का. आ 3695.—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स, हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में प्रौद्योगिक अधिकरण-II, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42011/2/98-आई आर (डी य)]
 कृलदीप राय बर्मा, डैस्ट्रिक्ट अधिकारी

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3695.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal-II, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Immunologicals.

nologicals, Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on the 1-12-99.

[No. L-42011|2|98-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-II, AT HYDERABAD.

PRESENT :

Sri K. Rajagopala Reddy, B.A., B.L., Chairman.
Dated : 2nd November, 1999

I. D. No. 56 of 1998

(CENTRAL)

BETWEEN

Indian Immunologicals, Employees Union,
The General Secretary,
IIEU, Rakshapuram,
Gachibowli,
HYDERABAD-500 019. . . Petitioner

AND

The General Manager,
Indian Immunologicals,
Rakshapuram,
Gachibowli,
HYDERABAD-500 019. . . Respondent

Appearances :

Sri R. Sudhakar, Advocate for the Petitioner.
Sri R. Krishna Murthy, Advocate for Respondent.

AWARD.

1. This is a reference made by the Government of India under Clause (d) of Sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) vide Order No. L-42011|2|98|IR(DU), Ministry of Labour, dated 20-07-1998 for adjudication of the following dispute as mentioned in the schedule thereto :

"Whether the action of the management of Indian Immunologicals, Hyderabad in imposing the penalty of stoppage of increment of two years in Shri E. Yadaiah, is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to".

2. Petitioner filed claim statement. The averments made in the claim statement in brief are as follows:—

2.1. The Petitioner Union is a registered Trade Union under the provisions of the Trade Union Act, 1926 bearing Registration No. A-1259. The Majority of the persons employed in the Respondent Organisation are the members of the Petitioners Union. The Union has taken up the issue with regard to the imposition of punishment in Sri E. Yadaiah, worker who is member of the Petitioner Union. The conciliation proceedings initiated by the Petitioner Union before the Assistant Commissioner of Labour (C)-I, Office of the Labour Commissioner (Central) Hyderabad ended in failure on 28-08-97 and the Assistant Commissioner of Labour submitted a failure report in respect of the conciliation proceedings to the Secretary, Government of India, Ministry of Labour vide letter reference No. 8|17|97-E2, dated 08-01-98.

Based on the above the Bharat Sarkar, Shram Mantaraya was pleased to refer this dispute for adjudication before this Tribunal. Sri E. Yadaiah, worker hereinabove called petitioner, employed in the Respondent organisation since 1990 as worker and belongs to Scheduled Caste Category. On 20th January, 1996 the Petitioner was issued with a Chargesheet alleging that he acted in a disorderly order and in a manner subversive of discipline of the establishment by manhandling a co-employee and the same as per the respondent constitute misconduct as per clause 25(1), (9), (28) and (44) of the certified standing orders and directed the Petitioner to submit explanation into the above alleged charges levelled against him. The Petitioner was also placed under suspension with immediate effect. The Petitioner submitted explanation in respect of alleged charges levelled against him by way of his explanation dated 29-01-1996 stating that the charges levelled against him are baseless, false, mischievous and motivated and requested for withdrawal of the chargesheet and lifting of suspension order. The Respondent not satisfied with the explanation submitted by the Petitioner proceeded further with the enquiry by appointing one Mr. Bharadwaj an outsider as an Enquiry Officer. The said Enquiry Officer has conducted the enquiry proceedings in most biased manner and against to the principles of natural justice. The Respondent issued a show cause notice to the Petitioner informing that the enquiry officer finding the petitioner guilty of the charges as alleged and advised to submit explanation as to why the said report should not be accepted. In response to the said show cause notice the Petitioner submitted a detailed explanation stating that the enquiry officer had not conducted a fair and reasonable enquiry in accordance with the principles of natural justice and accordingly refused to accept the said findings of the one cited enquiry. Respondent not satisfied with the explanation submitted by the Petitioner vide its letter dated 18-20th May, 1996 issued a show cause notice for the proposed punishment of stoppage of one increment for a period of 2 years. The Petitioner in response to the said letter once again wrote a letter dated 28-05-1996 submitted his detailed explanation and requested not to impose the proposed punishment. Respondent without considering the contentions of the Petitioner passed the impugned order by imposing the punishment of stoppage of Increment for a period of 2 years. Thereafter the Petitioner preferred an appeal to the Chief Executive of the organisation through his letter dated 04-07-1996, but the said appeal was rejected by confirming the punishment imposed on the Petitioner. Thereafter the Union has raised an industrial Dispute before conciliation officer and the proceedings ended in failure and accordingly the dispute was referred to the Tribunal for adjudication. It is submitted that in regard to the Charge that the petitioner had acted in disorderly manner and manhandled, the Government of Andhra Pradesh declared a public holiday on 19-01-1996 as a mark of respect to late N. T. Rama Rao. The management did not declare 19-01-1996 as a paid holiday inspite of the Union requested for the reasons unknown to them. All the workers in order to pursue the matter with the representatives of the management proceeded towards the administrative block and the petitioner was also followed them and on reaching there he found around 60 to 70 outside persons asking the manage-

ment to close down the factory as a mark of respect on account of sudden demise of N. T. Rama Rao. When the management refused to heed to their request they started smashing the glasses of doors and windows. The management representatives instead of bringing the situation under control adopted retaliatory attitude by using abusive language against the outsiders on account of such provocation the outsiders manhandled Lama Reddy, C.B. Raju and Karja h. On seeing the situation the workers want to the rescue of the representative of the management by blocking and requesting the outsiders not beat the officers and the petitioner at that instance found one of the outsider trying to manhandle Dr. Srivardhan for his unnecessary loose talk and the petitioner stood in between and protected him and in the process he got beatings from the outsiders. Subsequently the management declared the holiday and all the outsiders left the factory premises. The Petitioner was actively involved in formation of SC and ST Welfare Association and on several occasions taken up the issue of injustice meted out to the dalit employees and questioned the bona fides in recruitment of other issues. The Respondent an act of victimisation and vindictive attitude with malafide intention implicated the petitioner by levelling false fabricated and concocted alleged charges. The enquiry officer had grossly violated the principles of natural justice and fair play and procedure and used his personal knowledge while arriving at the findings are contrary to the enquiry proceedings recorded and accordingly the same are not based on the facts and liable to be rejected. The enquiry officer had not afforded fair and reasonable opportunity to the petitioner to defend the case. As such the enquiry proceedings and report are illegal, invalid and liable to be rejected. During the enquiry the main complainant on whose evidence the entire prosecution rests and charges have framed himself gave many contradictory statements and mentioned at various stages of enquiry that he does not know who had actually manhandled him and more specifically the Petitioner had not punched him and his only presumption was that he was standing in front of him at a instance. The Enquiry Officer had put all the leading questions to the witness which is a clear indication of his prejudicial mind which is contrary to the principles of natural justice. From the above it is evident beyond any reasonable doubt that the enquiry officer had taken the role of disciplinary authority and presenting officer instead of acting as an impartial and contrary behaved in arbitrary and high handed manner depriving the fair and reasonable opportunity to defend the case of the Petitioner. The respondent deliberately failed to produce the witness Dr. G.S. Reddy, & Sri Shivaramakrishnaiah, whose names figure in the original complaint as witnesses. But instead of above witnesses one Dr. Kariath produced as witness whose name does not figure in the complaint nor in the chargesheet. A careful perusal of the depositions made by the witnesses very clearly and beyond reasonable doubt establishes the ill motivated intention of the Respondent how he was tutored to depose against the petitioner. Non-production of important witnesses on whose evidence the charges rests totally vitiates the total enquiry proceedings and the said interested witness depositions are liable for

rejection. Hence to set aside the impugned order No. ADM : PF : 96 : 416 dated 30th May, 1996.

3. Respondent filed counter denying the allegations made in the claim statement and further stated that the Enquiry Officer conducted the enquiry in accordance with the principles of natural justice and the findings of the enquiry officer are also based on the material available on record. The petitioner was given fair and reasonable opportunity to defend his case. The enquiry officer has submitted his report and found the Petitioner guilty of misconduct. The Management after careful consideration of the enquiry report proceedings and material available on record found that the enquiry officer has conducted fair and proper enquiry in accordance with principles of natural justice. However the management issued a show cause notice calling upon the petitioner as to why the said findings of the enquiry officer should not be accepted by duly furnishing the enquiry officers report. In response to the said show cause notice the Petitioner has submitted a reply raising various untenable and unsustainable contentions and failed to make out any ground not to accept the findings of the Enquiry Officer. Therefore the said findings of the Enquiry Officer were accepted in full. The management considered the gravity and seriousness of the each of the misconducts proved against the petitioner and found that the charges proved against the petitioner amounts to gross indiscipline and the charges proved are grave and serious in nature. Therefore the management has proposed to impose the punishment of stoppage of one increment for a period of 2 years and a show cause notice dated 18+20th May, 1996 was issued as to why the said proposed punishment should not be imposed. The Petitioner has submitted an explanation dated 28-5-1996 wherein he has raised various false and untenable contentions and failed to make out any ground not to impose the proposed punishment. Therefore the management imposed the punishment of stoppage of one increment for a period of 2 years for the proved misconduct. The allegations of the petitioner that the respondent deliberately failed to produce Dr. G.S. Reddy, and Sri Sivaramakrishnaiah as witness and instead Dr. Kariath was produced as witness is totally irrelevant. It is upto the presenting officer to produce the witness and the presenting officer produced the related witness Dr. Kariath who was very much present at the time of incident. The Petitioner has no locus standi to question the right of the presenting officer that he should not present any particular witness. In any case the petitioner has also not taken any steps to summon any particular witness if he is really interested. It is submitted that this court may be pleased to decide the issue of validity of domestic enquiry including findings of the Enquiry Officer that the charges levelled against the Petitioner vide chargesheet dated 20-1-96 as a preliminary issue before calling upon the parties to lead evidence and to make submission on the merits of the case. In the event of this court comes to a conclusion that the domestic enquiry conducted by the Respondent is not valid or not proper for any reason whatsoever an opportunity be given to the respondent to lead evidence and to prove the charges made against the petitioner. The petitioner was found guilty of the grave and serious misconduct, which is

committed during working hours in the factory premises. Eventhough the management is at liberary to take severe disciplinary action against the petitioner only a minor punishment of stoppage of one increment for a period of 2 years was imposed against the petitioner. The said punishment is proportionate to the misconduct proved against the petitioner and no interferance is warranted against the said punishment. In any case the discipline in hte factory cannot be maintained if an employer has no right to impose such kind of punishment. Hence the punishment given by the management may be declared valid and justified. Hence the petition is liable to be dismissed with costs.

4. After hearing both the parties this Tribunal held on 4-8-1999 that the domestic enquiry conducted in this case is valid. The said order is not being questioned in any court. Hence it has become final. Now it is to be considered whether the finding of the enquiry officer that the charge levelled against the petitioner is proved is correct or not.

4.1. With consent Ex.W1 to W11 are got marked, on behalf of the petitioner. Ex.M1 to M9 are got marked on behalf of the Respondent. Ex.W1 is the chargesheet dated 20:h January, 1996. Ex.W2 is the explanation to the chargesheet dated 29-1-1996. Ex.W3 is the domestic enquiry proceedings. Ex.W4 is show cause notice and domes ic enquiry proceedings dated 20/22nd April, 1996. Ex.W5 is the reply letter to show cause notice not accepting enquiry proceedings. Ex. W6 dated 18/20th May, 1996, is show cause notice for proposed punishment. Ex.W7 dated 28th May, 1996 is explanation to be proposed punishment. Ex.W8 is the punishment order dated 28'h May, 1996. Ex.W9 is the appeal against the punishment order, dated 4th July, 1996. Ex.W10 is the confirmation of punishment order, dated 16th August, 1996. Ex.W11 is F.I.R. copy.

4.2. Ex.M1 is the domestic enquiry proceedings along with Ex. No.1 to Ex. No. 3 and enquiry notice dated 26-2-1998. Ex.M2 is the domestic enquiry findings against the petitioner. Ex.M3 is the reply to the show cause notice dated 20/22-4-1996. Ex.M4 is the show cause notice dated 18/20-5-1996. Ex.M5 is the reply to the show cause notice dated 28-5-1996. Ex.M6 is the punishment order given by management dated 30-5-1996. Ex.M7 is the appeal against the punishment order dated 4-7-1996. Ex. M8 is the confirmation of punishment order, dated 16-8-1996. Ex.M9 is the letter from the management addressed to the Assistant Commissioner of Labour (e)-I, dated 29-8-1996.

4.3. The charge framed against the petitioner is as follows :—

at on 19-1-1996 at 10-55 A.M. you in combination with other workman Shri Md. Shameem, worker in Engineering Department threatened and man handled Dr. T. Sreevardhan, Dy. Manager (PD) at administration building near the passage leading to production block, while he was coming out from library after attending the meeting with Union office bearers. You have cornered him physically and manhandled him using abusive language though

Dr. T. Sreevardhan was advising you not to resort to unlawful behaviour'. You have acted in a disorderly manner and in a manner subversive of discipline of the establishment by manhandling a co-employee."

5. The Petitioner is Indian Immunologicals Employees Union represented by its General Secretary. Sri E. Yadaiah working in the Respondent company is one of the member in the Petitioners Union. Petitioners Union took up the cause of Sri E. Yadaiah, before the Assistant Labour Commissioner since the Respondent management imposed punishment of stoppage of increment of two years on the said E. Yadaiah. The conciliation proceedings are failed before the Assistant Commissioner of Labour. Therefore the Assistant Commissioner of Labour submitted a failure report. Thereafter their matter is referred to this Tribunal to decide for adjudication with regard to the dispute between the said E. Yadaiah represented by its petitioners Union and the Respondent management. For the convenience sake I will hereinafter refer the said E. Yadaiah as Petitioner.

5.1. The Petitioner is working in the Respondent Organisation since 1990 and he belongs to Scheduled Caste Category. On 20th January, 1996 the Petitioner was issued with a charge-sheet (Ex. W1) alleging that the Petitioner acted in a disorderly order and in a manner subversive of discipline of establishment by manhandling a co-employee and the same as per the Respondent constituted misconduct as per clause 25(I), (9)(28) and (44) of the certified Standing Orders and directed the Petitioner to submit explanation in o the said charges levelled against him. The Petitioner was placed under suspension with immediate effect. The Petitioner submitted an explanation for the said charges levelled against him by way of explanation dated 29-1-1996 (Ex. W2). Thereafter the Respondent proceeded further in the matter by appointing one Mr. Bharadwaj an outsider as an Enquiry Officer. The said Enquiry Officer after conducting an enquiry submitted his report as in Ex. M2. During the course of enquiry he recorded the statements of Dr. T. Srivardhan, Dy. Manager and Sri A.P. Kariath. In fact the Petitioner cross-examined Dr. T. Srivardhan, Dy. Manager. But the Petitioner did not choose to cross-examine the said Dr. A. P. Kariath on the ground that his name was not find place in the chare-sheet as one of witness. The Enquiry Officer submitted his report to the Respondent stating that the Charge levelled against the Petitioner was proved. After receiving the said enquiry report by the Respondent a show cause notice was issued (Ex. W4) to the Petitioner. The Petitioner gave an explanation to the said show cause notice as in Ex. M5. Thereafter the Respondent got issued show cause notice for proposed punishment as in Ex. W6. The Petitioner submitted explanation to the said proposed punishment as in Ex. W7. Thereafter the Respondent passed the impugned order dated 28-5-1996 as in Ex. W8. The Petitioner preferred an appeal against the said order. The said appeal was dismissed confirming the order of the Respondent.

5.2 At this juncture it is also relevant to state that the petitioner admitted in his explanation about his presence at the time of the incident. The relevant portion in Ex. W2 reads as follows :

“.....The Management representatives instead of bringing the situation under control provoked them by using abusive language. By this provocation they manhandled by giving blows to Laxma Reddy, C. B. Raju, and Kariath. At this time we the workmen standing there went to the rescue of them by blocking and requesting not to beat them. When I found one outsider trying to manhandled Dr. T. Sreevardhan for his unnecessary loose talks and pushed Dr. T. Sreevardhan and stood in between by facing my his back towards outsider. While protecting him I am beaten by agitators....”

At this juncture it is also relevant to go through the questions put to Dr. T. Sreevardhan with regard to the alleged incident, during the course of enquiry. In the Chief Examination the relevant portion in the answers of question No. 1 of Dr. T. Sreevardhan, reads as follows :

“.....in the meantime outsiders who have interfered started breaking the panes of the reception and somebody tried to hit Mr. Laxma Reddy, Security Officer with a stick, I saw this and raised my hand. At that time Mr. E. Yadaiah, and Mr. Shameem were standing near me alongwith other workmen. Mr. E. Yadaiah and Mr. Shamim pushed me to the wall, adjoining to the ladies toilet. At the time of pushing they have abused the management and somebody punched in my stomach. I do not know who has punched in my stomach. At this juncture Dr. C. S. Reddy, and Sri Sivaramakrishnayya took me away.”

Another question was put to this witness which is as follows:

Q : When you were pushed towards the wall, who are the persons standing in front of you ?

R : Besides other workman Mr. Yadaiah and Mr. Shameem were there and they have pushed me. In fact they are the people who have instigated.

The above questions and answers were given by the said witness in his Chief-examination. Some questions were put to this witness during the cross-examination. Even a question was put to this witness where were Mr. Yadaiah and Mr. Shameem. For that question this witness has given answer that they were standing in front of him. Another question was put to this witness in the cross-examination that can he state whether he pushed before or after the arrival of the outsiders. For that this witness answered that they were pushed them after arrival of the outsiders. The cross examination of this witness would go to show that the petitioner is admitting about pushing of this witness to the wall. Even the explanation given by the Petitioner would disclose that the petitioner pushed this witness aside to save him from the outsiders and in that process the petitioner received beatings from the outsiders.

At this juncture it is just and necessary to extract another question which was put to this witness in the cross examination which is as follows :

Q : “I put it to you that in order to protect you from the outsiders, the workman has pushed you ?”

R : “I do not think so. If the intention of the workers to protect me would have been in a different manner.”

The following question was also put to this witness which is as follows :

Q. : “You have stated that Mr. Yadaiah and Mr. Shameem were standing in front of you and about 10 to 40 workers were standing behind them. Don't you think those workers when pushed forward, Mr. Shameem and Mr. Yadaiah will fall on you.”

Ans: When pushing takes place, when somebody loose his balance and falls on the other persons. But here it is not like this. They have cornered me and put me aside to the wall.

The above question of the said witness would disclose that the Petitioner and Shameem were standing in front of this witness and about 30 to 40 workers were standing behind them and they might have pushed the Petitioner and Shameem and in turn the Petitioner and the Shameem might have fallen on this witness. But, the above answer given by the Victim would disclose that the Petitioner and Shameem cornered him and put him aside to the wall but not as suggested by the Petitioner.

So it is evident from the above cross-examination of the victim that the Petitioner and another Shameem were present and they were in front of the said Dr. T. Sreevardhan and they pushed the said Dr. Sreevardhan to the wall. In fact the report given by Dr. T. Sreevardhan to the Respondent management would disclose that the Petitioner herein and Shameem punched in his stomach while pushing to the well by using abusive language. It is a fact that the victim Dr. T. Sreevardhan has not stated clearly during the course of enquiry that the petitioner and Shameem punched in his stomach. During the course of enquiry another witness by Dr. A. P. Kariath was examined. He has stated that the petitioner herein and another Shameem manhandled Dr. T. Sreevardhan by pushing him to the well and punched in his stomach. The contention of the Petitioner counsel is that Dr. A. P. Kariath was not present at the time of present incident and hence his evidence cannot be taken into consideration to come to a conclusion that the Petitioner and Shameem gave a punch in the stomach of Dr. T. Sreevardhan, when especially the said Sreevardhan stated before the enquiry officer that somebody punched in his stomach. It is true that the said Dr. T. Sreevardhan has stated before the enquiry officer that some body punched in his stomach. He has not categorically stated before the enquiry Officer that the Petitioner and he said Shameem punched him in his stomach. Even in the explanation of the Petitioner Ex. W2 it is categorically stated that the outsiders manhandled by going close to Laxma Reddy, C. B. Raju and Kariath. Hence, as per the petitioner the said Kariath was present at the time of the incident. Merely, the name of Kariath was not

and place as a witness in the Charge Sheet, cannot be said that the Respondent management is not entitled to examine the said Kariath who is also present along with others at the time of the incident. If it is the contention of the petitioner that the said Kariath was not present at the time of incident then much credence need not be given to the evidence of Dr. A. P. Kariath. As already discussed by me above even the Petitioner has admitted in his explanation W2 about the presence of the said Dr. A. P. Kariath at the time of the incident. But, it is a fact that the victim has not stated that the Petitioner and the Shameem punched him in his stomach but the said Kariath has stated in his evidence that the said two persons punched in the stomach of Dr. T. Sreevardhan. As per the evidence of the said Dr. Sreevardhan he received punch on his stomach but who punched he cannot say. Even as per the Petitioner he alongwith Shameem pushed the Dr. T. Sreevardhan to the wall but their contention is that they pushed him to save his life from the outsiders. But whereas, the evidence of Dr. Sreevardhan and D. Kariath before the Enquiry Officer would disclose that the Petitioner and Shameem pushed the said Sreevardhan to the wall by using abusive language. Even pushing a particular person by another person would come within the meaning of man handling. Even assuming that the Petitioner and Shameem did not punch on the stomach of Dr. T. Sreevardhan even then they manhandled him by pushing him from the place where he stood. Under those circumstances it can be said that the Petitioner and Shameem manhandled Dr. T. Sreevardhan by using abusive language. Hence the Petitioner acted in a disorderly manner and in a manner subversive of discipline of the establishment by manhandling a co-employee. Under those circumstances the finding of the enquiry officer that the charge framed against the Petitioner is proved, is perfectly correct and needs no interference by this Tribunal.

5.3 The contention of the Petitioner counsel is that the Petitioner belongs to Scheduled castes and he takes active participation in Union activities and hence the Respondent management bore grudge against the Petitioner and got implicated the petitioner in this case. He nextly contended that the Respondent management gave a complaint to the police with regard to the said incident in which the name of the Petitioner does not find place. Ex. W11 is the copy of the said F.I.R. It is true that Ex. W11 does not contain the name of the petitioner herein as one of the accused. For which, the contention of the Respondent counsel is that on the date of the incident outsiders entered into the premises of the Respondent Company and caused damage and with regard to the said damage the Respondent management gave a complaint showing the names of the persons as accused who caused the damage to the property of the Respondent company. Infact the said complaint is not given with regard to the manhandling of Dr. Sreevardhan by the Petitioner herein and Shameem. Hence Ex. W11 does not contain the names of the Petitioner and Shameem as accused. On perusal of Ex. W11 it can be said that the Respondent management gave a complaint to the police stating that on 19-1-1996 at about 10-45 A.M. accused mentioned in column 7 in F.I.R.

(E. Mallareddy & Others) Criminally entered into the factory and damaged the building glasses, reception and PABX and also beat the employee Sri T. Laxma Reddy for closing the factory in memory of late Sri N. T. Rama Rao, former Chief Minister of Andhra Pradesh. Since the complaint was given to the police with regard to the damage caused to the Respondent factory by E. Mallareddy and others. The Respondent did not mention the names of Petitioner and Shameem as accused in the complaint as they did not cause any damage to the Respondent property and also they did not beat Sri T. Laxma Reddy, Security Guard. The Petitioner counsel nextly contend that to harass and victimise the Petitioner the respondent implicated the petitioner and gave such a punishment. Whereas the Respondent counsel argued that subsequently the stoppage of increment on the petitioner was lifted and increment was released. Even the Petitioner was given promotion subsequently. If really the Respondent wants to victimise the Petitioner, the Respondent ought not have promoted the Petitioner. Hence, the contention of the Petitioner counsel that to victimise the Petitioner the Respondent implicated the petitioner in this case and gave such a punishment cannot be belived. Moreover, to maintain discipline the Respondent to impose some punishments on the employees if their misconduct is proved. The contention of the Respondent counsel is that the behaviour of the petitioner towards the Officer of the Respondent Company in this case is serious in nature. If really the respondent wants to harass the petitioner the respondent ought to have dismissed the petitioner since the charge proved against the petitioner serious in nature. But the respondent did not impose any such punishment against the Petitioner. Moreover no stigma is attached to the Petitioner in giving the said punishment since the Petitioner was already promoted and working in the higher post. Even the punishment imposed in this case is not severe and needs no interference by this Tribunal.

6. For the foregoing reasons I am of the view the finding of the Enquiry Officer that the charge framed against Sri E. Yadaiah is proved and he is guilty of the said charge is perfectly correct and needs no interference. In view of my above discussion the punishment imposed against the petitioner is not severe and needs no interference by this Tribunal. Hence the action of the Management of Indian Immunologicals, in imposing penalty of stoppage of increment of 2 years on Sri E. Yadaiah, is legal and justified. So Sri E. Yadaiah is not entitled for any relief in this I.D.

7. The Petitioner is not entitled for any relief in this Industrial dispute.

8. The reference is answered accordingly and the Award is passed.

9. The Award shall come into force U/s 17-A of I.D. Act after one month of publication of the Award.

Dictated to the Stenographer, transcribed by her corrected by me and given under my hand and seal of this Tribunal on this the 2nd day of November, 1999.

APPENDIX OF EVIDENCE

WITNESSES EXAMINED

For Petitioner:—NIL For Respondent:—NIL
DOCUMENTS MARKED

For Petitioner :

(Documents marked with consent)

- Ex. W1 : 20-01-96—Xerox copy of charge-sheet.
 Ex. W2 : 29-01-96—Xerox copy of explanation to the chargesheet.
 Ex. W3 : 29-01-96—Xerox copy of domestic enquiry proceedings.
 Ex. W4 : 20-04-96—Xerox copy of show cause notice and domestic enquiry findings.
 Ex. W5 : 22-04-96—Xerox copy of reply letter to show cause notice not accepting enquiry findings.
 Ex. W6 : 18-5-96—Xerox copy of show cause notice for proposed proposal punishment.
 Ex. W7 : 28-5-96—Xerox copy of explanation to the proposal punishment.
 Ex. W8 : 30-05-96—Xerox copy of punishment order.
 Ex. W9 : 04-07-96—Xerox copy of appeal against punishment order.
 Ex. W10 : 16-08-96—Xerox copy of confirmation of punishment order.
 Ex. W11 : 19-01-96—Xerox copy of F.I.R. 12/96.

For Respondent : (Documents marked with consent).

- Ex. M1 : 26-02-99—Domestic enquiry proceedings alongwith Ex. No. 1 to Ex. No. 3 and Enquiry Notice.
 Ex. M2 : 26-02-99—Domestic enquiry findings.
 Ex. M3 : 26-02-99—Reply to the show cause notice dt. 20/22-4-96.
 Ex. M4 : 18-05-96—Show cause notice.
 Ex. M5 : 28-05-96—Reply to the show cause notice.
 Ex. M6 : 30-05-96—Punishment order given by the management.
 Ex. M7 : 04-07-96—Appeal against the punishment order, dated 30-05-1996.
 Ex. M8 : 16-8-96—Office copy of confirmation of punishment order.
 Ex. M9 : 29-08-96—Letter from Management addressed to the A.C.L., (C)-I.

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3696.—राज्योंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम. डी. ओ. (टी), वर्धा के प्रबन्धलंब के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुवंश में निर्दिष्ट राज्योंगिक विवाद में ऐश्वीर सरकार आर्योंगिक 3619 51/99—20

अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-12-99 को प्राप्त हुआ था।

[म. एन-40012/209/91-आई आर (डीप)
कृतदीप राय वर्मा, ईस्क एसिस्टेंट]

New Delhi, the 1st December, 1999

S.O. 3696.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SDO (T), Wardha and their workman, which was received by the Central Government on the 1-12-99.

[No. L-40012/209/91-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/192/92

PRESENT :

Presiding Officer : Shri D. N. Dixit.

Shri Ravindra Gajanan Nakshine ... Applicant

Versus

The General Manager,
Railway Electrification Project,
Nagpur ... Non-applicant

AWARD

Delivered on this 1st day of November, 1999

1. The Government of India Ministry of Labour vide order No. L-40012/209/91-IR(DU) dated 2-9-92 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

"Whether the action of the management SDO(T), Wardha in terminating the services of Shri Ravindra Gajananrao Nakine w.e.f. 18-5-87 is justified? If not, what relief he is entitled to?"

2. The admitted facts of case is that the workman Shri Ravindra Gajananrao Nakine was working as casual labour with the management from 3-7-86 to 18-5-87. The order of termination has not been given to the workman.

3. The case of the workman is that he started work with the management from 3-7-86 and he was not allowed to work from 1-11-89. Prior to termination of service, notice was not given to the workman. The workman has not been paid retrenchment compensation. The termination of the workman is illegal and contrary to law. The workman claims reinstatement and back wages.

4. The case of the management is that the workman worked with them as casual labour from 3-7-86 to 17-5-87. The workman abandoned work of his

own will from 18-5-87. The workman is not entitled to any relief since he left the job out of his own free will. The management seeks confirmation of its action.

5. The workman stated in his affidavit in para-10 that he started working in Railway electrification from 1-6-87. Thus according to admission of the workman, he has not worked with the management after 1-6-87. Thus the contention of the management is correct that the workman abandoned the work and his services has not been terminated.

6. The contention of the management witness Shri N. R. Warkhede is that the workman abandoned work from 17-5-87. This is supported by the fact that workman started working for Railway electrification from 1-6-87.

7. In the case of Himachal Pradesh versus Suresh Kumar reported in AIR 96, Supreme Court 1965. Supreme Court has held that if the appointment of an employee is on daily wages and it is not according to rules whenever the project comes to an end, the appointment of the employee also comes to an end. Courts cannot give direction to engage the employee. In the present case, the project has come to an end from 18-5-87 as such the workman cannot get employment from 18-5-87. On this ground alone, the workman is not entitled to reinstatement of back wages.

8. The award is given in favour of the management. Parties to bear their own cost.

9. Copies of the award be sent to the Ministry of Labour, Government of India as per rules.

D. N. DIXIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1999

का.प्रा. 3697—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अमुसरण में केन्द्रीय सरकार में सर्वसंघ बी. सी.सी. एल. के प्रबंधतत्व के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण मं. 1, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-11-99 को प्राप्त हुआ था।

[सं. ०८-20012/(93)/88-प्राई. आर. (सी-डी-4 (ए))]

प्रथम सुन्दर गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 10th December, 1999

S.O. 3697.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M's. BCC L'd., and their workman,

which was received by the Central Government on 30-11-99.

[No. L-20012/(93)/88-D.4-(A)-IR(C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.
ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 50 of 1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri Sarju Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers Shri H. Nath, Advocate.

For the Workman—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 22nd November, 1999

AWARD

By Order No. L-20012(93)/88-D.4(A)/IR(Coal-I) dated 5-5-1989 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 1C of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Bararee Colliery of M/s BCCL, P.O. Bhulanbararee, Dist. Dhanbad in denial of promotion of Shri Ramjanam Singh, Accounts Asstt in special Grade (Clerical) to Accountant in Technical & Supervisory Grade-'A' is justified? If not, to what relief the workman is entitled and from what date?"

2. Despite several adjournments given to the concerned workman even today none is present on behalf of the workman. It, therefore, appears that neither the concerned workman nor the sponsoring union is interested to contest the industrial dispute.

3. Under such circumstances I render a 'No. Dispute' Award in this reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली 16 दिसम्बर, 1999

का.प्रा. 3698—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, ओद्योगिक विवाद

अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ळ) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. श्रा. 2040 दिनांक 28 जून, 1999 द्वारा लौह अयस्क लेनदेन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 1 जुलाई, 1999 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः यद्य, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ळ) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 1 अनवरी, 2000 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का. सं. एस.-11017/13/97-प्राई. भार. (पी.एन.)]
एस. सी. गुप्ता, अवार सचिव

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. 3698.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of the clause (n) of section 2 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2040 dated 28th June, 1999 the Iron Ore Mining Industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a period of six months from the 1st July, 1999.

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 1st January, 2000.

[No. S-11017/13/97-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3699.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि भारत सरकार टकसाल चैरसापल्ली में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 11 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अतः यद्य, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ळ) के उपखंड

(6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/3/98-जी. स. (नी. वि.)]
एस. सी. गुप्ता, अवार सचिव

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. 3699.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the India Government Mint, Cherlapally (Ranga Reddy) which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/3/98-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy

नई दिल्ली 16 दिसम्बर, 1999

का. आ. 3700.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि भारत सरकार टकसाल मुम्बई में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 11 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः यद्य, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ळ) के उपखंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/14/97-जी. स. (नी. वि.)]
एस. सी. गुप्ता, अवार सचिव

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. 3700.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the India Government Mint, Mumbai which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/14/97-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

का. प्रा. 3701.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि भारत सरकार टक्साल हैदराबाद में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 11 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उपखंड (६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस.-11017/1/96-ओ.स. (नी.वि.)]
एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 16th December, 1999

S.Q. 3701.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the India Government Mint, Hyderabad which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/1/96-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

का. प्रा. 3702.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि भारत सरकार टक्साल नोइडा में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 11 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उपखंड (६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस.-11017/1/94-ओ.स. (नी.वि.)]
एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. 3702.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the India Government Mint, Noida which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/1/94-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1999

का. प्रा. 3703.—वे ग्रीन सरकार का समाधान हो गया है कि लोक हित में ऐसा अपेक्षित है कि भारत सरकार टक्साल कलकत्ता में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 11 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उपखंड (६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस.-11017/1/97-ओ.स. (नी.वि.)]
एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 16th December, 1999

S.O. —Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the India Government Mint, Calcutta which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/1/97-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy.

नई विली, 17 दिसम्बर, 1999

का.आ. 3704.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रस्तु शब्दियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा 01 जनवरी, 2000 की उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4, अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उपधारा-(1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं] के उपबंध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला इडुक्की तालुक तोडुपुषा राजस्व ग्राम कुमारमंगलम और मनकड़ के अधीन लेन”।

[संलग्न एस-38013/35/99-एस.एस.-I)]

जे. पी. शुक्ला, उप सचिव

New Delhi, the 17th December, 1999

S.O. 3704.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st January, 2000 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely :

“The areas within the Revenue Village of Kumarmanglam and Manakkad area in Thodupuzha Taluk of Iduki District”.

[No. S-38013/35/99-SS. I]

J. P. SHUKLA, Dy. Secy.

